खबरें जो सोच बदल दे

शुभ लाभ

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 | रविवार, 08 जून, 2025 | हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित | website : https://www.shubhlabhdaily.com | संपादक : गोपाल अग्रवाल | पृष्ठ : 14 | मूल्य-8 रु. | वर्ष-7 | अंक-157

शैतान पाकिस्तान का साथ देने वाला तुर्की हो रहा हलकान

भारत जैसा विशाल बाजार छूटा, सारा रिश्ता टूटा

मुंबई, 07 जून (एजेंसियां)। शैतान पाकिस्तान का साथ देने वाला तुर्की अब आर्थिक राजनीतिक और कूटनीतिक रूप से हलकान हो रहा है। पाकिस्तान का साथ देने के कारण भारत जैसे विशाल बाजार का ग्राहक तुर्की से अत्यंत नाराज हो गया और उसने तुर्की से सारे व्यापारिक रिश्ते खत्म कर दिए। अब तो तुर्की से रोबोटिक लाइफबॉय उपकरण खरीदने का करार भी रद्द कर दिया गया है। यह तुर्की के लिए भारी आर्थिक झटका है।

पहलगाम जैसी घृणास्पद घटना के बावजूद पाकिस्तान का साथ देने वाले देश तुर्की को अपनी इस शैतानी का खामियाजा भुगतना पड़ रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद तुर्की के साथ तमाम व्यापारिक लेन-देन, समझौते, ऑर्डर, पर्यटन-बूकिंग वगैरह खत्म करने के बाद बृहन्मुंबई महानगरपालिका (बीएमसी) ने तुर्की से रोबोटिक लाइफबॉय खरीदने का करार भी रद्द कर दिया है। महाराष्ट्र के लोगों के दबाव के बाद बीएमसी ने तुर्की से हुआ करार रद्द कर दिया। बीएमसी के आयुक्त भूषण गगरानी ने इस योजना को रद्द करने की आधिकारिक पुष्टि करते हुए कहा, हम जल्द ही रोबोटिक वॉटर रेस्क्यू डिवाइस के लिए किसी दूसरे देश के साथ

तुर्की से रोबोटिक लाइफबॉय मशीनें खरीदने का करार भी रद्द

करार के लिए एक नया टेंडर आमंत्रित करेंगे। दरअसल, मानसून के दौरान समुद्र तटीय इलाकों में कई लोगों को डूबने की घटनाएं सामने आती हैं। इन्हीं से निपटने के लिए बीएमसी ने तुर्की में बने रोबोटिक लाइफबॉय उपकरणों को छह समुद्र किनारों पर लगाने की योजना बनाई थी, जिनमें गिरगांव, दादर, जुहू, वर्सोवा, अक्सा और गोराई शामिल थे। इन रोबोटों को 111 लाइफगार्ड्स के समर्थन के लिए खरीदा जाना था जो कई समुद्र तटों पर तैनात हैं। ये रोबोट खराब मौसम के दौरान सर्च ऑपरेशन चलाने के जोखिम को कम करते हैं। इन रोबोटों में कैमरे और रोबोटिक आर्म्स जैसे फीचर्स हैं जो पीड़ितों को खोजने और जलमग्न क्षेत्रों की जांच करने में मदद करते हैं। इन रोबोटिक लाइफबॉय में दो वॉटर जेट और 200 किलोग्राम तक वजन उठाने की क्षमता थी। ये समुद्र में 800 मीटर तक जा सकते थे और 18 किमी/घंटा की रफ्तार से चल सकते हैं।

तुर्की के साथ हुए इस करार का विरोध तब शुरू हुआ जब तुर्की ने भारत और पाकिस्तान के बीच हाल की सैन्य तनातनी में पाकिस्तान का समर्थन किया। इसके बाद भाजपा और शिव-सेना समेत कई ▶10 पर

खनिज निर्यात बंद करने वाले चीन को जवाब देगा भारत

रेयर-अर्थ के उत्पादन में भी आत्मनिर्भर होगा भारत

दुर्लभ खनिज में चीन का एकाधिकार तोड़ने की तैयारी

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक (रेयर अर्थ मैग्नेट) पर चीनी दबदबे को मिटाने के लिए केंद्र सरकार इस दिशा में आत्मनिर्भर बनने की योजना बना रही है। दरअसल, चीन ने 4 अप्रैल को दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक के निर्यात पर रोक लगा दिया है। चीन के इस फैसले से दुनियाभर की ऑटो इंडस्ट्री में हाहाकार मच गया है। जापान में सुजुकी ने स्विफ्ट कार का प्रॉडक्शन रोक दिया है तो भारत में भी कंपनियों के सामने मैन्युफैक्चरिंग रोकने की नौबत आ रही है।

ऐसे में केंद्र सरकार रेयर अर्थ मैग्नेट के लिए चीन पर निर्भरता कम करने के लिए देश में इसका उत्पादन बढ़ाने पर जोर देना चाह रही है। सरकार संबंधित कंपनियों को काम बढ़ाने के लिए प्रोत्साहन (इंसेटिव) देने की रूपरेखा भी तैयार कर रही है। ▶10 पर

जरूरी खनिजों की आपूर्ति में बाधा डालना खतरनाक : गोयल

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने कहा कि महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति में किसी खास देश द्वारा बाधा डालना या जरूरी खनिजों की आपूर्ति कुछ देशों तक सीमित होना वैश्विक आर्थिक विकास के लिए खतरा है। गोयल ने आपूर्ति श्रृंखला में विविधता लाने पर जोर दिया और साथ ही चीन की खनिज के क्षेत्र में बढ़ती निरंकुश पकड़ को लेकर चिंता जताई। पिछले दिनों इटली दौरे पर गए वाणिज्य मंत्री ने कहा था कि दुनिया को यह समझना ▶10 पर

ब्रिटेन के विदेश मंत्री से भारत के विदेश मंत्री की दो-टूक

आतंकवाद की जीरो टॉलरेंस नीति सनद रहे

आतंकवाद से लड़ाई में भारत के साथ अमेरिका

नई दिल्ली/वाशिंगटन, 07 जून (एजेंसियां)। भारतीय विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी से मुलाकात की। डेविड लैमी अपने प्रतिनिधिमंडल के साथ भारत दौरे पर आए हैं। बैठक के दौरान डॉ. जयशंकर ने कहा कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति है और हम उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी इस बात को समझें। भारतीय विदेश मंत्री ने पहलगाम आतंकी हमले निंदा करने और आतंकवाद के खिलाफ समर्थन के लिए भी ब्रिटिश सरकार को धन्यवाद दिया। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डेविड लैमी दो दिवसीय भारत दौरे पर शनिवार सुबह नई दिल्ली पहुंचे। लैमी के दौरे में दोनों देशों के बीच व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की जाएगी। एस. जयशंकर ने कहा कि, हम आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हैं और उम्मीद करते हैं कि हमारे सहयोगी देश इसे समझेंगे। ▶10 पर

पाकिस्तान जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करे : अमेरिकी सांसद

वाशिंगटन, 07 जून (एजेंसियां)। अमेरिका में पाकिस्तान और उसके पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो की जमकर किरकिरी हुई। एक वरिष्ठ अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन ने बिलावल को खूब खरी-खरी सुनाई। उन्होंने बिलावल से जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करने के लिए काम करने को कहा। अमेरिकी सांसद ने पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में आए पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से कहा कि वह आतंकवादी समूह ▶10 पर

सुप्रिया सुले ने कांग्रेस की राजनीतिक चालबाजी पर फेरा पानी

यह समय एकजुटता दिखाने का है सियासत का नहीं

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। यह समय राजनीति का नहीं है। यह भारत की सुरक्षा का मामला है। देश पहले आता है, फिर राज्य, फिर पार्टी और फिर परिवार। ये बात एनसीपी के शरद पवार गुट की सांसद सुप्रिया कांग्रेस से कही है। उन्होंने कांग्रेस से द्वारा सरकार पर विशेष सत्र बुलाने की कांग्रेस की योजना पर पानी फेर दिया है। सुप्रिया सुले इस वक्त ऑपरेशन सिंदूर के तहत पाकिस्तान को वैश्विक मंचों पर बेनकाब करने के बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल के साथ हैं।

सुप्रिया सुले का मानना है कि ये वक्त सरकार से तीखे सवाल करने की जगह वैश्विक स्तर पर भारत की एकजुटता को प्रदर्शित करने का है। कांग्रेस द्वारा विशेष सत्र बुलाने के लिए सहमति हस्ताक्षर के लिए संपर्क किए जाने का खुलासा किया। उन्होंने बताया कहा कि मैंने कांग्रेस को कह दिया है कि इस वक्त मैं देश से बाहर हूं और ये सही समय नहीं है। मैंने उन्हें सलाह दी है कि मेरे वापस आने के बाद ही हम इस पर बात करेंगे। लेकिन, उससे पहले ही कांग्रेस ने पत्र भेज दिया है। भारत सरकार के बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल में शामिल सुले का कहना है कि हम इस पर सरकार से सवाल अवश्य करेंगे, केवल एनसीपी ही नहीं, सभी दल इस पर सवाल जबाव मांगेंगे, ▶10 पर

विकास की उपलब्धियों पर भाजपा ने जारी की ई-बुक

11 साल में 17 करोड़ नई नौकरियां दी गईं

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने अपने 11 साल पूरे कर लिए हैं। इस मौके पर शुक्रवार को सरकार ने 11 साल सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के शीर्षक वाली ई-बुक जारी की। इसमें कहा गया है कि सरकार ने 11 सालों में 17 करोड़ नई नौकरियां सृजित की हैं और देश में मेडिकल कॉलेजों की संख्या दोगुनी हुई है। इस ई-बुक में 11 वर्षों में देश के सामाजिक, आर्थिक और वैश्विक परिदृश्य में आए बदलावों को बताया गया है।

सरकार का दावा है कि इस अवधि में देश ने अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर,

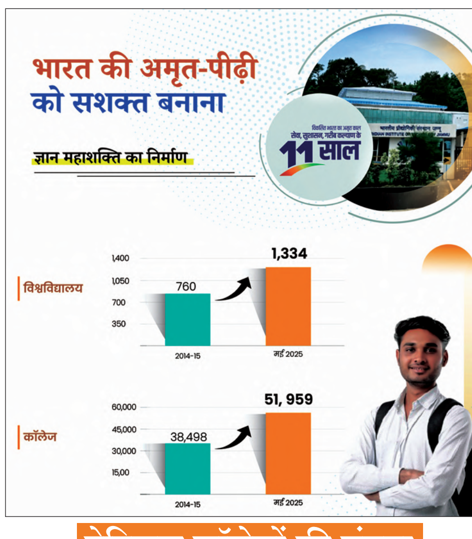

मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 से बढ़कर 780 हो गई

डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, किसानों का कल्याण, रक्षा क्षेत्र और वैश्विक मंच पर भारत की साख जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। ई-बुक के अनुसार, सरकार की नीतियों ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में मदद की है, जो किसी भी सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है। ई-बुक में अनुसार, मोदी सरकार में मेडिकल कॉलेजों की संख्या में दोगुनी हुई हैं। 2014 में मेडिकल कॉलेजों की संख्या 387 थी, जो 2025 में बढ़कर 780 हो गईं। वहीं, एमबीबीएस सीटों की संख्या 51,348 से बढ़कर 2024 में 1.18 लाख हो गई हैं। ▶10 पर

ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने दिखाई एकजुटता

आतंक के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़े ब्रिक्स देश

नई दिल्ली/ब्रासीलिया, 07 जून (एजेंसियां)। ब्रिक्स संसदीय सम्मेलन में ब्रिक्स देशों ने पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा की। साथ ही दस देशों ने आतंक के खिलाफ साझा बयान जारी कर भारत की जीरो टॉलरेंस की नीति का समर्थन किया। इतना ही नहीं एआई, वैश्विक अर्थव्यवस्था और शांति पर भी व्यापक सहमति बनी। भारत समेत ब्रिक्स देशों के संसदीय फोरम के ब्राजीलिया में आयोजित 11वें वार्षिक सम्मेलन में लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला की पहल पर सभी 10 देशों ने साझा बयान जारी कर आतंकवाद के खिलाफ मिलकर लड़ने की प्रतिबद्धता भी जताई। सभी ने आतंकवाद के खिलाफ भारत की शून्य सहिष्णुता नीति का पुरजोर समर्थन किया।

सम्मेलन के दौरान कई दौर की गहन चर्चाओं और विचार-विमर्श के बाद कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), वैश्विक व्यापार व अर्थव्यवस्था, अंतर-संसदीय सहयोग, वैश्विक शांति और सुरक्षा जैसे क्षेत्रों में व्यापक सहमति बनी। सम्मेलन में भारत के अलावा ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, ▶10 पर

कार्टून कॉर्नर

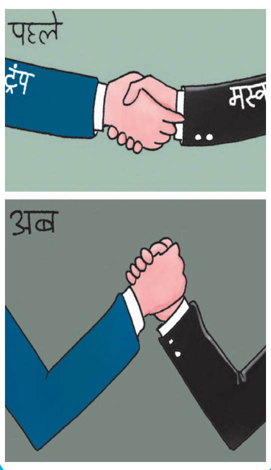

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 34^0
न्यूनतम : 26^0

निर्दोषों के खून से भीगा पाकिस्तान पानी के लिए तरसेगा

भारत की मुख्य धारा से जुड़ेंगी सिंधु सतलज रावी व्यास

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। सीमा पार आतंक पर प्रहार के लिए भारत ने सिंधु, सतलज और व्यास नदियों का पानी अपने उपयोग तक सीमित करने की रणनीति बनाई है। इसके तहत रावी-व्यास को सतलज से जोड़कर जल भारत में रोका जाएगा। नहरों और सुरंगों से यमुना से जोड़कर राजस्थान-हरियाणा तक पानी पहुंचाया जाएगा। सीमा पार आतंक से स्थायी तौर पर मुक्ति के लिए भारत ने पाकिस्तान पर जल प्रहार की लंबी रणनीति तैयार की है। सिंधु जल समझौता स्थगित करने के बाद भारत की तैयारी अब पाकिस्तान को बूंद-बूंद पानी के लिए तरसाने की है। इसके तहत सिंधु, सतलज और व्यास नदियों के पानी का उपयोग अपने भूभाग तक सीमित रखने की योजना बनाई गई है।

सिंधु नदी को रावी-व्यास नदियों से जोड़ते हुए

सतलज के जरिए पंजाब के हरिके बैराज तक पानी लाया जाएगा। करीब 200 किमी की नहर परियोजना में 12 बड़ी सुरंगें बनाने और इसके जरिए हासिल पानी को इंदिरा गांधी नहर और राजस्थान की गंगा नहर सहित कुछ अन्य नहरों से जोड़ते हुए यमुना नदी से मिलाने की है। विस्तारित योजना में इन नदियों की धारा को यमुना से जोड़ा जाएगा। इसके शुरुआती चरण में पंजाब के सरहिंद फीडर, हरियाणा में राजस्थान फीडर के साथ इंदिरा गांधी नहर के साथ गंगा नहर की क्षमता बढ़ाने, गाद निकालने और लीकेज रोकने का काम पूरा किया जा रहा है। परियोजना को पूरा होने में दो से तीन साल का समय लगेगा। इससे यमुना को भी नया जीवन मिलेगा। पाकिस्तान सिंधु जल संधि बहाल करने के लिए भारत के सामने एकबार फिर गिड़गिड़ाया है। ▶10 पर

बाली में बैन होगी पानी की प्लास्टिक बोतलें, प्रशासन ने जारी की नई नीति

अन्य क्षेत्रों के लिए बनेगा मॉडल, बाली संस्कृति और प्रकृति के लिए मशहूर

जकार्ता, 07 जून (एजेंसियां) ।

इंडोनेशिया के टूरिस्ट आइलैंड बाली में पानी की बोतलों के प्रोडक्शन पर रोक लगाने की योजना बनाई है, ताकि इस आइलैंड पर प्लास्टिक पॉल्यूशन को कम किया जा सके। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बाली के अधिकारियों और कई प्रमुख बोतल बंद पानी उत्पादकों के बीच पिछले महीने बाली की राजधानी देनपसार में बैठक हुई। यहां के गवर्नर ने नई नीति की घोषणा की, जो अगले साल जनवरी में लागू होगी।

गवर्नर ने कहा कि इस योजना को केंद्र सरकार का समर्थन मिला है। उन्होंने कहा कि व्यवसायों को तुरंत अपना प्रोडक्शन बंद कर देना चाहिए और बचे हुए स्टॉक को बेच देना चाहिए। अगले साल तक, एक लीटर से कम की पानी की बोतलें अब बाली में नहीं बेची जाएंगी। उन्होंने कहा कि आइलैंड में करीब सभी लैंडफिल साइट्स पूरी क्षमता पर पहुंच गई हैं। इस कचरे में अधिकतर सिंगल-यूज प्लास्टिक, खासतौर पर पानी की बोतलें शामिल हैं।

कोस्टर ने उम्मीद जताई कि यह नीति बाली को पर्यावरण के अनुकूल नीतियों को अपनाने में इंडोनेशिया के अन्य क्षेत्रों के लिए एक मॉडल के रूप में काम करेगी। उन्होंने कहा कि बाली अपनी संस्कृति और प्रकृति के लिए जाना जाता है। अगर यह कचरे से भरा है, तो यहां कौन आएगा अगर सैलानी नहीं आएंगे तो देश की तरक्की रूक जाएगी। अप्रैल में बाली प्रशासन की ओर से इस मुद्दे पर एक सर्कुलर जारी किया था। जिसमें सरकारी कार्यालयों, व्यवसायों और बाजारों, सार्वजनिक संस्थानों और पूजा स्थलों में प्लास्टिक बैग और प्लास्टिक स्ट्रॉ समेत सिंगल-यूज प्लास्टिक के इस्तेमाल पर बैन लगा दिया था।

इसके अलावा इन स्थानों के मैनेजमेंट में उचित अपशिष्ट और प्रदूषण प्रबंधन प्रणाली होनी चाहिए, यह भी आदेश जारी हुआ था। उदाहरण के लिए कचरे को छांटना, जैविक पदार्थों से खाद बनाना और अकार्बनिक कचरे का पुनर्चक्रण करना। इस घोषणा का अनुपालन नहीं करने पर व्यवसाय परमिट रद्द हो जाएगा। इस बीच नीति का पालन करने में विफल रहने वाले गांवों को सहायता से वंचित होना पड़ेगा। पर्यावरण मंत्रालय द्वारा संचालित नेशनल वेस्ट मैनेजमेंट इंफोर्मेशन के अनुसार पिछले साल बाली में कचरे का ढेर 1.2 मिलियन टन तक पहुंच गया, जिसमें सबसे बड़ा योगदान डेनपसार का था।

डेनपसार ने करीब 3,60,000 टन कचरे का उत्पादन किया। फरवरी में जकार्ता स्थित ऊर्जा और जलवायु नीति थिंक टैंक, इंस्टीट्यूट फॉर एसेंशियल सर्विसेज रिफॉर्म ने रिपोर्ट जारी की, जिसमें बताया गया कि बाली में अपशिष्ट उत्पादन में 2000 से 2024 तक 30 फीसदी की वृद्धि हुई। इसका मुख्य कारण समुदाय के अधिकांश लोगों के बीच अपशिष्ट प्रबंधन के बारे में जागरूकता की कमी है।

न्यूज ब्रीफ

नेपाल के 76 जिलों में से 71 डेंगू की गिरफ्त में

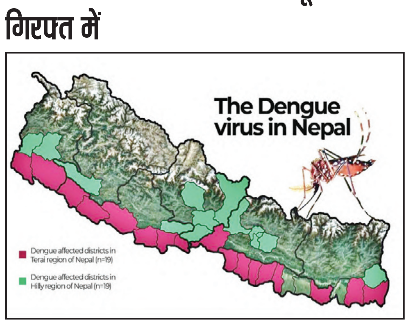

काठमांडू। मानसून की शुरुआत होते ही डेंगू के बढ़ते प्रकोप ने नेपाल सरकार की चिंता बढ़ा दी है। स्वास्थ्य मंत्रालय की रोग नियंत्रण महाशाखा के अनुसार नेपाल के 76 जिलों में 71 डेंगू की गिरफ्त में हैं। 1081 डेंगू पीड़ित देशभर के अस्पतालों में भर्ती हैं। इपिडेमियोलॉजी महाशाखा के निदेशक डॉक्टर चंद्रपाल झा के अनुसार, कोसी प्रदेश में 239, बागमती प्रदेश में 297, गंडकी प्रदेश में 182, लुंबिनी प्रदेश में 163, सुदूर पश्चिम में 156, कर्णाली में 30 और मधेश में 14 संक्रमित अस्पतालों में भर्ती हैं। झा के मुताबिक पिछले एक दशक के रिकॉर्ड को देखा जाए तो सबसे अधिक असर जून से सितंबर तक दिखाई देता है। उन्होंने कहा कि आने वाले चार माह और चिंताजनक हो सकते हैं। नेपाल में पहली बार 2004 में चितवन घूमने आए एक विदेशी नागरिक में डेंगू का संक्रमण पाया गया था। इसके बाद 2006 में मैदानी जिलों में डेंगू का संक्रमण देखा गया। 2016 में चितवन झापा और रूपंदेही में डेंगू के से 12 लोगों की मौत भी हो गई। सन 2022 में सभी 77 जिलों में डेंगू का प्रभाव रहा। इस साल 54000 से अधिक संक्रमित पाए गए। इनमें से 88 की मौत भी हो गई। 2023 में कोसी प्रदेश में डेंगू से 20 लोगों की मौत हो गई थी जबकि 52 हजार से अधिक लोग संक्रमित हुए थे। नेपाल के स्वास्थ्य विभाग के आंकड़ों के अनुसार इन संक्रमितों में 31 फीसद सिर्फ सुनसरी जिले के थे। सन 2024 में 35000 लोग डेंगू की जद में आए और 13 लोगों की मौत हो गई।

पृथ्वी के कोर में मौजूद है 99.95 प्रतिशत से अधिक सोना और प्लैटिनम

वाशिंगटन। जर्मनी की यूनिवर्सिटी ऑफ गोटिंगेन के भू-रसायनशास्त्री निल्स मेसलिंग और उनकी टीम ने हवाई की बेसाल्टिक चट्टानों का तीन साल तक अध्ययन किया। 21 मई 2025 को नेचर जर्नल में प्रकाशित शोध में कहा गया कि पृथ्वी के कोर में मौजूद 99.95 प्रतिशत से अधिक सोना और प्लैटिनम जैसी धातुएं रिस रही हैं। इसी वजह से भविष्य में पृथ्वी की सतह पर और सोना आ सकता है। दावा किया गया कि हवाई की चट्टानों में रूथेनियम जैसे दुर्लभ तत्वों की मौजूदगी ने साबित किया कि कोर अलग-थलग नहीं है। मेसलिंग ने बताया कि जब ग्रह बना तब मिटियोराइट्स के टकराव से सोना और भारी धातुएं कोर में जमा हो गईं। लेकिन अब मैग्मा प्लम्स के जरिए ये धातुएं सतह की ओर आ रही हैं। सह-लेखक प्रोफेसर मैथियास विलबोल्ड के अनुसार सैकड़ों क्वाड्रिलियन मीट्रिक टन मेंटल सामग्री कोर-मेंटल सीमा से सतह तक पहुंचकर हवाई जैसे द्वीप बनाती है। क्या इसका मतलब है कि हर कोई मालामाल हो जाएगा यह इतना आसान नहीं। कोर में मौजूद सोना अभी भी पृथ्वी की सतह से हजारों किलोमीटर नीचे है और इसे निकालना तकनीकी रूप से असंभव है। लेकिन इस खोज से भविष्य में खनन की नई संभावनाएं खुल सकती हैं, खासकर ज्वालामुखी क्षेत्रों में। हवाई की चट्टानों में रूथेनियम और अन्य प्लैटिनम समूह की धातुओं के अंश मिले जो यह संकेत देते हैं कि कोर से रिसाव लंबे समय तक चल सकता है।

गलती से निर्वासित एब्रेगो गार्सिया की एल साल्वाडोर से अमेरिका वापसी,चलेगा मुकदमा

वाशिंगटन। आखिरकार लंबी कानूनी लड़ाई के बाद एब्रेगो गार्सिया की एल साल्वाडोर से अमेरिका वापसी हो गई। ट्रंप प्रशासन ने दो माह पहले स्वीकार किया था कि गलती से अब्रेगो गार्सिया को मैरीलैंड से उनके मूल देश अल सल्वाडोर निर्वासित कर दिया गया है। इस बीच एक संघीय ग्रैंड जूरी ने गार्सिया पर कथित रूप से अवैध प्रवासियों को अमेरिका प्रवेश कराने क आरोप लगाया है। पिछले महीने टेनेसी की संघीय अदालत में सीलबंद आरोप दायर किए गए थे। उन्हें शुक्रवार को खोला गया। इनमें 29 वर्षीय अब्रेगो गार्सिया पर टेक्सास से अवैध प्रवासियों को देश के अंदरूनी हिस्सों में ले जाने का आरोप है। गार्सिया को एल साल्वाडोर से लाकर शुक्रवार शाम टेनेसी के मध्य जिले की अदालत में पेश किया गया। अमेरिकी जज बारबरा होम्स ने उनसे पूछा कि क्या वे अपने खिलाफ आरोपों को समझते हैं। उन्होंने स्पेनिश में कहा- हां।

दुनिया में हो रही बदनामी के चलते ट्रंप और मस्क के बीच सुलह की कोशिश

वाशिंगटन, 07 मई (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप और एलन मस्क खुलेआम एक-दूसरे को धमकियां दे रहे हैं।जिसके कारण पूरी दुनिया में बदनामी हो रही है। यह सब तब है जबकि कुछ दिन पहले तक दोनों के बीच जबर्दस्त दोस्ती थी। चुनाव के दौरान एलन मस्क ने ट्रंप का खूब समर्थन किया था।

लेकिन अब दोनों राजनीतिक प्रतिद्वंद्वियों की तरह बर्ताव कर रहे हैं। इन सबके बीच रिपब्लिकन पार्टी के सांसद और नेता चाहते हैं कि दोनों के बीच सुलह हो जाए। इनका कहना है कि अगर यह झगड़ा लंबे समय तक जारी रहा तो फिर समस्याएं बढ़ सकती हैं। यह लोग ट्रंप और मस्क से तनाव कम करने का आग्रह कर रहे हैं। इनके मुताबिक दो शक्तिशाली व्यक्तियों के बीच दुश्मनी रिपब्लिकन के विशाल कर और सीमा व्यय कानून के लिए आगे का रास्ता जटिल बना सकता है।

गौरतलब है कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अपने पूर्व समर्थक और सलाहकार एलन मस्क के रुख को लेकर गुरुवार को अपनी निराशा जाहिर की। दिग्गज कंपनी टेस्ला एवं सोशल मीडिया मंच एक्स के प्रमुख मस्क ने ट्रंप के हस्ताक्षर वाले एक विधेयक की आलोचना की है। मस्क ने सोशल मीडिया पर ट्रंप के बिग ब्यूटीफुल विधेयक की वजह से संघीय घाटा बढ़ने की आशंका जताई है। ट्रंप ने मस्क के इस आलोचनात्मक रुख पर कहा कि दुनिया के सबसे अमीर व्यक्ति मस्क को अब भी व्हाइट हाउस की याद सता रही है। उन्होंने मस्क को ट्रंप डिरेंजमेंट सिंड्रोम हो जाने का जिक्र भी किया। इस बयान के जरिए वह मस्क की मनोस्थिति पर सवाल उठा रहे थे।

ट्रंप ने व्हाइट हाउस स्थित अपने कार्यालय ओवल ऑफिस में संवाददाताओं की मौजूदगी में मस्क के साथ अपने मतभेद पर चर्चा की। इस घटनाक्रम से ट्रंप और मस्क के बीच संबंधों में खटास बढ़ने का अंदेशा है। कुछ दिन पहले तक ट्रंप के प्रबल समर्थक और उनके प्रशासन में सलाहकार रह चुके मस्क अब सार्वजनिक रूप से उनकी नीतियों पर सवाल उठा रहे हैं।

मस्क को ट्रंप ने अपने दूसरे राष्ट्रपति कार्यकाल में सरकारी खर्चों में कटौती के लिए गठित विभाग में नियुक्त किया था। लेकिन मस्क ने अपने कदमों को लेकर विवाद बढ़ने के बाद हाल ही में पद छोड़ दिया।

वॉशिंगटन राज्य के रिपब्लिकन प्रतिनिधि डैन न्यूहाउस ने कहाकि मुझे उम्मीद है कि यह (संघर्ष) हमें उस काम को पूरा करने से विचलित नहीं करेगा जो हमें करना है। टेक्सास के रिपब्लिकन सीनेटर टेड क्रूज भी इसी तरह आशावादी थे। उन्होंने हैनिटी से कहाकि मुझे उम्मीद है कि वे दोनों फिर से साथ आ जाएंगे। तभी हम अमेरिका के लिए कुछ अच्छा कर पाएंगे। अगर दोनों लड़ते रहे तो इसका परिणाम बिल्कुल भी ठीक नहीं होगा।

पाकिस्तान के पूर्व सीनेटर अब्बास अफरीदी की विस्फोट में मौत

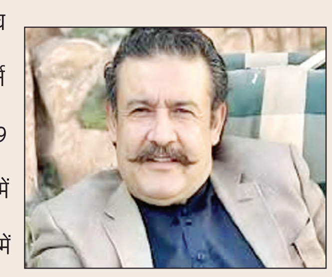

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्व सीनेटर अब्बास अफरीदी की सीएमएच खारियन बर्न सेंटर में मौत हो गई। वह शुक्रवार को कोहाट के आजम बाग में हुए गैस रिसाव विस्फोट में घायल हो गए थे। पुलिस ने उन्हें बर्न सेंटर में भर्ती कराया था। दिवंगत अब्बास अफरीदी के जनाजे की नमाज कोहाट के बाबरी बंदा में अदा की जाएगी। अफरीदी मार्च 2009 में स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में पाकिस्तान की सीनेट के लिए चुने गए थे। उन्होंने 19 मार्च, 2014 को कपड़ा उद्योग के संघीय मंत्री के रूप में शपथ ली। 2018 में उन्होंने पाकिस्तान मुस्लिम लीग नवाज (पीएमएल-एन) के उम्मीदवार के रूप में एनए-32 कोहाट से चुनाव में भाग लिया। वह चुनाव हार गए। उन्हें 44,154 वोट मिले और पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ के उम्मीदवार शहरयार अफरीदी ने उन्हें हरा दिया। उन्होंने 2024 के आम चुनाव में भी एनए-35 कोहाट से पीएमएल (एन) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा। यह चुनाव भी वह हार गए। देश के राजनेताओं ने पूर्व सीनेटर अब्बास अफरीदी के निधन पर शोक व्यक्त किया है।

मोटापा मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी खतरा : शोध

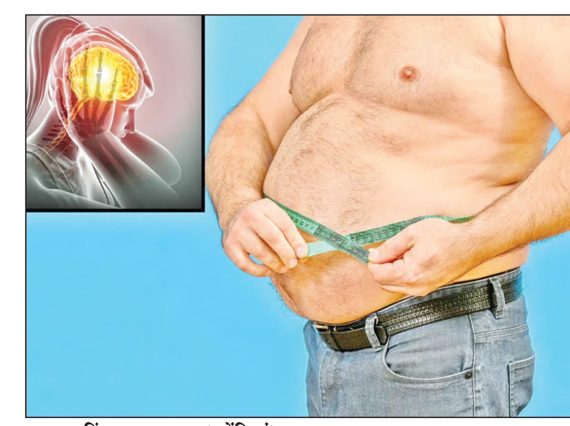

वाशिंगटन, 07 जून (एजेंसियां) ।

मोटापा न केवल शरीर के लिए, बल्कि मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनता जा रहा है। ताजा शोध में पाया गया है कि मोटापा चिंता जैसी मानसिक समस्याओं को जन्म दे सकता है और मस्तिष्क की कार्यप्रणाली को प्रभावित कर सकता है। यह असर आंत और मस्तिष्क के बीच होने वाली जैविक अंत:क्रिया के कारण हो सकता है।

अमेरिका के जॉर्जिया स्टेट यूनिवर्सिटी की एसोसिएट प्रोफेसर और पोषण विभाग की अध्यक्ष डेजीरी वांडर्स द्वारा किए गए इस शोध में चूहों पर परीक्षण किए गए, जिससे यह निष्कर्ष सामने आया है। शोध में चूहों को दो समूहों में विभाजित कर एक समूह को छह सप्ताह तक कम वसा वाला आहार दिया गया, जबकि दूसरे समूह को 21 सप्ताह तक उच्च वसा वाला आहार दिया गया।

अपेक्षा के अनुरूप, उच्च वसा वाले आहार से चूहों का वजन काफी बढ़ा और उनके शरीर में वसा की मात्रा भी अधिक हो गई। जब शोधकर्ताओं ने इन चूहों पर व्यवहार संबंधी परीक्षण किए, तो उन्होंने देखा कि मोटे चूहों में चिंता जैसे व्यवहार अधिक स्पष्ट रूप से देखने को मिले, जैसे किसी खतरे के समय ठिठक जाना।

इसके साथ ही मस्तिष्क के हाइपोथैलेमस हिस्से, जो चयापचय और संज्ञानात्मक कार्यों को नियंत्रित करता है, उसमें भी मोटे चूहों में अलग-अलग प्रकार के संकेत देखे गए। यही नहीं, शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि मोटे और दुबले चूहों की आंत में मौजूद सूक्ष्मजीवों की संरचना में बड़ा अंतर था, जो मस्तिष्क और मानसिक स्थिति को प्रभावित कर सकते हैं।

प्रोफेसर वांडर्स का कहना है कि इस अध्ययन के निष्कर्ष सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति और व्यक्तिगत जीवनशैली दोनों पर गहरा प्रभाव डाल सकते हैं। खासतौर पर यह निष्कर्ष दर्शाता है कि मोटापा सिर्फ शारीरिक बीमारियों जैसे टाइप-2 मधुमेह और हृदय रोग का कारण नहीं बनता, बल्कि यह मानसिक स्वास्थ्य को भी प्रभावित कर सकता है। इससे यह स्पष्ट होता है कि आहार, आंत की स्थिति और मस्तिष्क के बीच एक जटिल संबंध है, जिसे समझना आवश्यक है। यह अध्ययन खास तौर पर बच्चों और किशोरों के लिए महत्वपूर्ण है, जहां मोटापा तेजी से बढ़ रहा है।

अप्रैल 2026 के पहले सप्ताह में बांग्लादेश में होंगे राष्ट्रीय चुनाव

बांग्लादेश में अप्रैल 2026 के पहले सप्ताह में राष्ट्रीय चुनाव होंगे। बीते दिनों बांग्लादेश के विभिन्न राजनीतिक दलों ने दिसंबर तक चुनाव कराने की मांग की थी। जिससे यूनुस पर दबाव बढ़ा था। जिसे देखते हुए बांग्लादेश में चुनाव की तारीखों की घोषणा कर दी गई है। ज्ञात रहे कि हाल ही में बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की स्थायी समिति के सदस्य सलाहुद्दीन अहमद ने कहा है कि देश में दिसंबर से पहले राष्ट्रीय चुनाव कराना पूरी तरह संभव है, क्योंकि आम सहमति के आधार पर आवश्यक सुधार पूरा करने में एक महीने से भी कम समय लग सकता है। गोनो अधिकार परिषद द्वारा आयोजित एक चर्चा में स्थानीय मीडिया ने सलाहुद्दीन के हवाले से कहा, दिसंबर में बहुत देर हो चुकी है। उससे पहले चुनाव कराना संभव है। यदि संवैधानिक संशोधनों से संबंधित प्रस्तावों को छोड़कर सुधार प्रस्तावों को राष्ट्रीय सहमति से स्वीकार कर लिया जाता है, तो उन्हें एक महीने से भी कम समय में लागू किया जा सकता है। बताते चले कि पिछले साल अगस्त से बांग्लादेश में सियासी अस्थिरता है। अगस्त में बांग्लादेश की मौजूदा सरकार की मुखिया शेख हसीना को भारी विरोध के कारण सत्ता छोड़कर भारत भागना पड़ा था। इसके बाद नोबेल पुरस्कार विजेता मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार का प्रमुख बनाया गया।

जर्मनी के बाद ब्रिटेन देगा यूक्रेन को 1 लाख ड्रोन, पुतिन के सामने गहराया संकट

लंदन,07 जून (एजेंसियां) ।

रूस से जंग लड़ रहे यूक्रेन की ताकत में अब इजाफा होता दिख रहा है। बीते सप्ताह ही यूक्रेन ने रूस की सीमा में 5000 किलोमीटर अंदर तक घुसकर मार की थी। वहीं ब्रिटेन ने यूक्रेन को अप्रैल 2026 तक 1 लाख ड्रोन देने का ऐलान किया है। रूस से जंग के बीच यूक्रेन को इतनी बड़ी मदद करके ब्रिटेन ने साफ कर दिया है कि उसका रुख क्या है।

ब्रिटेन का कहना है कि ड्रोन ने जंग का रुख ही बदल दिया है और इनके जरिए यूक्रेन को बड़ी मदद मिलेगी है। इसलिए ड्रोन की सप्लाई में 10 गुना तक इजाफा करने का फैसला लिया है।

ब्रिटेन की इस मदद से पहले जर्मनी ऐलान किया था कि वह बड़ी संख्या में यूक्रेन को लॉन्ग रेंज की मिसाइलें देगा। ब्रिटेन उन पश्चिमी देशों में शामिल है, जिसने यूक्रेन को खुलकर मदद की है। अब तक की जंग में तोप, बंदूकों और गोलाबारी की जंग में यूक्रेन को पराजय ही मिली है, लेकिन ड्रोन वारफेयर की मदद से रूस को बड़ा नुकसान पहुंचाया है। यहां तक कि यूक्रेन के ड्रोन हमलों के बाद से यह चर्चा भी होने लगी है कि क्या भविष्य का वारफेयर ड्रोन से होगा।

ब्रिटिश सरकार ने कहा कि हम 4.5 अरब पाउंड की सैन्य सहायता यूक्रेन को देने वाले हैं। ब्रिटेन का कहना है कि इस साल के अंत तक ही हजारों ड्रोन की सप्लाई यूक्रेन को होगी। इसके बाद अप्रैल तक एक लाख ड्रोन का टारगेट रखा गया है। ड्रोन के अलावा बड़े पैमाने पर गोला-बारूद भी देने की तैयारी है।

पाकिस्तान ने दी भारत को धमकी, अमेरिकी सांसद ने बिलावल को लताड़ा

कहा- पहले जैश-ए-मोहम्मद को तो खत्म करो

वाशिंगटन,07 जून (एजेंसियां) ।

बिलावल भुट्टो जरदारी के नेतृत्व में अमेरिकी दौरे पर वाशिंगटन डीसी पहुंचे पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को वरिष्ठ अमेरिकी सांसद ब्रैड शेरमैन ने कहा कि पाकिस्तान को घृणित आतंकवादी समूह जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करने के साथ-साथ धार्मिक अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए। पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल ने कांग्रेसी ब्रैड शेरमैन से मुलाकात की थी। बता दें कि भारत से गया सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल ने पहलगाम आतंकवादी हमले के मद्देनजर ऑपरेशन सिंदूर और पाकिस्तान से उत्पन्न आतंकवाद से लड़ने के भारत के दृढ़ संकल्प के बारे में प्रमुख वार्ताकारों को जानकारी दी।

एक्स पर एक पोस्ट में, शेरमैन ने लिखा कि उन्होंने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को आतंकवाद और विशेष रूप से जैश-ए-मोहम्मद समूह से लड़ने और उसके खात्मे की बात कही, जिस आतंकी समूह ने साल 2002 में मेरे निर्वाचन क्षेत्र के डेनियल पर्ल की हत्या की थी।

आतंकवादी उमर सईद शेख को 2002 में वॉल स्ट्रीट जर्नल के रिपोर्टर डेनियल पर्ल के अपहरण और हत्या की साजिश रचने का दोषी ठहराया गया था। शेरमैन ने कहा कि पर्ल का परिवार अभी भी मेरे जिले में रह रहा है और पाकिस्तान को इस घृणित समूह को खत्म करने और क्षेत्र में आतंकवाद से निपटने के लिए हर संभव प्रयास करना चाहिए।

अमेरिकी सांसद ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से यह भी कहा कि, पाकिस्तान में रहने वाले ईसाइयों, हिंदुओं और अहमदिया मुसलमानों को हिंसा, उत्पीडऩ, भेदभाव या असमान न्याय प्रणाली के डर के बिना अपने धर्म का पालन करने और लोकतांत्रिक व्यवस्था में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए।

शेरमैन ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल से आग्रह किया कि वे अपनी सरकार को डॉ. शकील अफरीदी को रिहा करने की आवश्यकता के बारे में बताएं, जो ओसामा बिन लादेन को मारने में संयुक्त राज्य अमेरिका की मदद करने के लिए जेल में बंद हैं। उन्होंने कहा, डॉ. अफरीदी को रिहा करना 9/11 के पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।अफरीदी एक पाकिस्तानी चिकित्सक हैं, जिन्होंने खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में पोलियो टीकाकरण कार्यक्रम चलाने में सीआईए की मदद की थी, ताकि बिन लादेन के परिवार के डीएनए नमूने एकत्र किए जा सकें। मई 2011 में एबटाबाद में बिन लादेन के परिसर पर अमेरिकी छापे के तुरंत बाद अफरीदी को पाकिस्तानी अधिकारियों ने गिरफ्तार कर लिया था। 2012 में, एक पाकिस्तानी अदालत ने अफरीदी को 33 साल जेल की सजा सुनाई थी।

अमेरिका पहुंचे पाक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे बिलावल भुट्टो ने भारत को धमकाते हुए कहा कि, दुनिया का कोई भी देश, चाहे वह कितना भी बड़ा या शक्तिशाली क्यों न हो, अपने पानी और भविष्य को खतरे में डालने पर चुप नहीं बैठेगा, हर देश अपने पानी के लिए युद्ध लड़ेगा। भुट्टो ने कहा कि पानी के लिए युद्ध अब तक सिर्फ थ्योरी तक सीमित थी, लेकिन भारत, पाकिस्तान की पानी की आपूर्ति बंद करके अस्तित्व संघर्ष की नींव रख रहा है, जो कि परमाणु युद्ध तक बढ़ सकता है।

आपदा रोधी उपायों को शिक्षा में शामिल किया जाए, वित्तपोषण की मजबूत व्यवस्था हो : मोदी

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने विश्व समुदाय से आपदा से निपटने के लिए वित्त-पोषण की अभिनव व्यवस्था किये जाने और आपदा रोधी उपायों को शिक्षा का हिस्सा बनाये जाने पर बल दिया है।

श्री मोदी ने आपदा रोधी अवसंरचना पर फ्रांस के नाइस शहर में चल रहे दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन को वीडियो कांफ्रेंसिंग के माध्यम से संबोधित किया। प्रधानमंत्री कार्यालय की शनिवार को जारी विज्ञप्ति के अनुसार श्री मोदी ने कहा, आपदा से निपटने के लिए अभिनव वित्त पोषण की आवश्यकता है। हमें कार्रवाई योग्य कार्यक्रम तैयार करने चाहिए और वित्त तक विकासशील देशों की पहुंच सुनिश्चित करनी चाहिए।

प्रधानमंत्री ने सुझाव दिया कि आपदा से निपटने के लिये पाठ्यक्रम, मॉड्यूल और कौशल विकास कार्यक्रम को उच्च शिक्षा का हिस्सा बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि इससे कुशल कार्यबल का निर्माण होगा, जो भविष्य की चुनौतियों से निपट सकता है।

शनिवार को सम्पन्न हो रहा दो दिन का यह शिखर सम्मेलन पहली बार यूरोप में आयोजित किया गया है। पिछले साल अप्रैल में नयी दिल्ली में हुआ था। इस बार सम्मेलन का विषय है- तटीय क्षेत्रों के लिए सुदृढ़ भविष्य को आकार देना।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आपद-ाओं का सामना करते हैं और प्रभावित क्षेत्रों में पुनर्निर्माण के विषय में दूसरे देशों के अनुभवों से सीख लेने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इन विषयों में सर्वोत्तम प्रथाओं का एक वैश्विक डिजिटल संग्रह तैयार करना लाभकारी होगा।

श्री मोदी ने कहा, हम छोटे द्वीपीय विकासशील देशों को बड़े महासागरीय देशों के रूप में देखते हैं। उनकी अतिसंवेदनशीलता के कारण उन पर विशेष रूप पर ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने आपदाओं के संबंधी प्रारंभिक चेतावनी प्रणालियों की मज़बूती और समन्वय के महत्व को भी रेखांकित किया।

श्री मोदी ने अपने संबंधन में इस सम्मेलन के लिये फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुअल मैक्रों और फ्रांस सरकार की ओर से दिये गये सहयोग के लिए उनका आभार व्यक्त किया।

प्रधानमंत्री ने सम्मेलन के विषय का उल्लेख करते हुए कहा कि प्राकृतिक आपदाओं और जलवायु परिवर्तन के कारण तटीय क्षेत्र और द्वीप अतिशय जोखिम में हैं। उन्होंने कहा, हाल के दिनों में, हम : भारत और बंगदेश में चक्रवात रेमल, कैरिबियन में तूफान बेरिल, दक्षिण-पूर्व एशिया में तूफान यागी, अमेरिका में तूफान हेलेन, फिलीपींस में तूफान उसागी और अफ्रीका के कुछ हिस्सों में चक्रवात चिडो की आपदा को देखा है। ऐसी आ-पदाओं ने जान-माल को हानि पहुंचायी है।

उन्होंने कहा, भारत ने भी 1999 के सुपर-साइक्लोन और 2004 की सुनामी के दौरान इस दर्द को झेला है। हमने मजबूती को ध्यान में रखते हुए अनुकूलन और पुनर्निर्माण किया। संवेदनशील क्षेत्रों में चक्रवात आश्रयों का निर्माण किया गया। हमने 29 देशों के लिए सुनामी चेतावनी प्रणाली बनाने में भी मदद की।

उन्होंने यह भी कहा कि भारत की पहल पर शुरू किया गया आपदा रोधी अवसंरचना के लिए गठबंधन 25 छोटे द्वीपीय विकासशील देशों के साथ काम कर रहा है। मजबूत मकान, अस्पताल, स्कूल, ऊर्जा, जल सुरक्षा और पूर्व चेतावनी प्रणाली का निर्माण किया जा रहा है।

कोरोना संक्रमण के कुल सक्रिय मामलों की संख्या छह हजार के करीब पहुंची

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। देशभर में कोराना संक्रमण के सक्रिय मामलों की संख्या शनिवार सुबह बढ़कर 5755 तक पहुंच गयी और अब तक 5484 मरीज स्वस्थ्य हो गये हैं। पिछले 24 घंटों में इसके संक्रमण से चार और मरीजों की मौत होने से मृतकों की संख्या 59 पहुंच गयी है।

केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार पिछले 24 घंटों में आज सुबह आठ बजे तक कोराना के 391 नये सक्रिय मामले सामने आये है और 760 मरीजों को स्वस्थ्य होने पर उन्हें अस्पताल से छुट्टी मिल चुकी है और इस जान-लेवा बीमारी से चार और मरीजों की मौत हो गयी।

मंत्रालय के आंकड़ों के अनुसार सबसे ज्यादा मामले केरल में दर्ज किए गए हैं। देश के नौ राज्यों में कोरोना सक्रिय मामलों में तेजी से वृद्धि हुई है। जिनमें से केरल, दिल्ली, गुजरात, कर्नाटक, महाराष्ट्र और पश्चिम बंगाल में भी मामलों में उल्लेखनीय वृद्धि देखी गई है। पिछले 24 घंटे में कोरोना के संक्रमण केरल, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु में एक-एक मरीज की मौत हुई है।

स्वास्थ्य मंत्रालय ने लोगों से कोरोना प्रोटोकोल का पालन करने की अपील की है और कहा कि घबराने की आवश्यकता नहीं हैं। उन्होंने लोगों से भीड़भाड़ वाले इलाकों में जाने से बचने और मास्क का इस्तेमाल करने की अपील की है। स्थानीय प्रशासन को सभी तरह की स्वास्थ्य सेवा की तैयारी करने के निर्देश दिये गये।

मंत्रालय ने बताया कि संक्रमण में लगातार वृद्धि को नए वेरिएंट के प्रसार से जोड़ा जा रहा है, जिसमें एलएफ.7, एक्सएफजी, जेएन.1 और हाल ही में पहचाने गए एनबी.1.8.1 सबवेरिएंट शामिल हैं।

देश में कुल सक्रिय मामलों में सबसे अधिक 1806 केरल के हैं और दिल्ली में 665 दर्ज किये गये हैं। इसके अलावा गुजरात में 717, पश्चिम बंगाल में 622, महाराष्ट्र में 577, कर्नाटक में 444, तमिलनाडु में 194, उत्तर प्रदेश में 208, राजस्थान में 108, हरियाणा में 87, आंध्र प्रदेश में 72, पुड्डुचेरी में 13, सिक्किम में 16, मध्य प्रदेश में 32, झारखंड में सात, छत्तीसगढ में 41, बिहार में 44, ओडिशा में 29, जम्मू-कश्मीर में आठ, पंजाब में 26, असम में आाठ, गोवा में नौ, तेलंगाना में नौ, उत्तराखंड में सात, चंड़ीगढ़ में दो, हिमाचल प्रदेश तीन, त्रिपुरा में एक सक्रिय मामले हैं। मिजोरम और अरुणाचल प्रदेश में कोरोना संक्रमण को कोई मामला सामने नहीं आया है।

अपनी विश्वसनीयता के लिए मेरे सवालों का जवाब दे चुनाव आयोग : राहुल

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा है कि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में गड़बड़ी हुई है और उसको लेकर उन्होंने जो सवाल अपने लेख में उठाए हैं यदि वे सही नहीं हैं तो चुनाव आयोग को उनका बिंदुवार जवाब देना चाहिए।

श्री गांधी ने लिखा प्रिय चुनाव आयोग, आप एक संवैधानिक संस्था हैं। मध्यस्थों को बिना हस्ताक्षर के, टाल-मटोल करने वाले नोट जारी करना गंभीर सवालों का जवाब देने का तरीका नहीं है। अगर आपके पास छिपाने के लिए कुछ नहीं है, तो मेरे लेख में दिए गए सवालों के जवाब दें और इसे साबित करें।

कांग्रेस नेता ने कहा कि आयोग यदि उनके सवालों को गलत मानता है तो वह महाराष्ट्र सहित सभी राज्यों के लोकसभा और विधानसभा के सबसे हालिया चुनावों के लिए हुए समेकित, डिजिटल, मशीन- पठनीय मतदाता सूची प्रकाशित करे और महाराष्ट्र के मतदान केंद्रों से शाम पांच बजे के बाद की सभी सीसीटीवी फुटेज जारी करें।

उन्होंने आयोग से लेख में किये गए सवालों का जवाब देने का आग्रह करते हुए कहा टाल-मटोल करने से आपकी विश्वसनीयता सुरक्षित नहीं रहेगी। सच बोलने से आपकी विश्वसनीयता सुरक्षित रहेगी।

टी रवि शंकर 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने भारतीय रिजर्व बैंक के डिप्टी गवर्नर टी. रवि शंकर को 16वें वित्त आयोग का अंशकालिक सदस्य नियुक्त किया है।

वह कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से लेकर आयोग की रिपोर्ट प्रस्तुत होने तक या 31 अक्टूबर, 2025 तक, जो भी पहले हो, पद पर बने रहेंगे।

इनकी नियुक्ति पूर्णकालिक सदस्यों में से एक श्री अजय नारायण झा के व्यक्तिगत कारणों से इस्तीफा देने के परिणामस्वरूप हुई है। आयोग का गठन 31 दिसंबर, 2023 को किया गया था, जिसके अध्यक्ष नीति आयोग के पूर्व उपाध्यक्ष डॉ. अरविंद पनगढ़िया थे। आयोग को एक अप्रैल, 2026 से शुरू होने वाली पांच साल की पुरस्कार अवधि के लिए 31 अक्टूबर, 2025 तक अपनी सिफारिशें प्रस्तुत करना अनिवार्य है।

एक राष्ट्र एक चुनाव से देश के विकास को मिलेगी गति : बंसल

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राष्ट्रीय महामंत्री सुनील बंसल ने 'एक राष्ट्र एक चुनाव' को मौजूदा समय में देश की जरूरत बताते हुए कहा कि इससे खर्च और समय दोनों की बचत होगी तथा देश के विकास को गति मिलेगी।

श्री बंसल ने यहां कॉन्स्टिट्यूशन क्लबक्लब में 'वन नेशन वन इलेक्शन' पर आयोजित संगोष्ठी में शुक्रवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि देश के अलग अलग हिस्सों में जब चुनाव होते हैं तो वहां पैसो के साथ साथ सिस्टम और समय की बर्बादी होती है। उन्होंने कहा, बदलती हुई दुनिया में अगर हमें आगे बढ़ना है तो उसके लिए 'एक राष्ट्र एक चुनाव' जरुरी है।

भारत पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था, जी7 में आमंत्रित किया जाना चाहिए : कार्नी

ओटावा/नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने कहा है कि भारत दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, जिसकी आबादी सबसे ज्यादा है और वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं के लिए महत्वपूर्ण है, इसलिए उसे जी7 शिखर सम्मेलन में आमंत्रित किया जाना चाहिए।

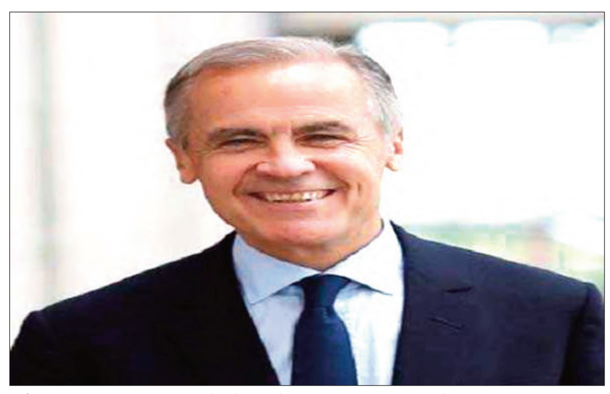

एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में श्री कार्नी से यह पूछे जाने पर कि कनाडा ने श्री मोदी को क्यों आमंत्रित किया जबकि कनाडा सरकार ने जस्टिन ट्रूडो की तत्कालीन सरकार के तहत नयी दिल्ली पर हत्या और धमकी के अभियान में शामिल होने का आरोप लगाया था, उन्होंने यह भी कहा कि दोनों देश कानून प्रवर्तन वार्ता जारी रखने के लिए सहमत हुए हैं ताकि 'जवाबदेही के मुद्दों को पहचाना जा सके।

उन्होंने कहा कनाडा जी7 अध्यक्ष की भूमिका में है और उन चर्चाओं में जैसा कि हमारे जी7 सहयोगियों के साथ सहमति हुई है, ऊर्जा सुरक्षा, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, महत्वपूर्ण खनिजों और उभरते और विकासशील देशों में बुनियादी ढांचे के निर्माण पर सा-झेदारी पर महत्वपूर्ण चर्चाएँ शामिल हैं। कुछ ऐसे देश हैं जिन्हें उन चर्चाओं के लिए टेबल पर होना चाहिए और जी7 अध्यक्ष के रूप में मेरी क्षमता, दूसरों के परामर्श से उन निर्धारणों को करती है।

उन्होंने कहा 'भारत दुनिया की पाँचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है, प्रभावी रूप से दुनिया का सबसे अधिक आबादी वाला देश है, उन आपूर्ति श्रृंखलाओं में से कई के लिए केंद्रीय है, उन आपूर्ति श्रृंखलाओं के केंद्र में है और इसलिए यह (आमंत्रण) समझ में आता है।

उन्होंने कहा इसके अलावा, द्विपक्षीय रूप से हम अब महत्व-पूर्ण रूप से कानून प्रवर्तन वार्ता जारी रखने के लिए सहमत हुए हैं इसलिए उस पर कुछ प्रगति हुई है जो जवाबदेही के मुद्दों को पहच-ानती है।

मैंने उस संदर्भ में पीएम मोदी को निमंत्रण दिया और उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है।

कनाडा के प्रधानमंत्री कार्यालय के एक बयान में कहा गया: प्रधानमंत्री मार्क कार्नी ने शुक्रवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बात की। दोनों नेताओं ने कनाडा और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे संबंधों पर चर्चा की, जिसमें लोगों के बीच गहरे संबंध और महत्वपूर्ण वाणिज्यिक संबंध शामिल हैं। महत्वपूर्ण रूप से कानून प्रवर्तन वार्ता और सुरक्षा चिंताओं को संबोधित करने वाली चर्चाओं को जारी रखने पर सहमति हुई।

बयान में कहा गया श्री कार्नी ने श्री मोदी को अल्बर्टा के कनानसकिस में कनाडा के 2025 जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए निमंत्रण दिया। दोनों नेताओं ने संपर्क में रहने पर सहमति व्यक्त की और इस महीने के अंत में जी7 नेत-ाओं के शिखर सम्मेलन में मिलने की उम्मीद जताई।

श्री कार्नी का निमंत्रण और श्री मोदी की उपस्थिति दोनों देशों के बीच संबंधों में सुधार का संकेत है जो जस्टिन ट्रूडो के कार्यकाल में खालिस्तानी तत्वों के समर्थन के कारण काफी खराब हो गए थे।

श्री मोदी ने शुक्रवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा 'दोनों देश आपसी सम्मान और साझा हितों के आधार पर नए जोश के साथ मिलकर काम करेंगे और वह शिखर सम्मेलन में उनकी मुलाकात का इंतजार कर रहे हैं।

इस बीच कनाडा स्थित विश्व सिख संगठन ने भारतीय प्रधानमंत्री को जी7 में आमंत्रित करने के पीएम कार्नी के फैसले की निंदा की और इसे विश्वासघात करार दिया।

कनाडा के बिजनेस काउंसिल के अध्यक्ष गोल्डी हैदर ने जी7 नेताओं के शिखर सम्मेलन में श्री मोदी के शामिल होने का स्वागत किया। उन्होंने कहा कि कनाडा और भारत के लिए अपने संबंधों को फिर से स्थापित करने और आने वाले महीनों में अगले कदम तय करने का एक स्पष्ट अवसर है।

श्री हैदर ने कहा, वैश्विक मोर्चे पर, यह महत्वपूर्ण है कि लोकतंत्र इस तरह के चुनौतीपूर्ण और अनिश्चित समय में मिलकर काम करें।' पिछले सप्ताह विदेश मंत्री अनीता आनंद ने कहा कि कनाडा अमेरिका से अलग व्यापार में विविधता लाने के प्रयास के तहत भारत के साथ एक-एक कदम संबंधों को फिर से बनाने के लिए तत्पर है।

जी7 में कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली, जापान, ब्रिटेन और अमेरिका शामिल हैं। यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष और कई अन्य देशों के भी शिखर सम्मेलन में भाग लेने की उम्मीद है।

पूरे देश में हर्षोल्लास के साथ मनाया गया ईद-उल-अजहा का त्यौहार

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। ईद उल अजहा का त्योहार शनिवार को पूरे देश में धार्मिक और परंपरागत हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। लोगों ने विभिन्न शहरों और गांवों में सुबह ईदगाह और मस्जिदों में जाकर नमाज अदा की और गले लगकर एक-दूसरे को मुबारकबाद दी। इस मौके पर लोगों ने बच्चों को उपहार दिये और जरूरतमंदों को कपड़े, सामान आदि भेंट किये।

राजधानी दिल्ली में जामा मस्जिद और ईदगाह में बड़ी संख्या में लोगों ने नमाज अदा की। राजधानी की अन्य मस्जिदों में भी लोग एकत्र हुये और नमाज अदा की।

जम्मू-कश्मीर में भी ईद उल अजहा का त्योहार पूरे उल्लास के साथ मनाया गया। श्रीनगर में डल झील के निकट हजरतबल मस्जिद में नमाज मुख्य रूप से अदा की गयी।

उत्तर प्रदेश से मिली खबरों के अनुसार पूरे राज्य में ईद उल अजहा का त्योहार उल्लास के साथ शांतिपूर्वक मनाया गया। लखनऊ में ईदगाह में लोग बड़ी संख्या में लोग एकत्र हुये। पूरे राज्य से इस त्योहार को पूरे उत्साह मनाये जाने की खबरें मिली हैं।

राजस्थान में भी ईद उल अजहा का त्योहार शांतिपूर्वक मनाया गया। अधिकारियों ने बताया कि ईद की नमाज शांतिपूर्ण तरीके से अदा की गयी।

बिहार, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ तथा अन्य राज्यों से भी इस त्योहार के धार्मिक और परंपरागत उल्लास के साथ मनाये जाने की रिपोर्ट मिली हैं। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईद-उल-अजहा के अवसर पर देशवासियों विशेकर मुस्लिम भाई-बहनों को शुभकामनायें दीं।

बरेली के पॉश इलाके में देह व्यापार का पर्दाफाश, दो महिलाओं समेत चार गिरफ्तार

बरेली, 07 जून (एजेंसियां)। बरेली के पॉश इलाके जिस्मफरोशी के गढ़ बनते जा रहे हैं। प्रेमनगर थाना पुलिस ने शुक्रवार रात राजेंद्रनगर स्थित प्रतिष्ठित स्कूल के पास गली में घर के अंदर देह व्यापार रैकेट पकड़ा है। महिला संचालक व युवती समेत चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। सभी के खिलाफ अनैतिक देह व्यापार अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया गया है।

राजेंद्रनगर के एक घर में काफी समय से देह व्यापार चल रहा था। गोपनीय हेल्पलाइन मिली सूचना के आधार पर सीओ प्रथम आशुतोष शिवम की अगुवाई में प्रेमनगर पुलिस के मनजीत कौर के घर दबिश दी। वहां मनजीत कौर, नवाबगंज का सोहेल, प्रेमनगर के बानखाना का सुमित सागर व नवाबगंज के ही ठिरिया चेना गांव की युवती आपत्तिजनक हालत में मिले।

पुलिस ने इनके पास से 115 पैकेट कंडोम, तीन मोबाइल फोन, 1350 रुपये व अन्य आपत्तिजनक सामान बरामद किया। पुलिस ने सभी को गिरफ्तार कर चालान कर दिया।

स्थानीय लोगों ने पुलिस को बताया कि मनजीत के घर हाईप्रोफाइल लोग आते थे। इस कारण कोई विरोध नहीं कर पाता था। यहां ऐसी महिलाएं आती थीं, जिनके पति बाहर काम करते हैं। घर में पार्टियां भी होती थीं। मनजीत अवैध जोड़ों को जगह भी उपलब्ध कराती थी। शाम ढलते ही वहां लग्जरी कारों का जमाबड़ा लगता था।

रात में मनजीत के करीबी लोग बाहर खड़े होकर निगरानी करते थे। पुलिस मनजीत के मोबाइल फोन को खंगाल रही है। उसके घर आने-जाने वालों की तलाश कर रही है। मनजीत के संपर्क में कौन महिलाएं थीं, उनकी जानकारी जुटाई जा रही है।

नक्सलवाद अभियान में शामिल प्रमुख अधिकारियों से मिले शाह, सरकार के संकल्प को दोहराया

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने नक्सलवाद के विरुद्ध हाल ही में चलाये गये अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन अभियानों की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी और नक्सवाद से देश को मुक्ति दिलाने के प्रति सरकार के संकल्प को दोहराया ।

गृह मंत्री इन अभियानों में शामिल जवानों से मिलने छत्तीसगढ़ भी जायेंगे।

श्री शाह ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर शनिवार को एक पोस्ट में इस कार्यक्रम का वीडियो सार्वजनिक किया। इसके साथ उन्होंने लिखा, इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूँगा।

गृहमंत्री ने कहा, मोदी सरकार नक्सलवाद के दंश से भारत को मुक्त करने के लिए संकल्पित है। मैंने (नक्सलवाद के खिलाफ) चलाये गये अभियानों में अहम भूमिका निभाने वाले अधिकारियों से भेंट कर इन ऑपरेशंस की ऐतिहासिक सफलता पर उन्हें बधाई दी। इन अभियानों को अपनी बहादुरी से सफल बनाने वाले जवानों से भी मिलने के लिए उत्सुक हूँ और जल्द ही छत्तीसगढ़ आकर उनसे भेंट करूँगा।

हाल ही में छत्तीसगढ़ पुलिस और सीआरपीएफ ने संयुक्त रूप से तीन हफ्ते तक अभियान चलाया था। ऑपरेशन ब्लैक फॉरेस्ट के तहत 30 से अधिक नक्सली मारे गये, जिनमें कई कुख्यात नक्सली सरगना थे। पुलिस और अर्धसैनिक बल के जवानों ने इन अभियानों में नक्सलियों के कई ठिकानों को समाप्त कर दिया है।

महज 20 की उम्र में एकता कपूर ने बनाया था पहला सीरियल, फिर बन गई टीवी क्वीन

एक दौर था जब लोगों के पास एंटरटेनमेंट के बहुत कम साधन थे। 70 और 80 के दशक में तो बहुत कम घरों में ब्लैक-एंड व्हाइट टीवी हुआ करती थी, जिसपर दूरदर्शन चैनल आता था। इस चैनल पर समय-समय पर कुछ सीरियल आते थे लेकिन 90 के दशक में स्थिति बदल गई। अब तक डिश आ चुकी थी और कलर्ड टीवी का जमाना नया-नया था। उसी दौर में एक 20 साल की ऐसी लड़की आई, जिसने टेलीविजन की दिशा ही बदल दी।

वो लड़की बॉलीवुड के फेमस एक्टर जितेंद्र की बेटी थीं जो आज 50 साल की हो चुकी हैं। एकता कपूर 20 साल की उम्र में अपना पहला टीवी सीरियल 'हम पांच' (1995) लेकर आई थीं, जो फैमिली-कॉमेडी सीरियल था। इसके बाद एकता कपूर ने रोमांटिक से लेकर फैमिली ड्रामा तक, सीरियल बनाए और धीरे-धीरे वो टीवी क्वीन बन गईं।

एकता कपूर के बर्थडे पर आइए उनके करियर और संपत्ति के बारे में जानते हैं कुछ बातें।

7 जून 1975 को मुंबई में जन्मीं एकता कपूर 70 और 80 के फेमस एक्टर जितेंद्र उर्फ रवि कपूर की बेटी हैं। एकता कपूर की मां का नाम शोभा कपूर है, वहीं इनके छोटे भाई का नाम तुषार कपूर है। 1994 में 19 साल की एकता कपूर ने अपने पिता रवि कपूर के साथ मिलकर एक कंपनी शुरू की, जिसका नाम बालाजी टेलीफिल्म्स था। बालाजी टेलीफिल्म्स का पहला सीरियल 'मानो या ना मानो' था, लेकिन इस कंपनी का पहला सुपरहिट कॉमेडी सीरियल 'हम पांच' था।

इसमें एक्टर अशोक सर्राफ और एक्ट्रेस शोमा आनंद के साथ उनकी पांच बेटियों की कहानी दिखाई गई जो काफी फनी थी। इसके बाद एकता कपूर ने बैक टू बैक टीवी सीरियल बनाए जिसमें 'कहानी घर घर की', 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी', 'कसौटी जिंदगी की', 'कुटुंब', 'कभी सौतन कभी सहेली', 'कोई अपना सा', 'कहीं तो होगा', 'कहीं किसी रोज', 'पवित्र रिश्ता', 'बड़े अच्छे लगते हैं' और 'कुमकुम भाग्य' जैसे सुपरहिट डेली सोप्स शामिल थे और एकता कपूर टेलीविजन की डेली सोप क्वीन बन गई थीं।

एकता कपूर की प्रोडक्शन कंपनी बालाजी टेलीफिल्म्स की पहली बॉलीवुड फिल्म 'क्योंकि मैं झूठ नहीं बोलता' (2001) थी। इसके बाद इस कंपनी के तहत 'वंस अपॉन अ टाइम इन मुंबई', 'शूटआउट एट लोखंडवाला', 'शूटआउट एट वडाला', 'एक विलेन', 'रागिनी एमएमएस', 'मैं तेरा हीरो', 'कुछ तो है' जैसी फिल्में बनीं। अब एकता कपूर कई फिल्मों में दूसरे प्रोडक्शन हाउस से साझेदारी करती हैं और अपनी इस कंपनी को 'बालाजी मोशन पिक्चर्स' के नाम से भी चलाती हैं। इसी कंपनी के तहत कई वेब सीरीज भी बनीं और एकता कपूर ने 2017 में -श्रीं बालाजी नाम की एक ऐप भी लॉन्च की।

एकता कपूर की कंपनी भले ही उनके पिता जितेंद्र ने शुरू कराई हो लेकिन एकता ने अपनी मेहनत से टीवी, बॉलीवुड और ओटीटी पर खास पहचान बनाई है। फाइनेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल 2024 में एकता कपूर की नेटवर्थ 11.30 मिलियन डॉलर थी जो भारती मुद्रा में लगभग 95 करोड़ रुपये होता है। वहीं एकता कपूर की एनुअल इनकम 30 करोड़ से ज्यादा है। 7 जून को एकता कपूर 50 साल की हो चुकी हैं और अभी तक उन्होंने शादी नहीं की। हालांकि एकता कपूर 2019 में सेरोगेट मदर बनीं और उनके बेटे का नाम रवि कपूर है, जिसे उन्होंने अपने पिता जितेंद्र के नाम पर रखा है।

पलक तिवारी ने पीले रंग की स्ट्रैपलेस ड्रेस में गिराई बिजली

यंग और स्टाइलिश एक्ट्रेस पलक तिवारी ने एक बार फिर अपने ग्लैमरस लुक से सोशल मीडिया पर तहलका मचा दिया है। हाल ही में उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी लेटेस्ट तस्वीरें शेयर की हैं जिसमें वह येलो स्ट्रैपलेस ड्रेस में नजर आ रही हैं। कैप्शन में उन्होंने लिखा - पीला में पं... पलक का यह फोटोशूट और उनका कॉन्फिडेंस फैंस को बेहद पसंद आ रहा है। इस ड्रेस में पलक का अंदाज़ बेहद एलिगेंट और ट्रेंडी लग रहा है। उन्होंने इस शाइनी येलो ड्रेस के साथ सिल्वर झुमकों और मिनिमल मेकअप को चुना है जो उनके पूरे लुक को परफेक्ट बना रहा है। ओपन हेयर और ब्लैक ब्रेसलेट्स के साथ उनका ये अंदाज़ सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है।पलक की इन तस्वीरों पर कई सेलेब्स ने भी रिएक्ट किया है। शहनाज गिल ने कमेंट करते हुए लिखा - मेरी पसंदीदा लड़की वहीं सारा वैसोहा और कई अन्य फैंस ने भी येलो हार्ट इमोजी के साथ उनकी तारीफ की। फैन्स उन्हें सनशाइन वाइब और सो प्रेटी जैसे कमेंट्स दे रहे हैं।पलक तिवारी का यह लुक न केवल स्टाइलिश है बल्कि यह साफ दर्शाता है कि वह यंग जनरेशन की एक फैशन ट्रेंडसेटर बन चुकी हैं। उनके हर फोटोशूट में उनका कॉन्फिडेंस और ग्लैमर झलकता है जो यूथ को खासा इंस्पायर करता है।

राजकुमार राव की फिल्म मालिक का टीजर रिलीज, गैंगस्टर अवतार में आए नजर

राजकुमार राव की एक्शन फिल्म मालिक का टीजर आज जारी हो गया है। एक्शन से भरपूर इस फिल्म में राजकुमार खून बहाते नजर आए हैं। अलग-अलग किरदारों में अपनी एक्टिंग का लोहा मनवाने वाले राजकुमार राव अब फुल एक्शन मोड में मालिक बनकर आ रहे हैं। टीजर में राजकुमार राव के दो लुक दिखे हैं। एक में वो बड़ी दाढ़ी और बड़े बालों में नजर आ रहे हैं। जबकि एक लुक में वो बड़े बालों के साथ क्लीन शेव में दिख रहे हैं। मालिक के जरिए राजकुमार राव गैंग्स ऑफ वासेपुर के साथ एक्शन जॉनर में लौटे हैं।1 मिनट 21 सेकेंड के इस टीजर में राजकुमार राव काफी खतरनाक अंदाज में नजर आए हैं। राजकुमार राव का ये खतरनाक अंदाज

इससे पहले कभी देखने को नहीं मिला है। टीजर की शुरुआत राजकुमार से होती है, जो हाथ में बन्दूक पकड़े बिस्तर से उठते दिखाई दे रहे हैं और हक की रोटी को छिनने की बात कर रहे हैं। फिल्म में साल 1988 के इलाहाबाद (अब प्रयागराज) की कहानी देखने को मिलेगी। जिसमें सरेआम राजकुमार लोगों को मौत के घाट उतारते दिखाई दे रहे हैं। टीजर में काफी ज्यादा खूनखराबा देखने को मिला है। जो ये दर्शाता है इस फिल्म में जबरदस्त वॉयलेंस नजर आने वाला है।टीजर को शेयर करते हुए राजकुमार राव ने कैप्शन में लिखा है, पैदा नहीं हुए तो क्या बन तो सकते हैं मालिक। मालिक को मिलने आ जाना 11 जुलाई को सिर्फ सिनेमाघरों में। टीजर और फिल्म के पोस्टर में राजकुमार राव खून से लथपथ नजर आ रहे हैं। टीजर को देखकर ऐसा मालूम पड़ता है कि इस फिल्म में भी एनिमल और मार्को जैसा एक्शन और खूनखराबा देखने को मिल सकता है। कॉमेडी और रोमांस करते आए राजकुमार अब इस एक्शन पैक्ड फिल्म से बॉक्स ऑफिस के मालिक बनने की तैयारी में हैं।इस खतरनाक टीजर के सामने आने के बाद अब फैंस इसके ट्रेलर और फिल्म का इंतजार कर रहे हैं। पुलकित द्वारा निर्देशित मालिक 11 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

सुभाष घई ने सुनाई शत्रुघ्न सिन्हा संग 60 साल पुरानी यारी की कहानी,कहा

हम परिवार की तरह करीब

मशहूर अभिनेता और राजनेता शत्रुघ्न सिन्हा के साथ अपनी 60 साल पुरानी दोस्ती को फिल्ममेकर सुभाष घई बेहद खास मानते हैं। दोनों की दोस्ती की शुरुआत फिल्म एंड टेलीविजन इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एफटीआईआई) के दिनों से हुई थी। दोनों ने 1976 में रिलीज हुई फिल्म 'कालीचरण' में साथ में काम किया था।

सुभाष ने उस पल को याद किया, जब उन्होंने शत्रुघ्न के साथ डिनर किया। वहां अभिनेता के बेटे लव ने उनकी तस्वीर क्लिक की। इस तस्वीर को इंस्टाग्राम पर शेयर करते हुए सुभाष ने लिखा, कल रात मेरे लिए बहुत खुशी का पल था, जब हमारी प्यारी पूनम सिन्हा और शत्रुघ्न सिन्हा के बेटे लव सिन्हा ने दोस्तों के साथ डिनर के दौरान हमारी तस्वीर क्लिक की।

सुभाष ने आगे कहा, शत्रुघ्न सिन्हा मेरे पुराने दोस्त हैं, हमारी दोस्ती एफटीआईआई के दिनों से है, जब हम दोनों फिल्मों की दुनिया में संघर्ष कर रहे थे। हमने साथ में अपनी पहली फिल्म 'कालीचरण' में काम किया और अपनी एक अलग पहचान बनाई। हम आज भी एक-दूसरे के परिवार जैसे करीब हैं। भले ही शत्रुघ्न ने राजनीति को चुना और मैंने फिल्म बनाने से जुड़ा काम जारी रखा, फिर भी हम पिछले 60 सालों से हर खास मौके पर मिलते रहते हैं।

फिल्ममेकर ने कहा, कल रात हम सब ने बहुत मजा किया, खूब हंसे और पुराने कॉलेज के दोस्तों की तरह बातें की। हमारे साथ लव और कुश, और हमारे हंसमुख दोस्त शशी रंजन और रूमी जैफरी भी थे। शत्रुघ्न का दिल सोना है और दिमाग बहुत मजबूत है। बता दें कि 'कालीचरण' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है, जिसे सुभाष घई ने डायरेक्ट किया था। इस फिल्म में शत्रुघ्न सिन्हा, रीना रॉय, प्रेमनाथ, अजित, मदन पुरी और डैनी डेन्जोंगपा जैसे कलाकारों ने काम किया है। बतौर निर्देशक यह सुभाष घई की पहली फिल्म थी। इस फिल्म ने शत्रुघ्न सिन्हा और रीना रॉय को रातोंरात स्टार बनाया। बाद में इसे तेलुगु में 'खैदी कालीदासु', कन्नड़ में 'कलिंगा', तमिल में 'संगिल' और मलयालम में 'पथमुदयम' के नाम से रीमेक किया गया।

आइस बाथ में चिल करते दिखे रैपर बादशाह

मशहूर सिंगर और रैपर बादशाह का एक वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, जिसमें वह आइस बाथ लेते नजर आ रहे हैं। इस वीडियो को देखकर उनके फैंस काफी हैरान भी हैं, क्योंकि ठंडे पानी से भरे टब में बैठना कोई आसान काम नहीं है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि आइस बाथ लेने से हमारे शरीर को क्या-क्या फायदे हो सकते हैं? इसे लेकर बॉलीवुड की फेमस फिटनेस कोच यास्मीन कराचीवाला ने विस्तार से बताया। यास्मीन ने हाल ही में आइस बाथ का एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया था, और कैप्शन में इसके फायदे गिनवाए थे। चलिए इन फायदों को विस्तार से समझते हैं।

यास्मीन दीपिका-कैटरीना के अलावा कई बॉलीवुड एक्ट्रेसेज को फिटनेस ट्रेनिंग देती हैं। यास्मीन के मुताबिक, आइस बाथ मांसपेशियों के दर्द को कम करने में मदद करता है। जब हम ठंडे पानी में बैठते हैं, तो हमारे शरीर की मांसपेशियों में जो सूजन या दर्द होता है, वह कम हो जाता है। यह खासतौर पर तब फायदेमंद होता है जब हम कसरत या दौड़कर आते हैं। आइस बाथ से शरीर को ठंडक मिलती है और मांसपेशियां जल्दी ठीक हो जाती हैं।

आइस बाथ तेजी से रिकवरी करने में काफी मदद करता है। साथ ही ब्लड सर्कुलेशन को बेहतर बनाता है। जब हम बर्फ से भरे ठंडे पानी में बैठते हैं, तो शरीर की नसें थोड़ी सिकुड़ जाती हैं। लेकिन पानी से बाहर आने पर शरीर फिर से सामान्य तापमान में आ जाता है, जिससे ये नसें दोबारा फैलने लगती हैं। इस प्रक्रिया से खून का बहाव तेज होता है, जिससे पूरे शरीर में ऑक्सीजन युक्त खून तेजी से पहुंचता है। इससे हमें तरोताजा महसूस होने लगता है। आइस बाथ न सिर्फ मांसपेशियों को राहत देता है, बल्कि शरीर को ठीक से काम करने में भी मदद करता है। इसलिए बहुत से लोग इसे अपनी रोजमर्रा की देखभाल में शामिल करने लगे हैं।

आइस बाथ मानसिक ताकत बढ़ाने का भी एक शानदार तरीका है। ठंडे पानी में बैठना आसान काम नहीं होता। शुरुआत में यह बहुत मुश्किल और असहज लगता है, लेकिन जब कोई इंसान इस ुनौती को स्वीकार करता है ौर शांत दिमाग से कुछ िनट तक ठंडे पानी में बैठा हता है, तो उसका आत्मविश्वास बढ़ता है। यह नुभव दिमाग को सिखाता कि मुश्किल हालात में ी शांत रहना और नियंत्रण नाए रखना कितना जरूरी । आइस बाथ के दौरान मारी सहनशक्ति और

फिल्म हाउसफुल 5 में लाल परी बन सौंदर्या शर्मा ने बिखेरा जलवा

बॉलीवुड एक्टर अक्षय कुमार की फिल्म से डेब्यू करना किसी भी एक्ट्रेस के लिए बड़े सपने जैसा होता है और हाल ही में रिलीज हुई फिल्म हाउसफुल 5ळ से ऐसी ही एक अभिनेत्री का सपना पूरा हुआ है। हम बात कर रहे हैं सौंदर्या शर्मा की जिन्होंने मेन लीड के तौर पर फिल्म में अपना डेब्यू किया है। आखिर कौन हैं सौंदर्य शर्मा जो अपने इस डेब्यू से इन दिनों काफी सुर्खियां बटोर रही हैं।दिल्ली में जन्मीं और पली-बढ़ी सौंदर्या शर्मा ने एक्टिंग की दुनिया में कदम रखने से पहले डॉक्टर बनने का सपना देखा था। लेकिन किस्मत को कुछ और ही मंजूर था। मेडिकल की पढ़ाई के बाद उन्होंने एक्टिंग की ओर रुख किया और साल 2017 में फिल्म रांची डायरीज से बॉलीवुड में डेब्यू किया। हालांकि ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं कर सकी, लेकिन सौंदर्या की अदाकारी को इंडस्ट्री में नोटिस जरूर किया गया।इसके बाद सौंदर्या ने म्यूजिक वीडियो और वेब सीरीज के जरिए धीरे-धीरे अपनी एक अलग पहचान बनाई। उन्हें रियलिटी शो बिग बॉस 16 में भी देखा गया, जहां उनकी बोल्ड पर्सनालिटी और आत्मविश्वास ने दर्शकों का ध्यान खींचा। अभिनय के प्रति उनका जुनून और लगातार मेहनत ने आज उन्हें इस मुकाम तक पहुंचा दिया है।हाउसफुल 5 जैसी हाई-प्रोफाइल फिल्म में लीड रोल मिलना किसी भी एक्ट्रेस के लिए सपने के सच होने जैसा होता है।

इस फिल्म में सौंदर्य के काम को पसंद किया जा रहा है और उन्हें तारीफ मिल रही है। सौंदर्या की मानें तो उन्होंने कभी सोचा भी नहीं था कि वो एक दिन इस फ्रेंचाइजी का हिस्सा बनेंगी। अपने सोशल मीडिया पोस्ट्स में उन्होंने इस मौके को जिंदगी का सबसे बड़ा मोड़ बताया।बता दें अक्षय कुमार स्टारर ये फिल्म 6 जून 2025 को रिलीज हो गई है। फिल्म को अब तक ऑडियंस की तरफ से अच्छा खासा रिस्पॉन्स मिल रहा है।

केतु मंगल की युति से बनेगा कुज केतु योग

ग्रहों का सेनापति मंगल 7 जून को राशि परिवर्तन किया। इस दिन मंगल सिंह राशि में प्रवेश कर जाएंगे। 28 जुलाई तक मंगल इसी राशि में विराजमान रहेंगे। मंगल का राशि परिवर्तन को ज्योतिष में बहुत महत्वपूर्ण माना जाता है। ज्योतिष विज्ञान में मंगल ग्रह को सभी ग्रहों का सेनापति माना जाता है। मंगल का राशि परिवर्तन सभी राशियों पर प्रभाव डालता है। मंगल को साहस, ऊर्जा, भूमि, शक्ति और शौर्य का कारक माना जाता है। पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान जयपुर के निदेशक ज्योतिषाचार्य डा. अनीष व्यास ने बताया कि मंगल ग्रह 7 जून को सिंह राशि में प्रवेश किया और इसमें 28 जुलाई तक रहेंगे। मंगल को ऊर्जा, भाई, भूमि, शक्ति, साहस, पराक्रम, शौर्य, गतिशीलता और जीवन शक्ति का कारक ग्रह माना जाता है। मंगल ग्रह का ज्योतिष विज्ञान में विशेष महत्व है। हर व्यक्ति के जीवन में मंगल ग्रह विशेष प्रभाव डालता है और इसलिए जब मंगल ग्रह राशि परिवर्तन करते हैं तो इसका भी जीवन में कुछ सकारात्मक और नकारात्मक प्रभाव जरूर होता है। मंगल का राशि परिवर्तन कुछ विशेष राशियों के लिए फायदेमंद हो सकता है।

7 जून को मंगल सिंह राशि में प्रवेश किया, जहां पहले से ही केतु विराजमान हैं। जब दो क्रूर ग्रहों की युति होती है तो कुंजकेतु योग बनता है। जो अशुभ होता है। इसके अतिरिक्त ज्योतिष की एक उक्ति के अनुसार 'शनिवत राहु व कुन्ज वत केतु' अर्थात राहु शनि के सामान और केतु मंगल के सामान फल देता है। मेदिनी ज्योतिष में राहु और केतु के राशि और नक्षत्र में गोचर से नकारात्मक घटनाओं जैसे अग्निकांड, महामारी , दुर्घटना, राजनीतिक उठापटक, जातिवाद, धार्मिक उन्माद आदि की भविष्यवाणी की जाती है।

ज्योतिषशास्त्र के अनुसार सभी नौ ग्रहों का अपना स्वभाव और अलग-अलग कारक तत्व होते हैं। ज्योतिष में ऐसा माना जाता है कि जिन जातकों की कुंडली में मंगल ग्रह शुभ भाव में होते हैं ऐसे लोग काफी बुद्धिमान, प्रतापी और ऊर्जावान होते हैं। ज्योतिष में मंगल को मेष और वृश्चिक राशि का स्वामी माना जाता है। मंगल ग्रह कर्क राशि में ही नीच के और मकर राशि में उच्च राशि के माने जाते हैं।

सिंह राशि में मंगल और केतु की युति

मंगल और केतु की युति सिंह राशि में होने जा रही है। मंगल जो एक अग्नि तत्व के ग्रह हैं और केतु जो एक छाया ग्रह है दोनों की युति अग्नि तत्व की राशि सूर्य में होने बेहद विनाशकारी साबित होने वाला है। ऐसे में मंगल और केतु की युति कुजकेतु योग बनाएगी। वैदिक ज्योतिष में मंगल को पराक्रम, साहस, शक्ति और ऊर्जा का कारक ग्रह बताया गया है। जबकि केतु मोक्ष, वैराग्य और आध्यात्म का कारक ग्रह है। जब भी मंगल और केतु सिंह राशि से गोचर करते हैं जो भी घटनाएं होंगी वो अपने आप में स्पेशल होगी। मंगल और केतु भारत के फोर्थ हाउस में आने वाले हैं। एक नहीं दो नहीं तीन-तीन अग्नि तत्व इस समय में भारतवर्ष की कुंडली में शांति और स्थिरता को प्रभावित कर सकते हैं। आखिरी बार अगस्त 1989 में मंगल और केतु सिंह राशि में इकट्ठे हुए थे। उस समय में तत्कालीन प्रधानमंत्री जो वी.पी सिंह थे उस समय की राजनीति में एक भूकंप ला दिया था। इस घटना ने पूरे के पूरे आने वाली हिस्ट्री को बदल के रख दिया था। यही घटना थी जिसने 1990 में कश्मीरी पंडितों के विस्थापन वाली जो हृदय विदारक घटना थी उसको भी जन्म दिया था। 7 जून से लेके 28 जुलाई 2025 के बीच में मंगल और केतु यह सिंह राशि से गोचर करने वाले हैं। और इस बार यह समय है 51 दिन का। यह 51 दिन है इनमें जो भी घटनाएं होंगी वो अपने आप में स्पेशल होंगी। इन दिनों में जो भी कुछ घटनाक्रम होंगे कई बार वो बीज का काम करेंगे जिसकी फसल आने वाला समय काटेगा और ये फसल भी बड़ी महत्वपूर्ण होगी। ये हमेशा के लिए इतिहास के पन्नों में दर्ज हो जाने वाले समय बनेंगे।

मंगल का शुभ-अशुभ प्रभाव

प्राकृतिक आपदा के साथ अग्नि कांड भूकंप गैस दुर्घटना वायुयान दुर्घटना होने की संभावना। दुर्घटना होने की आशंका है। देश के कुछ हिस्सों में हवा के साथ बारिश रहेगी। भूकंप या अन्य तरह से प्राकृतिक आपदा आने की भी आशंका है। जनजीवन सामान्य होगा। मौसम भी बदलेगा और बारिश भी अच्छी होगी। इसके अलावा देश में आपदा में भी कमी आएगी। वैज्ञानिकों को सफलता मिलेगी तथा बीमारियों के इलाज में सफलता प्राप्त होगी। लोगों

के लिए समय अच्छा रहेगा। रोजगार के क्षेत्रों में वृद्धि होगी। आय में बढ़ोतरी होगी। देश की अर्थव्यवस्था के लिए शुभ रहेगा। व्यापार में तेजी रहेगी। सोने चांदी के भाव में वृद्धि होगी। राजनीति में उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा।

करें पूजा-पाठ और दान

मंगल के अशुभ असर से बचने के लिए हनुमानजी की पूजा करनी चाहिए। लाल चंदन या सिंदूर का तिलक लगाना चाहिए। तांबे के बर्तन में गेहूं रखकर दान करने चाहिए। लाल कपड़ों का दान करें। मसूर की दाल का दान करें। शहद खाकर घर से निकलें। हनुमान चालीसा का पाठ अवश्य करें। मंगलवार को बंदरों को गुड़ और चने खिलाएं।

मंगल का सिंह राशि में गोचर का सभी 12 राशियों पर प्रभाव।

मेष राशि

धन- लाभ हो सकता है। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़ लोगों के लिए शुभ है। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

वृष राशि

पारिवारिक जीवन में समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। परिवार के सदस्यों का विशेष ध्यान रखें। लेन- देन के लिए समय शुभ है। धन- खर्च सोच- समझकर ही करें। नौकरी और व्यापार में तरक्की के योग बन रहे हैं।

मिथुन राशि

कार्यों में सफलता के योग बन रहे हैं। भाग्य का साथ मिलेगा। नौकरी और व्यापार के लिए समय शुभ रहेगा। परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करने का अवसर मिलेगा। दांपत्य जीवन में सुख का अनुभव करेंगे।

कर्क राशि

वाद- विवाद से दूर रहें। गुस्सा करने से आपको नुकसान हो सकता है। नौकरीपेशा लोगों को कार्यक्षेत्र में मान- सम्मान मिलेगा। शिक्षा के क्षेत्र से जुड़े लोगों को शुभ फल की प्राप्ति होगी। व्यापार में लाभ के योग भी बन रहे हैं।

सिंह राशि

आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। दांपत्य जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। स्वास्थ्य संबंधित समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

कन्या राशि

आर्थिक पक्ष मजबूत होगा। आय के स्रोतों में वृद्धि होगी। मान- सम्मान और पद- प्रतिष्ठा में वृद्धि के योग बन रहे हैं। सेहत का विशेष ध्यान रखें। दांपत्य जीवन में मनमुटाव हो सकता है।

तुला राशि

निवेश करने के लिए समय शुभ है। परिवार के सदस्यों के साथ समय व्यतीत करेंगे। धन- खर्च बढ़ सकता है। प्रेम जीवन में कुछ परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है। विवाह के योग बन रहे हैं। वाद- विवाद से दूर रहें।

वृश्चिक राशि

नौकरी और व्यापार के लिए समय शुभ है। मान- सम्मान मिलेगा। कार्यक्षेत्र में हर किसी पर भी भरोसा करने से बचें। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखने की आवश्यकता है। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा।

धनु राशि

आध्यात्मिक और धार्मिक कार्यों में मन लगेगा। भाग्य का पूरा साथ मिलेगा। परिवार के सदस्यों का साथ मिलेगा। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। प्रेमी के साथ समय व्यतीत करेंगे।

मकर राशि

इस समय लेन-देन न करें। निवेश के लिए समय शुभ नहीं है। स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखना होगा। वाद- विवाद से दूर रहें। इस समय किसी पर भी भरोसा करने से पहले अच्छी तरह सोच- विचार कर लें।

कुंभ राशि

व्यापार के लिए ये समय किसी वरदान से कम नहीं है। धन- लाभ होगा। परिवार के सदस्यों का भी पूरा सहयोग प्राप्त करेंगे। दांपत्य जीवन में परेशानियां आ सकती हैं। कार्यों में सफलता मिलेगी।

मीन राशि

कार्यों में सफलता प्राप्त करने के लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। इस समय धैर्य से काम लें। आर्थिक पक्ष सामान्य रहेगा । पारिवारिक जीवन में परेशानियों का सामना करना पड़ सकता है।

डॉ. अनीष व्यास
भविष्यवक्ता और कुण्डली विश्लेषक
पाल बालाजी ज्योतिष संस्थान,जयपुर-जोधपुर
मो.9460872809

रविवार को धन प्राप्ति के उपाय, एक भी कर लें तो सूर्यदेव की कृपा से चमक जाएगी किस्मत!

हिंदू धर्म में सप्ताह का हर दिन किसी न किसी देवी-देवता को समर्पित माना जाता है। इनमें से रविवार का दिन सूर्यदेव को समर्पित माना गया है। ऐसे में भक्त रविवार को सूर्यदेव की विधि-विधान से पूजा करते हैं और सुबह जल्दी उठकर सूर्य को जल भी अर्पित करते हैं। ऐसा करने से भक्तों पर सूर्यदेव की कृपा बनी रहती है और जीवन में खुशहाली आती है। वहीं, ज्योतिष शास्त्र में रविवार के उपायों का वर्णन भी मिलता है, जिन्हें करने से व्यक्ति को जीवन की कई समस्याओं से निजात मिल सकती है और सूर्यदेव का विशेष आशीर्वाद प्राप्त होता है।

आर्थिक तंगी से निजात के लिए करें यह उपाय

अगर आपके घर की आर्थिक स्थिति सही नहीं चल रही है, तो इसके लिए रविवार के दिन सुबह जल्दी उठकर स्नानादि करें और फिर, एक विधि-विधान से सूर्यदेव की पूजा करें। अब एक तांबे के लोटे में जल, लाल रंग के पुष्प, अक्षत, रोली और गुड़ डालें। इसके बाद, सूर्य देव को यह जल अर्पित करें। साथ ही, 'ओम आदित्य नमः' मंत्र का जाप करें। इस उपाय को हर रविवार के दिन करने से सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं और घर की आर्थिक स्थिति में सुधार आने लगता है। रविवार का यह उपाय जातक के जीवन से नकारात्मकता को दूर करता है।

धन प्राप्ति के लिए करें यह उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार, रविवार के दिन सूर्य को जल अर्पित करने के साथ-साथ मछलियों को आटे की गोलियां खिलाना भी बहुत शुभ माना जाता है। इसके लिए शाम के समय किसी तालाब या नदी के पास जाकर आटे की छोटी-छोटी गोलियां मछलियों को खिलाएं। हर रविवार को यह एक काम करने से बेहद पुण्य फल की प्राप्ति होती है और पैसों की तंगी से भी निजात मिल सकती है। मान्यता है कि रविवार को मछलियों को आटे की गोलियां खिलाने से जातक के धन-संपत्ति में वृद्धि होती है और कारोबार में भी धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

रविवार को इस मंत्र के जाप से जीवन में आएगी सुख-समृद्धि

रविवार के दिन सुबह स्नान करने के बाद, नारंगी, सुनहरे, गुलाबी या लाल रंग के वस्त्र धारण करने चाहिए। साथ ही, इस दिन कम से कम 108 बार 'ओम घृणि सूर्याय नमः' मंत्र का जाप अवश्य करें। ऐसा करने से व्यक्ति की कुंडली में सूर्य की स्थिति मजबूत होती है और समाज में मान-सम्मान में वृद्धि होती है। माना जाता है कि श्रद्धा पूर्वक इस मंत्र का हर रविवार को जाप करने से जातक के जीवन में सुख-समृद्धि आने लगती है और घर का माहौल खुशनुमा होता है। 'ओम घृणि सूर्याय नमः' मंत्र के जाप से सूर्यदेव प्रसन्न होते हैं और इससे व्यक्ति की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं।

रविवार को इन चीजों के दान से पाएंगे खूब तरक्की

ज्योतिषशास्त्र में रविवार के दिन कुछ चीजों का दान करना विशेष रूप से फलदायी माना गया है। मान्यता है कि इस दिन किसी जरूरतमंद को नमक का दान जरूर करना चाहिए। ऐसा करने से पुण्य फल की प्राप्ति होती है और जीवन में चल रही समस्याओं से निजात मिल सकती है। इसके अलावा, आप रविवार को पास के किसी मंदिर में गेहूं और गुड़ का दान भी कर सकते हैं। इस उपाय को करने से परिवार के सदस्यों को जीवन में तरक्की हासिल होती है और जरूरी कार्यों में आ रही रुकावटें दूर होने लगती हैं। इस बात का ख्याल रखें कि रविवार को भूलकर भी शाम के समय नमक का दिन नहीं करना चाहिए। ऐसा करने से अशुभ फल की प्राप्ति हो सकती है।

जीवन के दुखों से निजात का उपाय

अगर आप जीवन में एक के बाद एक समस्याओं का सामना कर रहे हैं, तो शाम के समय बरगद के पत्ते पर अपनी मनोकामना लिख लें। अब इसे अपने सिरहाने रातभर रखा रहने दें और फिर, अगले दिन सुबह यानी रविवार को पत्ता लेजाकर किसी बहते हुए जल में प्रवाहित कर दें। इस उपाय को रविवार के दिन करने से व्यक्ति को जीवन की समस्याओं से निजात मिल सकती है और कार्यों में आ रही बाधाएं भी दूर होने लगती हैं। बरगद के पत्ते से इस आसान उपाय को करने से जातक की मनोकामनाएं भी पूर्ण हो सकती हैं।

शिवलिंग की परिक्रमा किस ओर से शुरू करनी चाहिए

जानें भगवान शिव की परिक्रमा से जुड़े नियम

हिंदू धर्म में परिक्रमा करने का बहुत महत्व है। परिक्रमा का मतलब है किसी खास जगह या व्यक्ति के चारों तरफ घूमना। यह घूमना हमेशा बाहिनी तरफ से होता है। इसे 'प्रदक्षिणा करना' भी कहते हैं। यह पूजा का एक जरूरी हिस्सा है। यह प्रथा बहुत पुरानी है। वेदों के समय से ही लोग परिक्रमा करते आ रहे हैं। देवी-देवताओं की पूजा विधि में परिक्रमा भी अहम हिस्सा है लेकिन क्या आप जानते हैं कि शिव जी की पूरी परिक्रमा नहीं बल्कि आधी परिक्रमा ही की जाती है। आइए, जानते हैं शिवजी की आधी परिक्रमा के पीछे क्या है मान्यता।

संपूर्ण ब्रह्मांड ज्योतिर्लिंग के ही समान है

शिव जी की आधी परिक्रमा करने का विधान है, वह इसलिए कि शिव के सोमसूत्र को लांघा नहीं जाता है। जब व्यक्ति आधी परिक्रमा करता है, तो उसे चंद्राकार परिक्रमा कहते हैं। शिवलिंग को ज्योति माना गया है और उसके आसपास के क्षेत्र को चंद्र। आपने आसमान में अर्द्ध चंद्र के ऊपर एक शुक्र तारा देखा होगा। यह शिवलिंग उसका ही प्रतीक नहीं है बल्कि संपूर्ण ब्रह्मांड ज्योतिर्लिंग के ही समान है। शिवलिंग की निर्मली को सोमसूत्र ही कहा जाता है, शास्त्र का आदेश है कि शंकर भगवान की प्रदक्षिणा में सोमसूत्र का उल्लंघन नहीं करना चाहिए।

शक्ति का स्रोत है सोमसूत्र

सोमसूत्र में शक्ति स्रोत होता है अतः उसे लांघते समय पैर फैलाते हैं और वीयं निर्मित और 5 अन्तस्थ वायु के प्रवाह पर विपरीत प्रभाव पड़ता है। इससे देवदत्त और धनंजय वायु के प्रवाह में रुकावट पैदा हो जाती है। जिससे शरीर और मन पर बुरा असर पड़ता है। अतः शिव की अर्द्ध चंद्राकार प्रदक्षिणा ही करने का शास्त्र का आदेश है।

शिवलिंग की परिक्रमा किस ओर से करनी चाहिए

शास्त्रों में अन्य स्थानों पर मिलता है कि तृण, काष्ठ, पत्ता, पत्थर, ईंट आदि से ढके हुए सोमसूत्र का उल्लंघन करने से दोष नहीं लगता है, लेकिन 'शिवस्यार्थ प्रदक्षिणा का मतलब शिव की आधी ही प्रदक्षिणा करनी चाहिए। भगवान शिवलिंग की परिक्रमा हमेशा बाई ओर से शुरू कर जलाधारी के आगे निकले हुए भाग यानी जल स्रोत तक जाकर फिर विपरीत दिशा में लौटकर दूसरे सिरे तक आकर परिक्रमा पूरी करें।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के प्रसाद का रहस्य, इस कारण यहां का प्रसाद घर नहीं लाता कोई भक्त

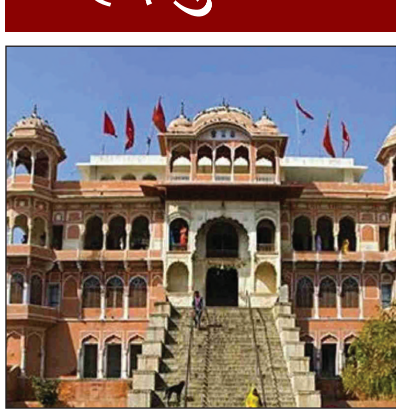

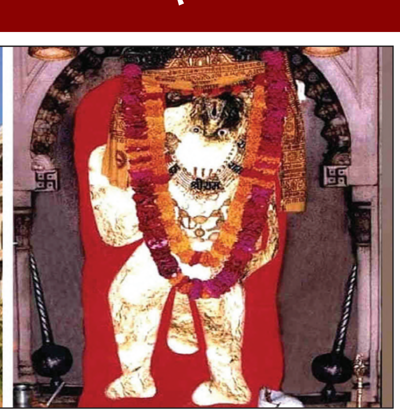

मेहंदीपुर बालाजी अपने रहस्यों के लिए प्रसिद्ध है। बालाजी यानी हनुमान जी के भक्तों के लिए मेहंदीपुर बालाजी का मंदिर विशेष महत्व होता है। मेहंदीपुर बालाजी मंदिर राजस्थान के दौसा जिले में स्थित है। इस मंदिर से ऐसी रहस्यमय बातें और परंपराएं जुड़ी हुई हैं, जिनके बारे में अक्सर चर्चा होती है। जैसे मेहंदीपुर बालाजी के बारे में कहा जाता है कि मेहंदीपुर बालाजी का प्रसाद घर पर नहीं लाना चाहिए।

मेहंदीपुर बालाजी में कैसे चढ़ाते हैं प्रसाद

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में दो तरह के प्रसाद मिलते हैं। इनमें दर्खावस्त (हाजरी) और अर्जी शामिल हैं। हाजरी में दो बार प्रसाद खरीदना पड़ता है। अर्जी में तीन थालियों में प्रसाद मिलता है। हाजरी चढ़ाने के बाद तुरंत मंदिर से निकलना होता है। अर्जी का प्रसाद लौटते समय मिलता है। लौटते समय इसे बिना पीछे देखे फेंकना होता है। मान्यता है कि प्रसाद न फेंकने से नकारात्मक ऊर्जा आपके साथ ही रहती है।

हर देवता के लिए है अलग प्रसाद नियम

इस मंदिर में बालाजी, प्रेतराज और भैरों बाबा को अलग-अलग चीजें चढ़ाई जाती हैं। बालाजी को लड्डू, प्रेतराज को चावल और भैरों बाबा को उड़द का भोग लगता है। मंदिर से कोई भी प्रसाद या सामान बाहर नहीं ले जा सकता। ऐसा माना जाता है कि इससे नकारात्मक ऊर्जा का असर हो सकता है. मंदिर में बालाजी, प्रेतराज और भैरों बाबा की पूजा होती है। तीनों को अलग-अलग चीजें अर्पित की जाती हैं. बालाजी को लड्डू का भोग लगता है। प्रेतराज को चावल का भोग लगाते हैं। भैरों बाबा को उड़द का भोग चढ़ाया जाता है।

मेहंदीपुर बालाजी का प्रसाद घर क्यों नहीं लाते

आमतौर पर लोग मानते हैं कि प्रसाद जितना ज्यादा लोगों को दिया जाए, उतना ही अच्छा होता है। इससे पुण्य मिलता है लेकिन मेहंदीपुर बालाजी मंदिर में ऐसा नहीं है। यहां का नियम बिल्कुल अलग है। यहां के प्रसाद को खाना भी मना है और उसे घर भी नहीं ले जा सकते। इसके पीछे मान्यता यह है कि मेहंदीपुर बालाजी में लोग नकारात्मक ऊर्जा से मुक्ति पाने आते हैं इसलिए यहां पर नकारात्मक ऊर्जाएं भी रहती हैं। ऐसे में अगर आप यहां का प्रसाद फेंकने की जगह घर ले जाएंगे, तो इससे आपके जीवन पर नकारात्मक ऊर्जा का साया होने लग जाएगा।

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर से कुछ न खरीदने की मान्यता

मेहंदीपुर बालाजी मंदिर के बारे में एक मान्यता प्रचलित है। लोग वहां से झंडा, कड़ा और प्रसाद लाते हैं। पर कहा जाता है कि मंदिर से कोई भी सामान घर नहीं लाना चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से नकारात्मक ऊर्जा घर में प्रवेश कर सकती है। इसलिए मंदिर से कुछ भी लाने की बजाय यहां पर ज्यादा से ज्यादा चीजों को बालाजी को समर्पित किया जाता है।

क्या आप जानते हैं?

- कोआला के फिंगरप्रिंट्स (पैर्टन, शेप और साइज) इंसान के फिंगरप्रिंट्स जैसे ही होते हैं।
- म्यूजिक क्रॉनिक पेन को 20 फीसदी और डिप्रैशन को 25 फीसदी कम कर सकता है।
- ऊंट का दूध अरब देशों में काफी पिया जाता है। इसमें गाय के दूध के मुकाबले 10 गुना अधिक आयरन पाया जाता है।
- हिमालय ने पृथ्वी की सतह का 1/10 हिस्सा ढंका हुआ है।
- यदि व्हेल का ईको सिस्टम फेल हो जाए, तो उसकी मौत हो जाती है।
- पेट में करीब साढ़े तीन करोड़ डाइजैस्टिव ग्लैंड्स होते हैं।
- 1850 से पहले गोल्फ की गेंद चमड़े से बनाई जाती थी और इसमें पंख भरे जाते थे।
- चाइनीज सक्रिप्ट में 40,000 से अधिक कैरेक्टर्स हैं।
- पीटर द ग्रेट के शासन के दौरान दाढ़ी रखने वाले रशियन आदमियों को एक खास टैक्स देना पड़ता था।

दिमाग की बत्ती

पानी की बूंदें गोल होती हैं क्यों?

पानी के अणु इसे गतिशील रखते हैं, परंतु ये पूर्णतः अलग नहीं होते, क्योंकि ये लगातार एक-दूसरे को अपनी ओर आकर्षित करते हैं। पानी की सतह के अणु एक प्रकार की झिल्ली का निर्माण करते हैं, जो कम भार की वस्तुओं को सहारा दे सकती है। जो बल इन अणुओं को आपस में जोड़े रखता है, उसे 'सतहीय दबाव' कहते हैं। जब आप गिलास को पानी से ऊपर तक भरें, तब उसकी सतह को पास से देखें। ऊपरी सतह के किनारों पर पानी जरा-सा वक्राकार मुड़ा होता है। इन घुमावों को ही सतहीय दबाव कहते हैं। पानी को एक बैग की तरह जोर से खींचे, अगर यह कम मात्रा में होगा, तो सतहीय दबाव उसे गोल बूंद में बदल देगा।

पानी पर तैरता शहर वीनस

युद्ध की विभीषिकाओं और समुद्री लुटेरों से इतिहास संजोने वाला वीनस शहर आज कला-संस्कृति और प्रेम की प्रतिमूर्ति के रूप में जाना जाता है...

विश्व के खूबसूरत व प्राचीन शहरों की बात करें, तो इटली के वीनस शहर का नाम बरबस ही होंठो पर आ जाता है। इसे पानी पर तैरता शहर कहा जाता है, क्योंकि यह छोटे-छोटे कई टापुओं का समूह है, जिन्हें विभिन्न पुलों से आपस में जोड़ा गया है। वीनस में 160 नहरें हैं, जिन्हें 409 पुलों से आपस में जोड़ा गया है। यह शहर लकड़ी के पोलस पर बनाया गया है।

आप यहां के खूबसूरत लगून देखने के लिए वाटर बस और वाटर टैक्सी ले सकते हैं। शहर के बीच से बहने वाली नदियों के मोड़ों पर बने हुए ओपन कैफेटेरिया में कॉफी पीने का अपना ही आनंद है।

वीनस के संरक्षक सेंट मार्क के जन्म दिवस 25 अप्रैल 421 ईस्वी को वीनस की स्थापना की गई। उस समय समुद्र के बीच स्थित वीनस एक छोटा-सा गांव टोर्सैलो था। सेंट मार्क का शहर होने की वजह से इसका अपना धार्मिक महत्व भी है। शहर के करीब हर मोड़ पर बने हुए गिरजाघर लोगों की आस्था की कहानी ब्यान करते हैं। सेंट मार्क स्कवायर में लगे हुए घंटे की आवाज के आते ही लोगों में गिरजाघरों में जाकर प्रार्थना करने की जैसे होड़-सी लग जाती है।

पानी पर तैरते शहर की खूबसूरती में चार चांद लगाने का काम करते हैं पानी में चलने वाले गिंडोले (चप्पुओं से चलने वाली स्थानीय किश्ती)। इन गिंडोलों को चलाने वाले स्थानीय भाषा में लोक गीत सुनाकर लोगों का मन मोह लेते हैं। इन लोक गीतों में वीनस के महान प्रेमी के रूप में मशहूर कासानोवा की

प्रेम कहानियां और कुछ स्थानीय कहानियां शामिल रहती हैं। स्थानीय लोक गायक गिटार से मिलता- जुलता एक स्थानीय वाद्य-यंत्र बजाते हैं, जो वीनस की पहचान बन चुका है।

वीनस के संग्रहालयों में रखी हुई कलाकृतियां विश्व की अनमोल धरोहरों में से हैं, जिनमें पिकासो की पेंटिग्ज और मार्क के तांबे के चार घोड़े का अपना महत्व है।

वीनस का इतिहास

वीनस का पुराना नाम सेरेनिस्सिमा रिपब्लिका था। यह एक शक्तिशाली साम्राज्य हुआ करता था। आठवीं सदी के अंत से लेकर 1792 तक यह एक आजाद रिपब्लिक था। 1797 में वीनस गणराज्य पर नैपोलियन ने कब्जा कर लिया और यह हैम्पसबर्ग गणराज्य (आस्ट्रिया) का हिस्सा बन गया। 1848 में वीनस वासियों ने अपनी मातृ-भूमि को स्वतंत्र करवाने के प्रयास शुरू किए। 1860 में गूसोप गरीबल्दी की फौज ने सवोया साम्राज्य के नियंत्रण में इटली को राज्य का दर्जा दिलाने में कामयाबी हासिल कर ली, तीसरे स्वतंत्रता युद्ध के बाद 1866 में वीनस इटली का भाग बन गया।

प्राकृतिक आपदाएं

1348 में महामारी के कारण वीनस की जनसंख्या आधी रह गई। इसके बावजूद वह मैडिट्रेनियन समुद्र की चार महाशक्तियों में अपना नाम दर्ज करवाने में सफल रहा। अन्य तीन महाशक्तियों के नाम अमाल्फी गणराज्य, जिनोवा तथा लॉ स्पेजिया थे। 1630 में दूसरी बार वीनस में महामारी फैली और इसका पतन आरंभ हो गया। द्वितीय विश्व युद्ध के कारण सांस्कृतिक गतिविधियों में अवरोध उत्पन्न हो गया। 1966 में आई बाढ़ ने शहर को काफी क्षति पहुंचाई। तब पानी का स्तर दो मीटर तक बढ़ गया था। आज भी कई गिरजाघरों व अन्य स्थानों पर पानी के निशान देखे जा सकते हैं।

सेंट मार्क स्कवायर

सेंट मार्क स्कवायर का निर्माण 814 ईस्वी में हुआ। 1902 में इसका बैल टॉवर ढह गया। 1912 में इसका पुर्ननिर्माण किया गया।

मार्को पोलो की चीन यात्रा

वीनस के व्यापारी मार्को पोलो ने वीनस से चीन तक की यात्रा मध्यकाल (1271-95 ई.) में की। '11 मिलियन ' नामक पुस्तक में चंगेज खान से उसकी मुलाकात के हैरतअंगेज किस्से दर्ज हैं।

जिराफ नहीं है यह

ओकापी जिराफ की तरह दिखाई देता है। इसे छोटी गर्दन वाला जिराफ भी कहते हैं। देखने में अत्यंत खूबसूरत ओकापी अफ्रीका महाद्वीप के देश जायर के उत्तर-पूर्व के ट्रॉपिकल जंगलों में पाए जाते हैं। चॉकलेट ब्राउन रंग के ओकापी की टांगों पर मटमैले सफेद रंग की आड़ी लाइनें होती हैं।

ओकापी की खोज 1901 में हुई, पर प्राचीन मिस्त्रवासियों को इसकी जानकारी काफी पहले से ही थी। इनकी लंबाई 1.9 से 2.5 मीटर तक होती है और कंधों तक ऊंचाई डेढ़ से दो मीटर तक होती है। इनकी पूंछ की लंबाई 30- 42 सेंटीमीटर होती है।

नर ओकापी के बालों से ढंके सींग होते हैं, जो 15 सेंटीमीटर से अधिक लंबे नहीं होते। मादा ओकापी के सींग नहीं होते, पर यह नर से औसतन 4.2 सेंटीमीटर लंबी होती है। इनके कान काफी बड़े आकार के होते हैं, जो परभक्षी का पता लगाने में इनकी मदद करते हैं।

इनकी जीभ 14 से 18 इंच लंबी होती है। काले रंग की इस नुकीली जीभ का इस्तेमाल ये पेड़ों की शाखाओं से कोंपलें, पत्ते और फल तोड़ने के लिए करते हैं। यह एकमात्र ऐसा जानवर है, जो अपनी जीभ से अपने कान साफ कर सकता है।

समय का सफर

दिन-रात और समय के चक्करों को समझने के लिए मनुष्य ने घड़ी का अविष्कार किया। घड़ी के आज के स्वरूप तक की यात्रा पर एक नजर-

- 500-300 ईपू मिस्त्र में पहली बार सूर्य घड़ी का उपयोग किया गया।
- 400 ईपू - ग्रीस के लोग पत्ती की घड़ी से समय का पता लगाने लगे।
- 980ई- राजा एफ्रेड जलती मोमबत्ती से समय का निर्धारण करते थे।
- 1657 ई- क्रिस्टिएन हाइगंस ने पहली पेंडुलम घड़ी बनाई।
- 1838 ई- लुईस ऑडीमार्स ने पेंचदार घड़ी और उसकी यांत्रिकी की खोज की।
- 1868 ई- पैटेक फिलिपी ने पहली रिस्टवॉच का आविष्कार किया।
- 1888 ई - कॉर्टियर ने पहली लेडीज रिस्टवॉच बनाई।
- 1902 ईस्वी- पहली ओमेगा रिस्टवॉच बनी। जर्मनी में 93000 घड़ियां बिकीं।
- 1914 ई. - पहली अलार्म रिस्टवॉच एटरना द्वारा बनाई गई।
- 1923ई- पहली ऑटोमेटिक रिस्टवॉच जॉन हार्डवुड ने बनाई।
- 1957 ई. - हैमिल्टस ने पहली इलैक्ट्रानिक वॉच का निर्माण किया। आज ढेरों प्रकार की इलैक्ट्रॉनिक डिजिटल घड़ियां मौजूद हैं, जिनमें कई तरह की ऐसी सुविधाएं शामिल हैं।

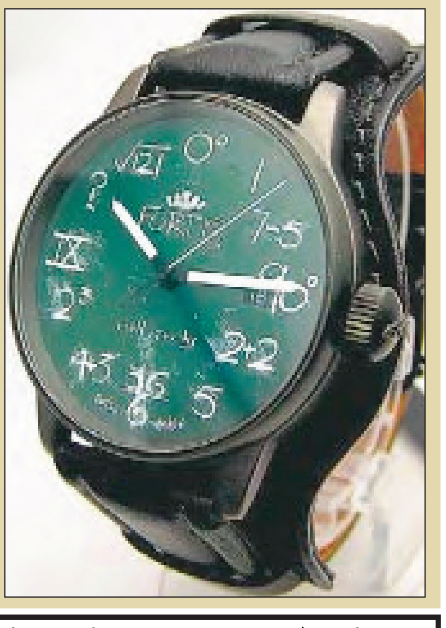

इस पुस्तक मेले में भी आएं जरूर

बच्चो, आज आप हमारे साथ जालंधर के देश भक्त यादगार हाल चलें। मालूम है क्यों? क्योंकि वहां आजकल जालंधर पुस्तक मेला चल रहा है। इस मेले में बच्चों के लिए खासतौर पर नैशनल बुक ट्रस्ट ने बच्चों की पुस्तकों के 2000 टाइटिल प्रदर्शित किए हैं। अकेले पंजाबी में 200 से ज्यादा पुस्तकें बच्चों के लिए प्रकाशित की हैं।

इस बारे में ट्रस्ट के संयुक्त निर्देशक बलदेव सिंह बदन ने बताया कि लगभग 13 भारतीय भाषायों के बाल साहित्य को हमने प्रकाशित किया है। इसके अलावा 7 आसमी जनजातियों के बाल साहित्य को भी अंग्रेज़ी और हिंदी में अनुवाद करवाया गया है।

बच्चो, आपको इस मेले में दुनिया भर का बाल साहित्य मिलेगा। इसमें जैको, लोकगीत और दीपक पब्लिशर्ज द्वारा प्रकाशित किया गया बाल साहित्य भी आपको मिलेगा। हर तरह की जानकारियों से भरा हुआ साहित्य, आपकी पढ़ाई से जुड़ा हुआ साहित्य, आपके बारे में लिखा हुआ साहित्य, पक्षियों के बारे में, देशों के बारे में, फूलों के बारे में और आपके मनपसंद खेलों के बारे में। बहुत कुछ और भी है, इसलिए आप अपने बड़ों को भी साथ ले जाना न भूलें। मेले में देश भर से प्रकाशक आए हैं और दुनिया भर का साहित्य आपका स्वागत करेगा। यह मेला 10 अप्रैल तक चलेगा और आप कभी भी वहां जा सकते हैं। वहां किसी तरह का टिकट भी नहीं लगता। हर रोज़ साहित्य पर कार्यक्रम भी होते हैं। आप वहां अपने प्रिय लेखकों से भी मिल सकते हैं।

हम बताएं, आप बनाएं

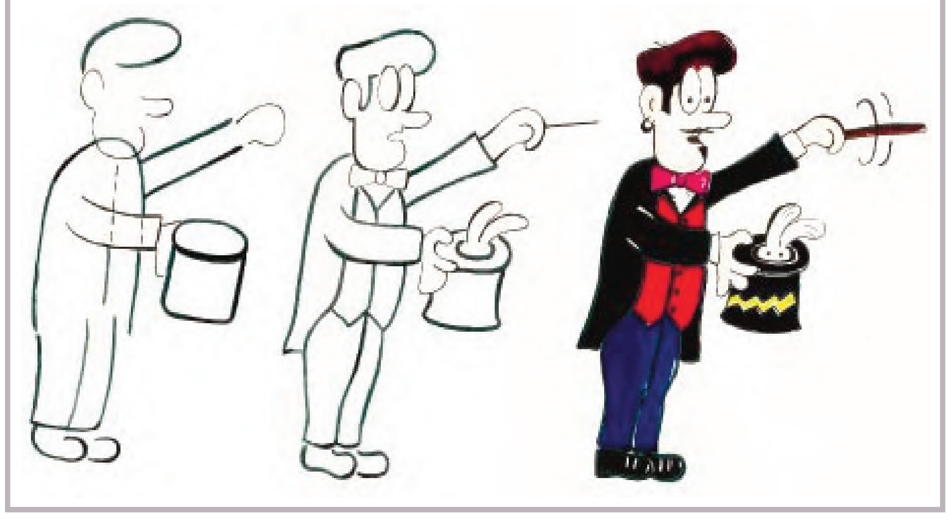

लघुकथाएँ

मन्नत

उसी फूलवाली से हमेशा फूलमाला, पूजा का सामान खरीदने से पहचान-सी हो गई है। उसके ठेले के नीचे चप्पलें उतारकर वे बड़ी बेफिक्र हो देर तक पूजा-अर्चना करती रहती हैं। कल फूलवाली के साथ उसका आठेक साल का बेटा भी माला पिरो रहा था, तो वह भी पूजा की टोकरी ले उनके साथ मंदिर में चला आया। गणपतिजी का प्राचीन मंदिर। चौखट पर पेड़ों की डालों पर घंटियों पर सैकड़ों नाड़े बँधे थे मन्नतों के। दीवारों पर, खंबों पर चॉक से, पेंसिल से मानताएँ माँगे भी लिखी थीं। लोग जोर-जोर से पढ़कर परस्पर सुना रहे थे और कुछ अपनी मन्नत लिख भी रहे थे, इसी विश्वास के साथ कि ईश्वर उनकी पुकार अवश्य सुनेंगे।

बालक सब देखता, सुनता रहा और मंदिर से बाहर आते ही बोला- 'आंटीजी, आप मुझे लिखना-पढ़ना सिखा दो। दिन में तो मैं चाय की गुमटी पर मजूरी पर जाता हूँ... शाम को पढ़ने आया करूँ... मैं भी अपनी मन्नत लिखकर भेजूँगा भगवानजी के पास।'

'तुझे क्या माँगना है भगवान से, जिसके लिए तूने पढ़ना-लिखना सीखने की ठान ली?'

'मैं भगवान को लिखकर विनती करूँगा कि वे मेरे पापा की शराब पीने की लत छुड़ा दें और मुझे कुछ नहीं चाहिए।'

सुनकर वे थर्रा गईं। बच्चे की माँग ठुकराने का प्रश्न ही नहीं था। वे बालक को पढ़ना-लिखना सिखा रही हैं और उन्हें उम्मीद है कि जिस दिन बालक अपनी माँग लिखकर अपने पिता को और परमात्मा को चिट्ठी लिखेगा... पिता और परमपिता दोनों ही उसकी मन्नत अवश्य पूरी करेंगे।

समुद्रीय रेगिस्तान

समुद्र में जहां प्लैंकटन बहुत कम होता है, वहां पानी बहुत साफ दिखाई देता है, यहां जीवों केलिए जिंदा रहना एक बहुत बड़ी चुनौती होती है...

प्रशांत महासागर का नाम लैटिन नाम 'टेपरे पैसिफिकम' से लिया गया है, जिसका अर्थ है- शांत समुद्र। प्रशांत महासागर पांच महासागरों में से सबसे बड़ा और गहरा महासागर है। यह पृथ्वी के एक-तिहाई हिस्से पर फैला हुआ है। यह अमेरिका से 18 गुणा बड़ा है। इतने विशाल क्षेत्र में फैले होने के कारण यहां रहने वाले जीवों में पृथ्वी के अन्य भागों के सागरों की अपेक्षा बड़ी विभिन्नता है।

प्रशांत महासागर उत्तर में आर्कटिक से दक्षिण में अंटार्कटिका, पश्चिम में एशिया व ऑस्ट्रेलिया और पूर्व में अमेरिका तक फैला हुआ है। इसमें लगभग 20,000 टापू हैं। इसकी औसत गहराई 14,000 फुट है। पश्चिम-उत्तर प्रशांत महासागर में 'द मरियाना ट्रेंच' दुनिया का सबसे गहरा प्वाइंट है। इसकी गहराई 35,800 फुट (10,911 मीटर) है। प्रशांत महासागर उत्तरी प्रशांत महासागर और दक्षिणी प्रशांत महासागर में बंटा हुआ है।

वैज्ञानिक अन्वेषकों और साहसिक नाविकों द्वारा गत सैंकड़ों सालों में महासागर के विषय में ज्ञान प्राप्त करने की अनेक कोशिशें की गईं। अब भी निरंतर प्रशांत महासागर के गर्भ के बारे में ज्ञान प्राप्त करने के लिये खोजें जारी हैं। यहां अभी भी नित नए जीवों की खोज होती रहती है।

प्रशांत महासागर दुनिया विशेषकर उन देशों की

अर्थव्यवस्था में अहम भूमिका निभाता है, जिन्हें इसका पानी छूता है। यह पूर्व और पश्चिम के बीच सस्ती ट्रांसपोर्टेशन मुहैय्या कराता है। इसके ऑयल और गैस रिजर्व्स अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, चीन और पेरू की एनर्जी सप्लाई में अहम भूमिका निभाते हैं।

ऑस्ट्रेलिया के पास दक्षिण प्रशांत महासागर का पानी खूबसूरत नीले रंग का है। यहां पानी जितना साफ है, उतना शायद ही कहीं हो। इसका कारण यह है कि यहां प्लैंकटन कम है। इसलिए इसे समुद्रीय रेगिस्तान भी कहते हैं। इसीलिए यहां जिंदा रहना बहुत बड़ी चुनौती है। इस इलाके में मछलियां और दूसरे समुद्री जीव बहुत कम संख्या में पाए जाते हैं।

किलर व्हेल को पकड़ने निकले एक 87 फुट लंबे जहाज को जब व्हेल ने समुद्र में पलट दिया, तो उसमें सवार 21 नाविक किसी तरह जान बचाने में कामयाब हो गए। दक्षिण प्रशांत महासागर में जिंदा रहने के लिए उन्हें काफी संघर्ष करना पड़ा। उन्होंने अपने संस्मरणों में लिखा है कि समुद्र के बीच पानी की प्यास इंसान को बेइंतहा तोड़ देती है, पर वे इस बात से हैरान थे कि इस इलाके में उन्हें एक भी मछली नहीं मिल रही थी, हालांकि वे बहुत माहिर नाविक थे।

दक्षिण प्रशांत महासागर में जिंदा रहने के लिए कई जीव हजारों किलोमीटर की लंबी दूरी तय करके दूसरी जगह चले जाते हैं। वहीं दूसरी ओर, स्पर्म व्हेल कई हजार किलोमीटर की दूरी तय करके अंटार्कटिका से प्रजनन के लिए यहां के गर्म पानी में आती हैं।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

अवांछित विचार दिमाग़ में छा सकते हैं। ख़ुद को शारीरिक व्यायाम का मज़ा लेने दें, क्योंकि खाली दिमाग़ शैतान का घर होता है। अपने धन का संचय कैसे करना है यह हुनर आज आप सीख सकते हैं और इस हुनर को सीख कर आप अपना धन बचा सकते हैं। एक पारिवारिक आयोजन में आप सभी के ध्यान का केन्द्र होंगे। रात के समय आज आप घर के लोगों से दूर होकर अपने घर की छत या किसी पार्क में टहलना पसंद करेंगे। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

अपनी शारीरिक चुस्ती–फुर्ती को बनाए रखने के लिए आप आज का दिन खेलने में व्यतीत कर सकते हैं। आर्थिक रुप से आज आप काफी मजबूत नजर आएंगे, ग्रह नक्षत्रों की चाल से आज आपके लिए धन कमाने के कई मौके बनेंगे. शाम का ज़्यादातर समय मेहमानों के साथ गुज़रेगा। संभव है आज आप अपने प्रिय को टॉफ़ी वग़ैरह दें। सामाजिक और धार्मिक समारोह के लिए बेहतरीन दिन है। बाग़बानी करना आपके लिए सुकून भरा हो सकता है – इससे पर्यावरण को भी लाभ पहुँचेगा।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

अगर आपने किसी शख़्स को पैसा उधार दिया था तो आज आपको वो पैसा वापस मिलने की उम्मीद है। आपको परिवार के सदस्यों और दोस्तों के साथ बिताने के लिए पर्याप्त समय मिलेगा। मौज–मस्ती के लिए घूमना संतोषजनक रहेगा। सुबह जीवनसाथी से आपको कुछ ऐसा मिल सकता है, जिससे आपका सारा दिन ख़ुशगवार गुज़रेगा। काम की अधिकता आज आपको मानसिक रुप से परेशान कर सकती है। हालांकि शाम के वक्त थोड़ी देर ध्यान करके आप अपनी ऊर्जा वापस पा सकते हैं।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

दूसरों के साथ ख़ुशी बांटने से सेहत और खिलेगी। घर में कुछ बदलाव लाने के लिए पहले बाक़ी लोगों की राय भली–भांति जान लें। रोमांस को झटका लगेगा और आपके क़ीमती तोहफ़े भी आज जादू चलाने में विफल रहेंगे। अपनी ख़ासियत और भविष्य की योजनाओं पर फिर से सोचने का समय। जीवनसाथी द्वारा परिवार और मित्रों के बीच नकारात्मक तरीक़े से आपके वैवाहिक जीवन की निजी बातें उजागर हो सकती हैं। वक्त कैसे गुजर जाता है इस बात का अहसास आज आपको अपने किसी पुराने मित्र से मिलकर हो सकता है।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

अपने ऊर्जा–स्तर को फिर से बढ़ाने के लिए पूरा आराम करें, क्योंकि थका हुआ शरीर दिमाग़ को भी थका देता है। आपको अपनी असली क्षमताओं को पहच–ानने की ज़रूरत है, क्योंकि आपमें क्षमता की नहीं बल्कि इच्छा–शक्ति की कमी है। आज आपके माता–पिता में से कोई आपको धन की बचत करने को लेकर लेक्चर दे सकता है, आपको उनकी बातों को बहुत गौर से सुनने की जरुरत है नहीं तो आने वाले समय में परेशानी आपको ही उठानी पड़ेगी। अपने सामर्थ्य से ज्यादा काम करना आपके लिए नुकसानदायक साबित होगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

ज़िन्दगी की बेहतरीन चीज़ों को शिद्दत से महसूस करने के लिए अपने दिल–दिमाग़ के दरवाज़े खोलें। चिंता को छोड़ना इसकी ओर पहला क़दम है। ज़रूरत से ज़्यादा ख़र्च करने और चालाकी–भरी आर्थिक योजनाओं से बचें। अपना अतिरिक्त समय नि:स्वार्थ सेवा में लगाएँ। यह आपको और आपके परिवार को ख़ुशी और दिली सुकून देगा। अगर अपने लव पार्टनर को अपना जीवनसाथी बनाना चाहते हैं तो उनसे आज बात कर सकते हैं। हालांकि बात करने से पहले आपको उनके मनोभावों को जान लेना चाहिए। अगर आप किसी विवाद में उलझ जाएँ तो तल्ख़ टिप्पणी करने से बचिए।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आज आपको बेवजह पैसा खर्च करने से खुद को रोकना चाहिए नहीं तो जरुरत के समय आपके पास पैसे की कमी हो सकती है। कोई पुराना दोस्त शाम के समय फ़ोन कर पुरानी यादें ताज़ा कर सकता है। आपकी मुलाक़ाता एक ऐसे दोस्त से होगी, जिसे आपका ख़याल है और जो आपको समझता भी है। किसी पार्क में घूमते समय आज आपकी मुलाकात किसी ऐसे शख्स से हो सकती है जिससे अतीत में आपके मतभेद थे। जीवन की उलझनों का हल आपको खुद ढूंढने की जरुरत है क्योंकि लोग आपको बस सलाह दे सकते हैं और कुछ नहीं।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

व्यस्त दिनचर्या के बावजूद स्वास्थ्य अच्छा रहेगा। बीते दिनों में जितना धन आपने आज को बेहतर बनाने के लिए इनवेस्ट किया था उसका फायदा आज आपको फायदा मिल सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। अपने प्रिय को आज निराश न करें– क्योंकि ऐसा करने की वजह से बाद में आपको पछताना पड़ सकता है। आज ऐसी कई सारी चीज़ें होंगी – जिनकी तरफ़ तुरन्त ग़ौर करने की आवश्यकता है। अलग–अलग नज़रिए के चलते आपके और आपके जीवनसाथी के बीच वाद–विवाद हो सकता है। अपना पसंदीदा संगीत सुन सकते हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज आप उम्मीदों की जादुई दुनिया में हैं। आज आप अपने घर के वरिष्ठ जनों से पैसे की बचत करने को लेकर कोई सलाह ले सकते हैं और उस सलाह को जिंदगी में जगह भी दे सकते हैं.आज आप ऐसे इंसान से मिल सकते हैं, जो आपको ख़ुद अपनी ज़िन्दगी से ज़्यादा चाहता होगा। आप खाली समय में अपने पसंदीदा काम करना पसंद करते हैं, आज भी आप ऐसा ही कुछ करने का सोचेंगे लेकिन किसी शख्स के घर में आने की वजह से आपका यह प्लान चौपट हो सकता है छात्र जिस विषय में कमजोर हैं उस विषय के बारे में आज अपने टीचर से बात कर सकते हैं।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

सेहत अच्छी रहेगी। आपका कोई दोस्त आपसे आज बड़ी रकम उधार मांग सकता है, अगर आप उनको यह रकम देते हैं तो आप आर्थिक तंगी में आ सकते हैं। बच्चे की पढ़ाई के बारे में चिंता करने की ज़रूरत नहीं है। आज के दिन आपके कुछ दोस्त आपके घर में आ सकते हैं और उनके साथ आप समय बिता सकते हैं।ज़रूरत के वक़्त आपका जीवनसाथी आपके परिवार की अपेक्षा अपने परिवार को ज़्यादा तरजीह देता हुआ नज़र आ सकता है। आपकी बातें आज आपके करीबियों को समझ नहीं आएंगी जिसकी वजह से आप परेशानी महसूस करेंगे।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज आपके पास ख़ुद के लिए पर्याप्त समय होगा, तो मौक़े का फ़ायदा उठाएँ और अच्छी सेहत के लिए पैदल सैर पर जाएँ। अगर आप घर से बाहर रहकर जॉब या पढ़ाई करते हैं तो ऐसे लोगों से दूर रहना सीखें जो आपका धन और समय बर्बाद करते हैं। घर के किसी सदस्य के व्यवहार की वजह से आप परेशान रह सकते हैं। आपको उनसे बात करने की जरुरत है। कई बार मोबाइल चलाते–चलाते आपको समय का पता ही नहीं चलता और फिर जब आप अपना समय बर्बाद कर चुके होते हैं तो आपको पछतावा होता है।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

तंग आर्थिक हालात के चलते कोई अहम काम बीच में अटक सकता है। परिवार के सदस्य कई चीज़ों की मांग कर सकते हैं। रोमांस के नज़रिए से आज ज़िन्दगी बहुत जटिल रहेगी। आज सोच–समझकर क़दम बढ़ाने की ज़रूरत है– जहाँ दिल की बजाय दिमाग़ का ज़्यादा इस्तेमाल करना चाहिए। आपका जीवनसाथी आपकी ज़रूरतों को अनदेखा कर सकता है, जिसके चलते आप चिड़चिड़े हो सकते हैं। आपकी तंदरुस्ती आज आपके घर वालों को खुशी देगी।

आज का पंचांग

दिनांक : 08 जून 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2082
मास : ज्येष्ठ , शुक्ल पक्ष
तिथि : द्वादशी प्रात: 07:20 तक
नक्षत्र : स्वाति दोपहर 12:42 तक
योग : परिघ दोपहर 12:17 तक
करण : बालव प्रात: 07:20 तक
चन्द्रराशि : तुला
सूर्योदय : 05:41 , सूर्यास्त 06:49 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 05:52 , सूर्यास्त 06:44 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 05:44 , सूर्यास्त 06:38 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:34 , सूर्यास्त 06:39 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : प्रदोष व्रत, वट सावित्री व्रत आरंभ, मृगशिरा में रवि प्रात: 07:18 से

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

गरीबों और श्रमिकों की ताकत से ही बनेगा विकसित भारत : नायब सिंह

चंडीगढ़, 07 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी ने कहा कि इस देश की असली ताकत हमारे गरीब, श्रमिक और वंचित वर्ग के लोग हैं। यही लोग अपने पसीने और मेहनत से भारत को एक विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में सबसे बड़ा योगदान दे रहे हैं। प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने बीते 11 वर्षों में इन मेहनतकश वर्गों को जो सम्मान और अधिकार दिए हैं, वह कांग्रेस कभी नहीं दे पाई।

कांग्रेस ने हमेशा अपने परिवार के हितों को प्राथमिकता दी और आम जनता, समाज और देश की चिंता नहीं की। कांग्रेस ने दशकों तक सत्ता में रहते हुए आम जनता की अपेक्षाओं की अनदेखी की और अब जनता ने उन्हें शून्य पर लाकर खड़ा कर दिया है। मुख्यमंत्री आज यहां संत कबीर कुटीर पर प्रदेशभर से आए डीएससी समाज के प्रतिनिधिमंडल को संबोधित कर रहे थे।

इस अवसर पर डीएससी समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी पहनाकर उनका सम्मान किया और डीएससी समाज के आरक्षण में वर्गीकरण को लागू करने के लिए उनका आभार व्यक्त किया। समाज के लोगों ने मुख्यमंत्री को 11 जून को सिरसा में मनाई जाने वाली संत कबीर जयंती के लिए भी निमंत्रण भी दिया।मुख्यमंत्री ने समाज के लोगों को योद्धा बताते हुए कहा कि समाज ने जो यह सम्मान की पगड़ी मेरे सिर पर रखी है, यह सम्मान समाज का है और मैं इस सम्मान को कभी कम नहीं होने दूंगा। उन्होंने कहा कि आज डीएससी को उसका अधिकार और सम्मान मिल रहा है। हाल ही में जो लगभग 3,500 भर्तियों की घो–षणा हुई है, उसमें 605 पद डीएससी

समाज के लिए और 604 पद अन्य अनुसूचित जातियों के लिए हैं। यह सामाजिक न्याय की दिशा में एक सशक्त कदम है। उन्होंने कहा कि डीएससी समाज ने काफी संघर्ष किया और आज उस संघर्ष के सुखद परिणाम सामने आए हैं। इससे हमारी आने वाली पीढ़ियां सशक्त और मजबूत होंगी।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत का संविधान, जिसे बाबा साहेब डॉ. भीमराव अंबेडकर ने राष्ट्र को प्रदान किया, आज हमारे लोकतंत्र की मूल आत्मा है। इस पवित्र संविधान के कारण ही देश को एक लोकतांत्रिक व्यवस्था मिली, जिसमें राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद और न्यायपालिका मजबूती से कार्य कर रहे हैं। संसद के भीतर अध्यक्ष भी इसी संविधान की देन है, लेकिन दुर्भाग्यवश, कांग्रेस पार्टी ने डॉ. अंबेडकर को कभी सम्मान नहीं दिया और आज भी कांग्रेस पार्टी जब राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, संसद या न्यायपालिका पर टिप्पणियां करती है तो यह सिर्फ इनका नहीं, बल्कि स्वयं डॉ. भीमराव अंबेडकर और उनके बनाए संविधान का अपमान है। नायब सिंह सैनी ने कहा कि चुनावों के दौरान राहुल गांधी पवित्र संविधान की प्रति को हाथ में उठाकर घूमते नजर आए। उन्हें कोई बताए कि यह संविधान कोई प्रदर्शन की वस्तु नहीं है, बल्कि यह हमारे लोकतंत्र का मूल स्तंभ है, यह पूजा के योग्य है।

संविधान को हाथ में उठाकर लोगों को डराना या गुमराह करना गलत है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि चुनावों के दौरान कांग्रेस ने लोगों को गुमराह किया कि यदि श्री नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बन गए तो संविधान खत्म हो जाएगा। जबकि सच्चाई तो यह है कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संविधान और अधिक सशक्त हुआ है। आज कोई भी इस संविधान की ओर उंगली उठाने की हिम्मत नहीं कर सकता।

असल में, जो खत्म हो रही है वह कांग्रेस पार्टी है, क्योंकि कांग्रेस की नीतियां विफल रहीं हैं। जिन गरीबों के नाम पर उसने राजनीति की, उन्हें और अधिक गरीब कर दिया। कांग्रेस के कालखंड में अमीरी और गरीबी की खाई बढ़ी, लेकिन बीते 11 वर्षों में श्री नरेंद्र मोदी ने इस खाई को पाटने का कार्य किया है। गरीब के जीवन को सम्मान देने का कार्य लगातार किया जा रहा है, यही संविधान की सच्ची रक्षा है।

प्रधानमंत्री के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने वैश्विक मंच पर आत्मनिर्भर और सशक्त देश के रूप में एक नई पहचान बनाई है। आज भारत तेज़ी से बदल रहा है और देश के 140 करोड़ नागरिक इस परिवर्तन को अपनी आंखों से देख रहे हैं और महसूस भी कर रहे हैं। यही प्रधानमंत्री के नेतृत्व में उभरता हुआ विकसित भारत है।

सामाजिक न्याय, अधिकारिता, अनुसूचित जाति एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण और अंत्योदय (सेवा) मंत्री श्री कृष्ण बेदी ने मुख्यमंत्री श्री नायब सिंह सैनी की सराहना करते हुए कहा कि डीएससी समाज की 60-70 वर्षों की पीड़ा और तड़प को समाप्त कर मुख्यमंत्री ने उन्हें जो अधिकार दिया है, वो ऐतिहासिक और युग परिवर्तनकारी है।

झूठ की बुनियाद पर बनी पंजाब सरकार का अब नहीं कोई जनाधार : सैनी

चंडीगढ़, 07 जून (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने पंजाब सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि पंजाब में जो सरकार चल रही है, वह झूठ की बुनियाद पर बनी थी। इस सरकार ने न तो जनता के कल्याण के लिए कोई सार्थक कार्य किया और न ही उनके पास काम करने की इच्छाशक्ति है। अब पंजाब की जनता इस सच्चाई को समझ चुकी है। मुख्यमंत्री ने आज पंजाब के संगरूर में पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा कि पंजाब सरकार ने चुनाव के समय जो वादे किए थे, उन्हें निभाने में पूरी तरह विफल रही है। दिल्ली के अंदर उनका पर्दाफाश हो गया है, क्योंकि झूठ लंबे समय तक नहीं चलता। पंजाब में भी अब इनका कोई जनाधार नहीं रहा है और पंजाब में होने वाले उपचुनाव में लोग सही दिशा में फैसला करेंगे। पंजाब की जनता समझदार है। उन्होंने लुधियाना उपचुनाव का उल्लेख करते हुए कहा कि यहां के लोगों ने मन बना लिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पंजाब भी गति से आगे बढ़े।मुख्यमंत्री ने कहा कि पंजाब सरकार तो केंद्र सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को लागू नहीं कर रही, जिससे वहां की जनता इन योजनाओं के लाभ से वंचित रह रही है।

सैनी ने पूर्व केंद्रीय मंत्री सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा के निधन पर जताया शोक

चंडीगढ़,। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने आज पंजाब के संगरूर में पूर्व केंद्रीय मंत्री सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा के निवास स्थान पर पहुंचकर उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया और परिवारजनों का ढांढस बंधाया। उन्होंने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि सरदार सुखदेव सिंह ढींडसा का एक लंबा राजनीतिक सफर रहा है। वे विधायक भी रहे, लोकसभा और राज्यसभा के सदस्य भी रहे तथा पंजाब में भी उन्होंने मंत्री के रूप में जनसेवा का दायित्व भी निभाया। वे बड़े कद्दावर नेता थे। उनका जीवन हम सबके लिए प्रेरणा है। मुख्यमंत्री ने वाहेगुरु से दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान देने और परिवार को दुख सहने की शक्ति प्रदान की प्रार्थना की।

हरियाणा के सरकारी अस्पतालों में अब विशेषज्ञ डॉक्टर ऑन–कॉल रहेंगे उपलब्ध : आरती सिंह

चंडीगढ़, 07 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार ने प्रदेश की स्वास्थ्य सेवाओं को और अधिक सुदृढ़ एवं सुलभ बनाने की दिशा में एक और क्रांतिकारी कदम उठाया है। अब प्रदेश के सरकारी अस्पतालों में ऑन–कॉल प्रणाली के तहत विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे, ताकि गंभीर रोगियों को समय पर उपचार मिल सके।

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री आरती सिंह राव ने जानकारी देते हुए बताया कि अब सरकारी अस्पतालों में डॉक्टरों के लिए पीपीपी (पब्लिक प्राइवेट पार्टनरशिप) मॉडल के तहत नो–नोड फार्मूला लागू किया जा रहा है। इस पहल से ग्रामीण एवं दूरद–राज के क्षेत्रों में भी विशेषज्ञ चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध हो सकेंगी। विशेषज्ञ डॉक्टर अस्पतालों में ऑन–कॉल मरीजों को देखेंगे। एनेस्थीसिया, सर्जरी एवं रेडियोलॉजी, स्त्री रोग एवं बाल रोग जैसी सेवाओं के लिए विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह सेवा शुरुआती चरण में पांच जिलों हिसार, जींद, मेवात, सोनीपत और कैथल में उपलब्ध कराई जा रही है। स्वास्थ्य मंत्री ने बताया कि यह एक पायलट प्रोजेक्ट है, जिसे बाद में पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

21 जून को कुरुक्षेत्र बनेगा योग की धरती

चंडीगढ़, 07 जून (एजेंसियां)। हरियाणा सरकार द्वारा 21 जून 2025 को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर कुरुक्षेत्र में राज्यस्तरीय भव्य कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जिसमें योग क्रियाएं कराई जाएंगी। इस समारोह में हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी मुख्य अतिथि होंगे।

हरियाणा योग आयोग के चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने कहा कि प्राचीन परम्परा को निभाते हुए कुरुक्षेत्र के प्रत्येक नागरिक को घर–घर जाकर निमंत्रण दिया जा रहा है, ताकि वे कार्यक्रम में शिरकत कर सकें। फिलहाल 200 से ज्यादा योग साधकों द्वारा शाहबाद, लाडवा और इस्माइलाबाद में घर–घर जाकर पीले चावल देकर लोगों को निमंत्रण दिया जा रहा है।चेयरमैन डा. जयदीप आर्य ने बताया की कुरुक्षेत्र की पावन धरा को 21 जून के बाद योग की पावन धरा के रूप में भी जाना जाएगा। इसके लिए अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस 2025 को लेकर ब्रह्मसरोवर और मेला क्षेत्र में राज्य स्तरीय योग महाकुंभ का आयोजन किया जा रहा है। इस योग महाकुंभ में एक लाख से भी अधिक योग साधकों द्वारा योग की डुबकी लगाई जाएगी। इस महाकुंभ को गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में शामिल करने के प्रयास किए जाएंगे। इस बार कुरुक्षेत्र के एक–एक घर में पहुंच कर लोगों को योग महाकुंभ के लिए निमंत्रण देने के संकल्प को पूरा किया जाएगा।

जल संरक्षण की दिशा में मील का पत्थर बनते सरकारी प्रयास

ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता और संसाधनों की नई मिसाल

कोटपूतली, 07 जून (एजेंसियां)। बहरोड़ श्र प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना एवं मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान के तहत जल संरक्षण, सिंचाई प्रबंधन के लिए हुए कार्यों से ग्रामीण क्षेत्र में जल संरक्षण की परम्परा पल्लवित हो रही है। साथ ही किसानों को बिना लागत के सिंचाई सुविधा का लाभ मिलने से सरकार की किसानों को दुगुनी आमदनी करने का सपना भी साकार हो रहा है।

प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई - 2.0 योजना में जिलेभर में फॉर्म पॉण्ड निर्माण, पोखरों में रिचॉर्ज सॉफ्ट निर्माण एवं तलाई गहरी करने के कार्य से ये परम्परागत जल स्रोत वर्षा जल संरक्षण के बडे स्थल बनकर ग्रामीण क्षेत्र में मानव जीवन, पशु–पक्षी एवं पर्यावरण संरक्षण के लिए भी मददगार साबित हो रहे हैं। मुख्यमंत्री जल स्वावलंबन अभियान में प्रत्येक गांवों में जल स्रोतों का जीर्णोद्धार एवं संरक्षण का कार्य हाथ में लिया गया है जिनमें परम्परागत कुंओं का रखरखाव, तलाई एवं पिट निर्माण, एनीकट, तालाबों के पिचिंग कार्य से जल संरक्षण की क्षमता बडी है। वर्षभर वर्षा का पानी जमा रहने से आसपास वनस्पति की हरितमा पट्टी भी इन क्षेत्रों में विकसित हो रही है। वंदे गंगा जल संरक्षण–जल अभियान के तहत ग्राउंड वॉटर रिचार्ज करने, भू- जल संरक्षण करने, अधिकाधिक वृक्षारोपण हेतु आमजन को जागरूक करने के संबंध में राज्य सरकार द्वारा विभिन्न प्रयास किए जा रहे हैं। इसके तहत प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना के तहत हुए विकास कार्यों एवं जल संरक्षण के स्थलों व ग्रामीण क्षेत्रों में इन आधारभूत संरचनाओं के निर्माण से आये परिवर्तनों को विस्तार से जानने की आवश्यकता है।

सचिव ने जिला कारागृह का निरीक्षण कर दिए निर्देश

धौलपुर, 07 जून (एजेंसियां)। राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण नई दिल्ली, राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जयपुर द्वारा जारी दिशा निर्देशों एवं अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला एवं सेशन न्यायाधीश अरुण कुमार अग्रवाल के निर्देशन में सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश रेखा यादव द्वारा जिला कारागृह धौलपुर का निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने बंदियों को कारागृह में मिलने वाली मूलभूत सुविधाओं जैसे भोजन, आवास, नाश्ता, स्वच्छ पेयजल, चिकित्सीय सुविधाओं व रसोईघर, बैरक इत्यादि का जायजा लिया। उन्होंने कारागृह में प्रत्येक बैरिक में निरूद्ध बंदियों से वार्ता कर उनके प्रकरणों में पैरवी हेतु अधिवक्ता के संबंध में जानकारी लेने पर 1 बंदी द्वारा उसकी ओर से अधिवक्ता न होने का कथन किया गया, जिस पर से उपस्थित एलएडीसी अधिवक्ता एवं जेल अधीक्षक को बंदी की ओर से विधिक सहायता का प्रार्थना पत्र तैयार करवा कर इस प्राधिकरण को भिजवाये जाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने बंदियों से समस्याओं के बारे में विस्तार से चर्चा की।

डूंगरपुर में वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान को लेकर जिला कलेक्टर ने दिए सख्त निर्देश

डूंगरपुर, 07 जून (एजेंसियां)। जिला कलेक्टर अंकित कुमार सिंह ने 'वंदे गंगा जल संरक्षण जन अभियान' को पूरी गंभीरता और तत्परता से लागू करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी विभागों को प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रमों को पूर्ण करने और अधिकतम जनभागीदारी सुनिश्चित करते हुए अभियान को सफल बनाने का आह्वान किया है।

आज डीओआईटी वीसी (वीडियो कॉन्फ्रेंस) कक्ष में ब्लॉक और पंचायत स्तर के अधिकारियों को संबोधित करते हुए जिला कलेक्टर ने कहा कि इस अभियान में जिला स्तर से लेकर ग्राम पंचायत स्तर तक निर्धारित कार्यक्रमों को आयोजित किया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि किए जा रहे कार्यों को पोर्टल पर नियमित रूप से अपडेट किया जाए।

कलेक्टर सिंह ने प्रतिदिन निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार नियुक्त नोडल अधिकारियों को भी पाबंद किया कि वे अपने विभाग के ग्राम पंचायत स्तर तक के अधीनस्थ कर्मचारियों को कार्य संपादन करते हुए जीपीएस के साथ फोटो अपलोड करने के लिए निर्देशित करें। उन्होंने जोर दिया कि प्रभात फेरी, रैलियों और सामूहिक गोष्ठियों के माध्यम से जल संरक्षण के प्रति आमजन को जागरूक किया जाए।

उन्होंने अभियान के तहत पूरे पखवाड़े में सभी विभागों को तत्परता से काम करने और डाटा अपलोड के लिए नोडल अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए।

भजनलाल की एक और भागीरथी पहल साबित होगा 'वंदे गंगा' जल संरक्षण-जन अभियान

जयपुर, 07 जून (एजेंसियां)। जल ही जीवन है। सदियों से जल की उपलब्धता और उपयोग मानव सभ्यता के अस्तित्व और विकास के क्रम से जुड़ा हुआ है। 'जल है तो कल है'- इस कथन का महत्व सबसे अधिक राजस्थानवासी समझते हैं क्योंकि बूंद–बूंद का संचय और संरक्षण यहां की धरोहर भी है और जरूरत भी। मौजूदा समय में राजस्थान की ऐतिहासिक जल संस्कृति की इस विरासत को आगे बढ़ाने का जिम्मा भगीरथ मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने उठाया है। राजस्थान में गंगा दशहरा और विश्व पर्यावरण दिवस (5 जून) पर प्रकृति के दो महत्वपूर्ण तत्वों जल और पेड़ के लिए विशेष अभियान की शुरूआत की गई। जयपुर के रामगढ़ बांध पर मुख्यमंत्री द्वारा श्रमदान के साथ ही पूरे प्रदेश में एक साथ 'वंदे गंगा' जल संरक्षण–जन अभियान का आगाज हुआ। साथ ही, उन्होंने पर्यावरण संरक्षण का संदेश जन–जन तक पहुंचाने और इससे जुड़े कार्यों को आगे बढ़ाने के लिए एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत सिंदूर का पौधा लगाया।

मुख्यमंत्री के विजन से वंदे गंगा जल संरक्षण–जन अभियान के जरिये सभी जिलों में 5 जून से 20 जून तक जल संचय संरचनाओं का निर्माण, जल स्रोतों की सफाई, परंपरागत जलाशयों के पुनरूद्धार के कार्यों की शुरूआत हुई है। वहीं इसे जन–अभियान बनाने के लिए वंदे गंगा कलश यात्रा तथा जलाशय पूजन कार्यक्रम का आयोजन हो रहा है।

इसमें आमजन को जल संरक्षण का महत्व बताकर जागरूक किया जा रहा है। यह अभियान प्रदेश के भूजल स्तर को बढ़ाने में और बारिश में व्यर्थ बहकर जाने वाले पानी के संचय में मददगार साबित होगा। प्रदेश में जल संरक्षण की दिशा में पहले भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गये हैं। कर्मभूमि से मातृभूमि अभियान के माध्यम से चार साल में लगभग 45 हजार जल संरक्षण संरचनाओं का निर्माण करवाने का लक्ष्य रखा गया है।

पर्यावरण संरक्षण और जलवायु परिवर्तन के दुष्प्रभावों को रोकने के लिए भी मुख्यमंत्री श्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार पूरी सक्रियता से अपनी जिम्मेदारी निभा रही है। हरित राजस्थान के सपने को साकार करने के लिए मुख्यमंत्री ने 5 जून को राज्य स्तरीय कार्यक्रम में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर आमजन से पर्यावरण अनुकूल जीवनशैली अपनाने और 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के तहत मानसून में एक पौधा लगाने और उसकी देखभाल करने की अपील की। उन्होंने यह भी बताया कि राज्य सरकार के पहले ग्रीन बजट से प्रदेश स्वच्छ जल, स्वच्छ हवा और स्वच्छ धरा की ओर अग्रसर है।

महंत सुरेंद्र दास का शव आश्रम में ले जाने से रोका, भारी बवाल

आश्रम के निर्माता से दुर्व्यवहार पर श्रद्धालुओं में आक्रोश

मैनपुरी, 07 जून (एजेंसियां)। रामजानकी मंदिर के महंत सुरेंद्र दास के अंतिम संस्कार को लेकर दो पक्ष आमने-सामने आ गए। इस दौरान पथराव से भगदड़ मच गई। पुलिस ने किसी तरह स्थिति नियंत्रित की। मैनपुरी के किशनी क्षेत्र के जटपुरा चौराहे के पास स्थित रामजानकी आश्रम के महंत 80 वर्षीय सुरेंद्र दास का बृहस्पतिवार रात निधन हो गया। उनके शव को आश्रम लाया गया। शव यात्रा को आश्रम में प्रवेश नहीं दिया गया, जिसके बाद अनुयायी आश्रम के गेट पर बैठ गए। 16 घंटे बाद अंतिम संस्कार को लेकर आश्रम के गेट पर बवाल मच गया।

रामजानकी मंदिर के महंत की अंत्येष्टि से पहले दो पक्ष भिड़ गए। दोनों ओर से जमकर लाठी-डंडे चले। इसके बाद पथराव हो गया। पथराव में तीन लोग घायल हुए हैं। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाठियां फटकारते हुए बवालियों को खदेड़ दिया। सीओ और एसडीएम सहित तमाम अधिकारी मौके पर जुटे हुए हैं। अनुयायी महंत के शव को आश्रम में ले जाने पहुंचे, तो आश्रम में ताला लगा मिला और अंदर मौजूद लोगों ने शव को भीतर लाने से मना कर दिया।

इस घटना के बाद, पोस्टमार्टम कराकर लौटे अनुयायी आश्रम के बाहर ही धरने पर बैठ गए।

महंत सुरेंद्र दास का निधन बृहस्पतिवार रात को एक भागवत कथा कार्यक्रम में हुआ था। शुक्रवार सुबह जब उनके अनुयायी शव लेकर रामजानकी मंदिर पहुंचे, तो गेट पर ताला लगा था और अंदर मौजूद लोगों ने शव को प्रवेश नहीं करने दिया। शिष्यों ने तुरंत पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद तहसीलदार मौके पर पहुंचे। महंत के शिष्यों ने आरोप लगाया कि आश्रम और उससे लगी 18 बीघा भूमि पर कब्जे की साजिश के चलते ही महंत ने प्राण त्यागे हैं। उन्होंने यह भी बताया कि बाबा के भेष में औरैया जनपद के अछल्दा थाना क्षेत्र का एक हिस्ट्रीशीटर भी आश्रम में मौजूद है, जिसके खिलाफ कई शिकायतें होने के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं हुई। इन आरोपों के बाद, महंत के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा गया था। पोस्टमार्टम के बाद अनुयायी शव को लेकर फिर से आश्रम पर पहुंचे और उसे बाहर ही रख दिया। सूचना मिलने पर एसडीएम गोपाल शर्मा और सीओ भोगांव सत्यप्रकाश शर्मा भी मौके पर पहुंच गए।

रामजानकी मंदिर के अध्यक्ष तहसीलदार घासीराम ने विवादित जमीन का हवाला देते हुए अंतिम संस्कार आश्रम के अंदर करने से मना कर दिया। एसडीएम ने एक फर्द में मृतक सुरेंद्र दास का नाम होने के कारण उन्हें मंदिर से बाहर, जमीन पर अंत्येष्टि करने की अनुमति दी, लेकिन शिष्य इस पर राजी नहीं हुए।

उनकी मांग थी कि आश्रम के अंदर रह रहे अन्य साधु को पहले बाहर निकाला जाए। इस पर एसडीएम ने तीन दिन का समय मांगा है, लेकिन अनुयायी अपनी मांग पर अड़े रहे और आश्रम के बाहर धरने पर बैठे रहे।

दिवंगत महंत सुरेंद्र दास के अनुयायियों के अनुसार, महंत ने वर्ष 1960 में तपस्वी जीवन अपनाकर इस जर्जर प्राचीन आश्रम में प्रवेश किया था। तभी से उन्होंने इसका संरक्षण शुरू किया और आश्रम का नवनिर्माण कराया था। आश्रम की करीब 18 बीघा भूमि पर लगातार कुछ अराजक तत्वों द्वारा कब्जे की कोशिश की जा रही है।

अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड फ्रॉड प्रकरण

भाजपा ने सूर्यकांत को पार्टी से निकाला

करोड़ों की ठगी में दर्ज है मुकदमा

बरेली, 07 जून (एजेंसियां)। अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड ने लोगों को बड़े-बड़े सपने दिखाकर उनसे करोड़ों रुपये जमा कराए। देने की बारी आई तो कंपनी के निदेशक और एजेंट भाग गए। इस मामले में बदायूं कोतवाली में कंपनी के निदेशक शशिकांत मौर्य, उसके भाई सूर्यकांत व अन्य के खिलाफ दर्ज कराई गई थी। सूर्यकांत भाजपा की बरेली महानगर इकाई का महामंत्री था। अब पार्टी ने उसे निष्कासित कर दिया है।

बरेली में अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड मामले में भाजपा नेता सूर्यकांत मौर्य को पार्टी से बाहर निकाल दिया गया है। उसकी सक्रिय सदस्यता भी खत्म कर दी गई है। सूर्यकांत भाजपा की बरेली महानगर इकाई का महामंत्री था। उसके खिलाफ बदायूं में रिपोर्ट होने और ठगी में लिप्त होने पर भाजपा नेताओं ने उससे किनारा कर लिया। भाजपा नेता की कंपनी अमर ज्योति यूनिवर्स निधि लिमिटेड कंपनी ने 100 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की। कंपनी ने मोटे मुनाफे का झांसा देकर 15 हजार लोगों से निवेश कराया। फिर अपना दफ्तर समेट लिया। इसकी खबर मिलने पर निवेशकों ने निदेशकों के बरेली के कटरा चांद खां मोहल्ला स्थित आवास और बदायूं स्थित दफ्तर पर जमकर हंगामा किया था। इस मामले में बदायूं कोतवाली में कंपनी के निदेशक शशिकांत मौर्य, उसके भाई सूर्यकांत, मैनेजर अमित सिंह, एजेंट सुनील बाबू मौर्य और अन्य के खिलाफ दर्ज कराई गई। शुक्रवार को अधिवक्ताओं की ओर से एक और रिपोर्ट दर्ज कराई गई, जिसमें कंपनी के निदेशकों समेत नौ लोगों को नामजद किया गया है।

मुरादाबाद ट्रेनिंग अकादमी में हुई पासिंग आउट परेड

यूपी पुलिस को मिले 34 नए डिप्टी एसपी

सभी नए पुलिस उपाधीक्षकों को सीएम योगी ने दी बधाई

मुरादाबाद, 07 जून (एजेंसियां)। डॉ. भीमराव आंबेडकर पुलिस अकादमी में पासिंग आउट परेड के साथ 34 प्रशिक्षु डिप्टी एसपी उत्तर प्रदेश पुलिस का हिस्सा बन गए। इनमें 25 पुरुष और नौ महिला अधिकारी शामिल हैं। डीजी ट्रेनिंग तिलोत्तमा वर्मा ने परेड की सलामी ली और एडीजी राजीव सभरवाल ने सभी को शपथ दिलाई। मुरादाबाद में 12 माह के कड़े प्रशिक्षण के बाद तीनों नए कानून पढ़ने वाले 34 डिप्टी एसपी का पहला बैच शुक्रवार सुबह पासिंग आउट परेड के बाद यूपी पुलिस का हिस्सा बन गया। डॉ. बीआर अंबेडकर पुलिस अकादमी के मैदान पर हुई पासिंग आउट परेड की सलामी डीजी ट्रेनिंग तिलोत्तमा वर्मा ने ली। सभी नए पुलिस उपाधीक्षकों ने आज मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मुलाकात की। सीएम योगी ने सभी नए पुलिस उपाधीक्षकों को बधाई दी और पूरी प्रतिबद्धता के साथ अपनी ड्यूटी के निर्वहन का प्रोत्साहन दिया। अकादमी के एडीजी राजीव सभरवाल ने कर्तव्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। 34 डिप्टी एसपी में 25 पुरुष और नौ महिला अधिकारी हैं। यूपी पीसीएस परीक्षा-2023 में उत्तीर्ण 36 डिप्टी एसपी का बैच 20 मई 2024 को पुलिस अकादमी में ट्रेनिंग के लिए भेजा गया था। इनमें से दो अभ्यर्थी बीच में ही ट्रेनिंग छोड़कर चले गए। 34 प्रशिक्षु डिप्टी एसपी की 12 माह तक इंडोर और आउटडोर ट्रेनिंग हुई। फॉरेंसिक साइंस, साइबर अपराध,

डिजिटल साक्ष्य जुटाना, थाना प्रबंधन, भीड़ नियंत्रण, अपराध नियंत्रण समेत विभिन्न विषयों की बारीकियां सिखाई गईं।

शुक्रवार सुबह परेड मैदान में हुई पासिंग आउट परेड का निरीक्षण डीजी ट्रेनिंग तिलोत्तमा वर्मा और एडीजी राजीव सभरवाल किया। परेड कमांडर अवनीश कुमार ने परेड का निरीक्षण कराया। इसके बाद तिरंगा और पुलिस का ध्वज मैदान में लाया गया। डीजी ट्रेनिंग ने परेड की सलामी ली। इसके बाद डीजी ट्रेनिंग ने सर्व-सर्वोत्तम प्रशिक्षु चुने गए सुल्तानपुर के रामनाथपुर निवासी गौरव उपाध्याय, इंडोर टॉपर चुनी गईं महाराजगंज निवासी आकांक्षा गौतम और आउटडोर टॉपर चुने गए गाजियाबाद निवासी अवनीश कुमार सिंह को ट्रॉफी और शील्ड देकर सम्मानित किया। इस दौरान पीटीसी के एडीजी अमित चंद्रा, पीटीएस के एडीजी ए सतीश गणेश, डीआईजी मुनिराज जी, अकादमी के डीआईजी विकास कुमार वैद्य, एसएसपी सतपाल अंतिल समेत अन्य अधिकारी मौजूद थे। डिप्टी एसपी की ट्रेनिंग 20 मई 2024 को शुरू हुई थी। शुरुआत में इन्हें पुराने कानून के बारे में पढ़ाया गया, लेकिन एक जुलाई 2024 से देशभर में तीन नए कानून लागू हो गए थे। इसके बाद इन अफसरों को नए कानूनों के बारे में विस्तार से पढ़ाया गया। तीन नए कानून भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) और भारतीय साक्ष्य अधिनियम (बीएसए) हैं। सभी 34 नए डिप्टी एसपी शनिवार को लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से मिले। 34 नए पुलिस उपाधीक्षकों की तैनाती भी कर दी गई है। अपूर्व पांडेय गोरखपुर, बसंत सिंह कुशीनगर, संकल्प दीप कुशवाह फिरोजाबाद, विनी सिंह देवरिया, प्रतिज्ञा सिंह हमीरपुर, नारायण दत्त मिश्रा बहराइच, मयंक मिश्रा गोंडा, शशि प्रकाश मिश्रा अयोध्या, ऋतिक कपूर रायबरेली, हरे कृष्ण शर्मा हरदोई, अभिमन्यु त्रिपाठी लखीमपुर खीरी, पीयूष कुमार पांडेय बांदा, किशन राजपूत झांसी, गायत्री यादव पीलीभीत, मनोज कुमार गंगवार मुजफ्फरनगर, सुधीर सिंह बलिया, जयंत यादव बस्ती, रोहिनी यादव सिद्धार्थ नगर, प्रभा पटेल शामली, आकृति पटेल शाहजहांपुर, अभय कुमार वर्मा इटावा, अभिषेक कुमार सीतापुर, अनुभव राजर्षि गाजीपुर, आकांक्षा गौतम चंदौली, शुभम वर्मा जौनपुर, अमित कुमार संतकबीरनगर, देशराज सिंह रामपुर, दीप शिखा झांसी, कुलदीप सिंह यादव बिजनौर, अरुण पाराशर आजमगढ़, अवनीश कुमार सिंह एटा, शशांक श्रीवास्तव बुलंदशहर, गौरव उपाध्याय बदायूं और अपूर्वा पांडेय लखनऊ में तैनात की गई हैं।

बकरीद पर 450 करोड़ से चमका कुर्बानी का बाजार

लखनऊ की दो मंडियों में 40 करोड़ के बकरे बिके

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। ईद उल अजहा पर मुसलमानों ने 450 करोड़ रुपए कुर्बानी के जानवरों पर खर्च किए हैं। शहर की दुबग्गा और खदरा पुल के नीचे लगी बकरा मंडी में ही बीते छह दिनों में 40 करोड़ रुपए से ज्यादा के बकरों की खरीदारी की गई। इस्लामिक सेंटर ऑफ इंडिया के प्रवक्ता मौलाना सुफियान निजामी बताते हैं कि वर्ष 2011 की जनगणना के मुताबिक लखनऊ की कुल आबादी करीब 45 लाख है। इसमें 21 फीसदी मुसलमान हैं।

इनकी आबादी करीब 9.50 लाख है। इसमें से 30 फीसदी यानी तीन लाख लोग कुर्बानी के लिए बकरा खरीदते हैं। एक बकरे की औसत कीमत 15 हजार रुपए मान लें तो कारोबार 450 करोड़ तक पहुंच जाता है।

दुबग्गा के बकरा बाजार में तुर्की नस्ल का दुम्बा लाला 1.60 लाख रुपए में बिका। सुल्तानपुर के जय प्रकाश 140 किग्रा के भारी भरकम लाला को लेकर मंडी पहुंचे थे। ईद उल अजहा की मुबारकबाद के साथ शुक्रवार को अमीनाबाद, मौलवीगंज, नक्खास, खदरा, डालीगंज, निशातगंज आदि बाजारों में देर रात तक रौनक छाई रही। इन बाजारों में महिलाओं की टोलियां सजने संवरने के लिए चूड़ियां, कंगन, कपड़ों की खरीदारी करती नजर आईं। वहीं, खानपान का स्वाद लेने वाले भी देर रात तक ईद-उल-अजहा की रौनक का लुत्फ लेते रहे।

जैन समाज ने 200 बकरे खरीद कर उनकी जान बचाई

बागपत, 07 जून (एजेंसियां)। बकरीद पर अलग-अलग जगह पर कुर्बानी के लिए लाए गए 200 बकरों को जैन समाज के लोगों ने अधिक दाम पर खरीदकर जीवनदान दिया। उनको कस्बे में जीव दया संस्था की बकराशाला में रखवाया गया। साथ ही जैन समाज के लोगों ने बकरों के लिए भरण पोषण के लिए चंदा भी दिया।

अमीनगर सराय में जैन समाज के लोगों ने जीव दया संस्था बनाकर बकराशाला वर्ष 2016 में शुरू कराई थी। जहां बकरों को लोग छोड़ सकते हैं, जिससे उनकी देखभाल की जा सके। बकरीद पर्व पर कुर्बानी के लिए बागपत व आसपास के जिलों में लाए गए 200 बकरों को जैन समाज के लोगों ने बाजार से अधिक दाम देकर खरीद लिया। जिस पर जैन समाज के लोगों ने 20 लाख रुपए से अधिक खर्च किए।

जीव दया संस्थान के अध्यक्ष मनोज जैन, संरक्षक सत्यभूषण जैन, महामंत्री मनोज जैन ने बताया कि हर साल ईद से पहले देशभर में रहने वाले जैन समाज के लोग अलग-अलग जगहों से बकरे खरीदकर कुर्बानी से बचाते हैं। कुर्बानी से बचाए गए सभी बकरों को बकराशाला में रखवा दिया गया है। उनके अनुसार बकराशाला में अब 800 से अधिक बकरे हो गए हैं। बकराशाला के संचालक सौरव जैन, मयंक जैन, दिनेश जैन ने बताया कि बकराशाला में लाए गए सभी बकरों की गर्दन पर कुर्बानी से पहले बांधा जाने वाला लाल धागा भी था, जिनकी खरीद होने के बाद ईद के दिन कुर्बानी दी जानी थी। कुर्बानी से बचाकर बकरों को बकराशाला लाया गया। बताया कि दिल्ली से भी समाज के लोग 101 बकरों की जान बचाकर कस्बे में लेकर आए हैं। यहां बकरों की देखभाल की जा रही है।

यूपी के 3.18 लाख अभ्यर्थी देंगे अग्निवीर की परीक्षा

लखनऊ, 07 जून (एजेंसियां)। भारतीय सेना में भर्ती के लिए 30 जून से 10 जुलाई तक सामान्य प्रवेश परीक्षा का आयोजन किया जाएगा। प्रवेश पत्र 16 जून से डाउनलोड किए जा सकेंगे। भारतीय सेना में अग्निवीर, जूनियर कमीशंड ऑफीसर (जेसीओ) समेत जवानों की भर्ती के लिए ऑनलाइन संयुक्त प्रवेश परीक्षा (सीईई) 30 जून से 10 जुलाई तक निर्धारित केंद्रों पर आयोजित की जाएगी। इस परीक्षा में उत्तर प्रदेश से 3.18 लाख से अधिक अभ्यर्थियों ने आवेदन किया है।

परीक्षा के लिए प्रवेश पत्र 16 जून से वेबसाइट से डाउनलोड किए जा सकेंगे। ऑनलाइन सीईई में अग्निवीर जनरल ड्यूटी, अग्निवीर तकनीकी, अग्निवीर क्लर्क, स्टोरकीपर तकनीकी के लिए 12 मार्च से 10 अप्रैल तक भारतीय सेना की वेबसाइट पर आवेदन मांगे गए थे। आवेदनों की बढ़ती संख्या को देखकर आवेदन करने की तिथि 25 अप्रैल तक बढ़ा दी गई थी।

यूपी के फार्मा सेक्टर में 12,000 करोड़ का निवेश होगा

अहमदाबाद में हुए एमओयू पर हस्ताक्षर

लखनऊ/अहमदाबाद, 07 जून (एजेंसियां)। अहमदाबाद में यूपीसीडा ने फार्मा रोड शो का सफल आयोजन किया। इसमें योगी सरकार की फार्मा नीति का असर दिखा और कई बड़े फार्मा उद्यगपतियों ने करोड़ों के निवेश समझौते (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश फार्मास्यूटिकल निवेश के लिए देश का सबसे आकर्षक गंतव्य बन रहा है। उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) ने शुक्रवार को अहमदाबाद में उत्तर प्रदेश में फार्मास्यूटिकल सेक्टर में निवेश की संभावनाएं विषय पर एक भव्य रोड शो का आयोजन किया। इस रोड शो का उद्देश्य गुजरात के फार्मा उद्योगपतियों को उत्तर प्रदेश के निवेश अवसरों से अवगत कराना और उन्हें 1 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के संकल्प में भागीदार बनाना था। इस आयोजन में फार्मा और हेल्थकेयर क्षेत्र की प्रमुख कंपनियों के साथ कई अहम निवेश समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए, जो राज्य की औद्योगिक प्रगति को नई गति देंगे।

यूपीसीडा द्वारा ललितपुर में 1,472.33 एकड़ क्षेत्र में बल्क ड्रग फार्मा पार्क विकसित किया जा रहा है, जिसमें 250 करोड़ का प्रारंभिक निवेश प्रस्तावित है। इस परियोजना से लगभग 12000 करोड़ का कुल निवेश और 14000 प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रोजगार सृजन की संभावना है। यह पार्क भारत को विश्व की फार्मेसी बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी ने कहा, योगी सरकार की निवेशक-अनुकूल नीतियों और उन्नत अधोसंरचना के साथ उत्तर प्रदेश फार्मा उद्योग के लिए एक आदर्श केंद्र बन रहा है। मुख्यमंत्री के सलाहकार डॉ. जीएन सिंह ने कहा, योगी सरकार ने फार्मा सेक्टर को सशक्त बनाने के लिए कई नीतिगत सुधार किए हैं, जिससे उत्तर प्रदेश निवेशकों के लिए सबसे उपयुक्त राज्य बन गया है।

रोड शो के दौरान कई प्रमुख फार्मा कंपनियों ने उत्तर प्रदेश में निवेश के लिए समझौते किए। सीएसएल लाइफसाइंसेज प्रालि ने 200 करोड़ के निवेश से आईवी बोतल और ओएसडी प्लांट स्थापित करने का प्रस्ताव दिया, जिससे 250 से अधिक रोजगार सृजित होंगे। मेडीहेल्थ डायग्नोस्टिक प्रालि ने ललितपुर में 4200 वर्ग मीटर क्षेत्र में हेल्थकेयर यूनिट स्थापित करने की घोषणा की। गैमन इरैडिएशन ने 35 करोड़ के निवेश से स्किन ट्रीटमेंट और इरैडिएशन यूनिट की स्थापना का निर्णय लिया, जिससे 150 लोगों को रोजगार मिलेगा। ओबमेड फार्मा ने भी 200 करोड़ के निवेश से फार्मुलेशन यूनिट स्थापित करने का वादा किया, जिससे 100 लोगों को रोजगार प्राप्त होगा।

यूपीसीडा की सिंगल विंडो व्यवस्था के तहत निवेशकों को त्वरित स्वीकृतियां, भूमि आवंटन और विश्वस्तरीय अधोसंरचना प्रदान की जा रही है। रोड शो में प्रदर्शित लघु फिल्म में राज्य की औद्योगिक प्रगति और निवेशक-अनुकूल माहौल को प्रभावी ढंग से दर्शाया गया। रोड शो में आयोजित बी2जी (बिजनेस टू गवर्नमेंट) बैठकों में उद्योग प्रतिनिधियों और सरकारी अधिकारियों के बीच निवेश से संबंधित विस्तृत चर्चा हुई। ओपन हाउस सत्र में निवेशकों ने अपनी जिज्ञासाओं का समाधान प्राप्त किया। शाल्बी लिमिटेड के अध्यक्ष शनय शाह ने यूपीसीडा और सीआईआई के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि यह सहयोग सतत आर्थिक विकास के लिए महत्वपूर्ण है।

सहारनपुर के गांव में हुई अपाचे हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग

सहारनपुर, 07 जून (एजेंसियां)। वायुसेना के अपाचे हेलीकॉप्टर में तकनीकी खराबी आने के कारण उसे यमुना नदी के किनारे के गांव जोधेबांस में आपात लैंडिंग करानी पड़ी। सरसावा वायुसेना स्टेशन से आए इंजीनियरों ने तकनीकी खराबी दूर की। सरसावा वायुसेना सेंटर से अपाचे हेलीकॉप्टर रुटीन उड़ान पर था। दो पायलट उसे संचालित कर रहे थे।

तकनीकी खराबी के कारण यमुना नदी के किनारे सुरक्षित लैंडिंग करा दी गई। इंजीनियरों ने आकर हेलीकॉप्टर को दुरुस्त किया। शुक्रवार पूर्वाह्न करीब 11 बजे सरसावा वायुसेना सेंटर से अपाचे हेलीकॉप्टर अपनी रुटीन उड़ान पर था। हेलीकॉप्टर के दो पायलट उसे संचालित कर रहे थे। इसी दौरान विमान में तकनीकी खराबी आ गई। इस कारण पायलटों ने विमान की यमुना नदी के किनारे गांव जोधेबांस के जंगल में सुरक्षित लैंडिंग करा दी। गांव में हेलीकॉप्टर उतरने की सूचना पर आसपास के लोग एकत्र हो गए। पायलटों ने हेलीकॉप्टर में आई खराबी की सूचना सरसावा एयरफोर्स स्टेशन को दी, जहां से इंजीनियरों की टीम दूसरे हेलीकॉप्टर से घटनास्थल पर उतरी। इंजीनियरों की एक अन्य टीम कुछ देर बाद मौके पर पहुंची। हेलीकॉप्टर उतरने की सूचना पर थाना चिलकाना पुलिस और सीओ सदर एएसपी मनोज कुमार यादव मौके पर पहुंचे तथा लोगों की भीड़ को नियंत्रित किया। शाम करीब 4.20 पर हेलीकॉप्टर सुरक्षित सरसावा वायुसेना स्टेशन के लिए रवाना हो गया।

सरकार बनाएगी विदेशी दिग्गज फर्मों को टक्कर देने वाली कंपनी

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

केंद सरकार भी दुनिया की चार दिग्गज परामर्श एवं ऑडिट कंपनियों को टक्कर देने वाली कंपनी बनाने की योजना बना रहा है। कंपनी मामलों के मंत्रालय की सचिव दीप्ति गौर मुखर्जी की अध्यक्षता में एक समिति ऐसी देसी कंपनी बनाने के लिए जरूरी कदमों पर विचार करेगी।

भारत की कंपनी बनने से विदेशी परामर्श कंपनियों पर निर्भरता हो जाएगी कम

यह समिति जरूरत पड़ने पर नीतिगत उपाय भी सुझाएगी। इस सिलसिले में हाल ही में पहली बैठक प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) में हुई थी। प्रधानमंत्री के प्रमुख सलाहकार शक्तिकांत दास की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में आर्थिक मामलों के विभाग के सचिव अजय सेठ, वित्तीय सेवा विभाग के सचिव एम नागराज, राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव और गौर मुखर्जी समेत शीर्ष सरकारी अधिकारी शामिल हुए थे। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य संजीव सान्याल ने इन शीर्ष अधिकारियों के समक्ष वैश्विक स्तर की एक ऐसी भारतीय कंपनी तैयार करने का खाका पेश किया। सूत्रों ने कहा कि इस बैठक से पहले भारतीय सनदी लेखाकार संस्थान (आईसीएआई) ने भी इस विषय पर अपनी सलाह कंपनी मामलों के मंत्रालय के अधिकारियों को दी थी। चार बड़ी कंपनियों डेलॉयट, पीडब्ल्यूसी, ईवाई और केपीएमजी को विभिन्न सरकारी मंत्रालयों एवं विभागों से काफी काम मिलता है। अब सरकार चाहती है कि ऐसी कंपनियों पर निर्भरता कम कर देश में ही एक कंपनी तैयार की जाए, जो ये काम कर सके।

ग्रांट थॉर्नटन भारत, बीडीओ इंडिया दो बड़े नाम हैं, जो परामर्श सेवा देने वाली छह बड़ी कंपनियों में शामिल हैं। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने पिछले साल जून में कहा था कि आईसीएआई को एक भारतीय कंपनी स्थापित करने का जिम्मा चुनौती समझकर लेना चाहिए और वैश्विक कंपनियों एवं सरकारों से ठेका हासिल करना चाहिए।

न्यूज ब्रीफ

इस महीने इंडिगो दे सकती है 50 नए एटीआर विमानों का ऑर्डर, 75 करोड़ डॉलर तक का सौदा संभव

नई दिल्ली । देश की सबसे बड़ी विमानन कंपनी इंडिगो इस महीने पेरिस में आयोजित एयर शो के दौरान 30 से 50 एटीआर 72-600 टर्बोप्रॉप विमानों का ऑर्डर दे सकती है। सूत्रों के मुताबिक एटीआर के साथ सौदा होने पर 1.5 करोड़ डॉलर प्रति विमान के अनुमानित मूल्य पर 45 से 75 करोड़ डॉलर का लेनदेन हो सकता है। इंडिगो के बेड़े में फिलहाल करीब 46 एटीआर 72-600 विमान मौजूद हैं। उसने सरकार की उड़ान योजना के तहत क्षेत्रीय विस्तार रणनीति के तहत 2017 में ऐसे 50 विमानों का ऑर्डर दिया था। उसके बाद चार विमान बेच दिए गए अथवा पट्टे पर दे दिए गए। उस अनुबंध के तहत विमानों की डिलिवरी 2025 की शुरुआत तक पूरी हो गई थी। सूत्रों ने कहा कि इंडिगो और एटीआर के बीच विमानों की एक नई खेप के लिए पिछले साल से ही बातचीत चल रही है। एक सूत्र ने कहा कि सौदे को 50 विमानों से भी बढ़ाया जा सकता है। एटीआर प्रवक्ता ने कहा कि इंडिगो की योजना के बारे में उससे ही पूछना बेहतर रहेगा।

विंडसर ईवी ने 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की

नई दिल्ली। जेएसडब्ल्यू एमजी मोटर इंडिया ने मई 2025 में शानदार प्रदर्शन करते हुए 6,304 यूनिट्स की बिक्री दर्ज की। कंपनी की यह बिक्री पिछले साल के मुकाबले 40 प्रतिशत ज्यादा रही। विंडसर ईवी को लॉन्च के बाद से ही ग्राहकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिल रही है। यह बढ़ोतरी एमजी की मजबूत ईवी पोर्टफोलियो, खासकर विंडसर ईवी और उसके प्रो वेरिएंट्स की बदौलत संभव हो पाई है। हाल ही में लॉन्च हुई विंडसर ईवी प्रो सीरीज ने इस रफ्तार को और तेज किया है। कंपनी ने एसेंस प्रो और एक्सक्लूसिव प्रो जैसे वेरिएंट्स उतारे हैं, जो 52.9 केडब्ल्यूएच की बैटरी से लैस हैं और एक बार चार्ज करने पर 449 किमी तक की प्रमाणित रेंज देती हैं। इनमें लेवल 2 अडास, व्हीकल-टू-व्हीकल (वी2वी) और व्हीकल-टू-लोड (वी2एल) जैसे फीचर्स भी दिए गए हैं, जिससे ये कारें सुरक्षा और तकनीक के मामले में काफी आगे हैं। एमजी ने ग्राहकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए बैट्री-एस-ए-स्र्विस (बीएएएस) मॉडल भी पेश किया है, जिसमें ग्राहक बैटरी खरीदने की बजाय किराये पर ले सकते हैं। इससे वाहन की शुरुआती कीमत घटती है और ज्यादा लोगों तक ईवी पहुंच बनती है। कंपनी आने वाले महीनों में तीन नए इलेक्ट्रिक व्हीकल—सायबस्टेर, एम9 एमपीवी और माजेस्टेर एसयूवी लॉन्च करने की योजना में है। एमजी की लगातार बढ़ती बिक्री दर्शाती है कि अब ग्राहक सिर्फ ब्रांड नहीं, बल्कि तकनीक, रेंज और वैल्यू को प्राथमिकता दे रहे हैं।

भारत में 11 वर्षों में 269 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी से निकले बाहर : विश्व बैंक

नई दिल्ली, 7 जून। विश्व बैंक के लेटेस्ट आंकड़ों के अनुसार, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दूरदर्शी सरकार के तहत एक महत्वपूर्ण उपलब्धि के रूप में भारत ने पिछले दशक में अपनी अत्यधिक गरीबी दर को कम करने में प्रगति की है। देश में अत्यधिक गरीबी दर 2011-12 में 27.1 प्रतिशत से घटकर 2022-23 में 5.3 प्रतिशत दर्ज की गई है।

भारत में 2011-12 के दौरान कुल 344.47 मिलियन लोग अत्यधिक गरीबी में रह रहे थे, जो कि 2022-23 के दौरान घटकर लगभग 75.24 मिलियन लोग रह गए हैं।

विश्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, भारत में एक महत्वपूर्ण प्रगति के रूप में लगभग 11 वर्षों में 269 मिलियन व्यक्तियों को अत्यधिक गरीबी से बाहर निकाला गया।

उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, बिहार, पश्चिम बंगाल और मध्य प्रदेश पांच राज्यों में 2011-12 के दौरान भारत के 65 प्रतिशत अत्यंत गरीब लोग रहते थे। वहीं, इन राज्यों ने 2022-23 तक अत्यधिक गरीबी में होने वाली कुल गिरावट में दो-तिहाई योगदान दिया।

इलेक्ट्रिक एसयूवी वीएफ 6 और 7 की टेस्टिंग शुरू

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

इलेक्ट्रिक एसयूवी निर्माता कंपनी विनफास्ट ने अपनी ऑल-इलेक्ट्रिक कॉम्पैक्ट एसयूवी वीएफ6-7 की भारत में टेस्टिंग शुरू कर दी है। विनफास्ट की मुंबई समेत कई बड़े शहरों में टेस्टिंग जारी है, जिसमें कंपनी अपने वीएफ6 और वीएफ7 मॉडल की सार्वजनिक चार्जिंग नेटवर्क के साथ अनुकूलता और रियल-रंग रेंज का आकलन कर रही है। इसका मकसद यह समझना है कि ये वाहन भारत के विभिन्न इलाकों में उपलब्ध चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ कितना अच्छा तालमेल बिठा पाते हैं। विनफास्ट की योजना है कि वे इस साल के फेस्टिव सीजन में भारत में अपने इलेक्ट्रिक एसयूवीएस को लॉन्च करें।

कंपनी ने भारत में अपनी सहायक कंपनी वी-ग्रीन चार्जिंग समाधान लाने की भी घोषणा की है, जो 60केडब्ल्यू से लेकर 300केडब्ल्यू तक की क्षमता वाले डीसी फास्ट चार्जर उपलब्ध कराएगी। इसके अलावा, विनफास्ट ने टाटा पावर जैसे स्थानीय चार्जिंग पार्टनर के साथ भी सहयोग किया है, ताकि चार्जिंग नेटवर्क को मजबूत बनाया जा सके और ग्राहकों को बेहतर सुविधा मिले। विनफास्ट की एसयूवीएस भारत के लिए विशेष रूप से अनुकूलित होंगी और कंपनी 5-स्टार भारत एनकैप सुरक्षा रेटिंग के लिए भी काम कर रही है। वीएफ6 और वीएफ7 दोनों ही 5-सीटर इलेक्ट्रिक एसयूवीएस हैं, जिनमें 75.3 केडब्ल्यूएच की बैटरी लगी है। वीएफ7 में सिंगल मोटर वाला फ्रंट-व्हील ड्राइव 201 बीएचपी की पावर और 310 एनएम का टॉर्क देता है, जबकि डुअल मोटर वाला ऑल-व्हील ड्राइव वैरिएंट 348 बीएचपी पावर और 500 एनएम टॉर्क के साथ आता है। दोनों मॉडलों की रेंज लगभग 431 से 450 किलोमीटर के बीच है। कारें 35 मिनट में डीसी फास्ट चार्जर से 10 से 70 प्रतिशत तक चार्ज हो सकती हैं। विनफास्ट ने भारतीय बाजार के लिए विशेष फीचर्स जैसे लेवल 2 अडास, एडजस्टेबल सीटें, और बड़े इंफोटेनमेंट डिस्प्ले दिए हैं।

चीन में इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 लॉन्च

नई दिल्ली । चाइनीज कंपनी हुवावे ने अपने नए लग्जरी इलेक्ट्रिक सेडान मैक्सट्रो एस 800 को लॉन्च किया है, जिसकी कीमत लगभग 1.20 करोड़ रुपये यानी एक मिलियन युआन से अधिक है। यह कार शेन्जेन में पिछले सप्ताह पेश की गई और इसे मर्सिडीज-बेंज ईक्यूएस, रोल्स-रॉयस स्पेक्ट्रे और बेंटले जैसी अल्ट्रा-लक्जरी कारों के मुकाबले उतारा गया है। मैक्सट्रो एस 800 का डिजाइन मर्सिडीज-मेबैक की लक्जरी वाइब देता है, जिसमें फ्रंट पर स्लीक एलईडी हेडलैम्प और सिल्वर जाली लगी है। इसके बड़े मल्टी-स्पोक पहिये, क्रोम ट्रिम्स, फ्लश फिटिंग डोर हैंडल और कूपरूफलाइन इसे आकर्षक बनाते हैं। कार के विंडशील्ड पर लिडार पैनल भी मौजूद है, जो एडवांस्ड ड्राइवर असिस्टेंस सिस्टम (अडास) का हिस्सा है। इंटीरियर की बात करें तो केबिन में क्रिस्टल शिमर सीलिंग है, जिसे रोल्स-रॉयस ने भी इस्तेमाल किया है, जिससे छत तारों भरे आसमान जैसी लगती है। तीन स्क्रीन वाला डैशबोर्ड और 32 से अधिक अडास सेंसर इस कार को तकनीकी रूप से अत्याधुनिक बनाते हैं। हुवावे ने पहले भी सेरेस ग्रुप के साथ ऑटोमोटिव सेक्टर में कदम रखा है और अब मैक्ट्रो एस 800 के साथ लग्जरी कार बाजार में अपनी पकड़ मजबूत करना चाहता है। यह मॉडल 838 बीएचपी की पीक पावर देने में सक्षम है और कई पावरट्रेन विकल्पों में उपलब्ध होगा। इस लॉन्च के साथ हुवावे इलेक्ट्रिक लग्जरी कारों के क्षेत्र में मर्सिडीज, रोल्स-रॉयस और बेंटले जैसे ब्रांडों को कड़ी टक्कर देने की तैयारी में है। बता दें कि चाइनीज कंज्यूमर इलेक्ट्रॉनिक्स कंपनियां अब तेजी से इलेक्ट्रिक फोर-व्हीलर बाजार में कदम रख रही हैं और इस रेस में हुवावे ने भी अपनी एंट्री कर ली है।

टू-व्हीलर बिक्री में हीरो ने होंडा को पीछे छोड़ा

HONDA Hero

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

दो पहिया वाहन निर्माता कंपनी हीरो ने होंडा को मासिक और वार्षिक दोनों आधार पर पीछे छोड़ दिया है। जारी आंकड़ों के मुताबिक, मई 2025 में टू-व्हीलर सेगमेंट में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। मई में हीरो ने 4,88,997 वाहन बेचे, जो अप्रैल 2025 में उसके 2,88,254 से लगभग 70प्रतिशत की मासिक वृद्धि दर्शाता है। वहीं, होंडा की बिक्री मई में 4,17,256 रही, जो अप्रैल के 4,22,931 की तुलना में करीब 1.34प्रतिशत की गिरावट है। सालाना आधार पर होंडा को मई 2024 की तुलना में 7.4प्रतिशत की गिरावट का सामना करना पड़ा। टॉप टू-व्हीलर ब्रांडों की बात करें तो टीवीएस ने मई 2025 में 3,09,287 बाइकें बेचीं, जो पिछले साल की तुलना में 14प्रतिशत की बढ़ोतरी है, जबकि बजाज की बिक्री में मामूली वृद्धि के साथ 1.63प्रतिशत की वार्षिक ग्रोथ दर्ज की गई। सुजुकी ने भी 17प्रतिशत से अधिक की बढ़ोतरी के साथ 1,07,780 इकाइयां बेचीं। वहीं, रॉयल एनफील्ड ने सबसे बड़ी सालाना ग्रोथ दिखाई, जिसकी बिक्री मई 2025 में 75,820 रही, जो पिछले साल की 63,531 से 19.34प्रतिशत अधिक है। मासिक आधार पर देखें तो बजाज और सुजुकी ने क्रमश: 1.48प्रतिशत और 13.2 प्रतिशत की ग्रोथ हासिल की, जबकि टीवीएस और रॉयल एनफील्ड की बिक्री में थोड़ी गिरावट देखी गई। यह आंकड़े दर्शाते हैं कि भारतीय टू-व्हीलर बाजार में प्रतिस्पर्धा तेज होती जा रही है, जहां हीरो ने अपनी पकड़ मजबूत करते हुए होंडा को चुनौती दी है।

मुकेश अंबानी ने आईसीटी को 151 करोड़ अनुदान देने की घोषणा की

मुंबई। देश के जाने-माने उद्योगपति मुकेश अंबानी ने मुंबई के इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी (आईसीटी) को 151 करोड़ रुपये का बड़ा दान देने की घोषणा की। ये दान उन्होंने अपने पुराने शिक्षक प्रोफेसर एमएम शर्मा को श्रद्धांजलि देने के लिए दिया। यहीं से उन्होंने 1970 के दशक में स्नातक की पढ़ाई की थी। मुकेश अंबानी ने 1970 के दशक में यहीं से की थी स्नातक की पढ़ाई हाल ही में आईसीटी के वरिष्ठ और सम्मानित प्रोफेसर एमएम शर्मा की जीवनी डिवाइन साइंटिस्ट के विमोचन समारोह में मुकेश अंबानी ने कहा कि प्रोफेसर शर्मा और जेबी जोशी मेरे प्रोफेसर थे। अन्य संस्कृतियों में गुरु केवल शिक्षक होता है, लेकिन भारतीय संस्कृति में गुरु ही ब्रह्मा हैं, गुरु ही विष्णु हैं, गुरु ही महेश्वर हैं...मुकेश अंबानी ने कहा, 70 के दशक के मध्य में जब मैं एक छात्र के रूप में यहां आया था, तब यह इंस्टीट्यूट ऑफ केमिकल टेक्नोलॉजी नहीं था।

ऑटोमोबाइल सेक्टर में फिर से देखी जा रही तेजी

देश की अर्थव्यवस्था में सुधार और लोगों की आय बढ़ने के कारण ऑटोमोबाइल सेक्टर में फिर से तेजी देखने को मिल रही है। खासकर दोपहिया वाहन ट्रैक्टर और कमर्शियल वाहनों की मांग बढ़ रही है। साथ ही इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) का बाजार भी तेजी से बढ़ रहा है। हाल ही में एक्सिस सिक्योरिटीज ने इस सेक्टर की तिमाही रिपोर्ट जारी की है, जिसमें उन्होंने कुछ मजबूत कंपनियों को चुना है। ये कंपनियां न केवल अच्छा मुनाफा कमा रही हैं, बल्कि आने वाले समय में नए प्रोडक्ट्स और बेहतर सेवाओं से और बढ़ने की संभावना रखती हैं। रिपोर्ट में एक्सिस सिक्योरिटीज ने हीरो मोटोकार्प, अशोक लीलेंड, ओर स्टील इंजीनियरिंग को खरीदने की सलाह दी है। इनके लिए टारगेट प्राइस भी दिए गए हैं, जो निवेशकों के लिए अच्छा मौका साबित हो सकते हैं।

पाकिस्तान अंदर से खोखला, वर्ल्ड बैंक की रिपोर्ट से खुलासा, लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति और भी बिगड़ गई है, जैसा कि वर्ल्ड बैंक की हाली हालिया रिपोर्ट में खुलासा हुआ है। इस रिपोर्ट के अनुसार लगभग 44.7 फीसदी पाकिस्तानी आबादी अब गरीबी रेखा के नीचे जीवन बिता रही है, जो कि चिंताजनक है। विशेषज्ञों का मानना है कि यह स्थिति सिर्फ शहबाज शरीफ और सेना प्रमुख आमिस मुनीर की असफलता का ही परिणाम नहीं है, बल्कि पाकिस्तान की स्वाभाविकता को भी दर्शाता है। पाकिस्तान ने आतंकी साजिशों की बढ़ती चपेट में आर्थिक सहायता और अन्य आंकड़ों पर निर्भर होने की स्थिति में विकास के मामले में पीछे हो जाना है।

अंतरराष्ट्रीय कर्ज और राहत पैकेजों पर निर्भर रहने वाले पाकिस्तान की आज भी प्राथमिकता देश का विकास नहीं बल्कि आतंकवाद को पालने-पोसने की है। चाहे आईएमएफ हो या फिर चीन जैसे मित्र देश, हर जगह से पाकिस्तान को भर-भरकर अरबों डॉलर का कर्ज़ मिल रहा है। इसके बावजूद वहां आवाम के जीवन स्तर में कोई ठोस सुधार नहीं आ पाया है। पाकिस्तान की आधी से ज्यादा आबादी अब रोजाना 1200 रुपये से भी कम पर गुजारा कर रही है, जो इस बात को साफ करता है कि सत्ताधारी वर्ग की योजनाएं जमीनी सच्चाई से कोसों दूर हैं। विकास के बजाय पाकिस्तान की सबसे बड़ी चिंता आज भी उसकी सेना और आतंकवाद को समर्थन देना है। हालिया वर्षों में पाकिस्तान ने सेना के बजट में लगातार इजाफा किया है। इतना ही नहीं वहां शिक्षा और स्वास्थ्य जैसे क्षेत्रों को नजरअंदाज कर दिया गया है। इस वर्ष भी पाकिस्तान की सेना को बजट में भर-भरकर पैसा दिया गया है, जबकि देश में 39.8 मिलियन लोग चरम गरीबी की मार झेल रहे हैं।

भारत की अर्थव्यवस्था में तेजी से उभर रहा स्टील सेक्टर, वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)।

टाटा स्टील के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने शेयरधारकों को एक पत्र लिखकर बताया कि भारत दुनिया की सबसे तेजी से उभर रही अर्थव्यवस्था का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने जनसंख्या संरचना, ढांचागत सुधार, कम महंगाई और सरकारी छूटों के चलते देश की आर्थिक स्थिति की प्रशंसा की। चंद्रशेखरन ने बताया कि वित्त वर्ष 2024-25 में वैश्विक स्टील उत्पादन स्थिर रहा, जबकि भारत में स्टील का उत्पादन और खपत में वृद्धि हुई है।

टाटा स्टील ने भी देश में अपनी प्रबल प्रतिष्ठा बनाई है। कंपनी ने देशभर में योगदान देते हुए अपनी स्थिरता और विश्वसनीयता साबित की है। उन्होंने बताया कि टाटा स्टील ने सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया और भी कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं का समर्थन किया है। कंपनी ने ओडिशा में भारत का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जिससे उनके पूर्वानुमान के अनुसार स्टील उत्पादन में वृद्धि होगी। इसके साथ ही, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी अच्छे प्रदर्शन किया है।

टाटा स्टील ने भारत में शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने देशभर में अपनी फैक्ट्रियों को लगभग पूरी क्षमता पर चलाया और अब तक का सबसे ज्यादा कच्चा इस्पात उत्पादन किया, जो 21.7 मिलियन टन रहा।

इस दौरान 20.9 मिलियन टन स्टील की डिलीवरी भी की गई। कंपनी ने ओडिशा के कलिंगनगर में देश का सबसे बड़ा ब्लास्ट फर्नेस शुरू किया है, जो 27,000 करोड़ की फेज-2 विस्तार योजना का हिस्सा है। इसके अलावा, नीलाचल इस्पात निगम लिमिटेड ने भी शानदार प्रदर्शन किया है। कंपनी ने 1,000 करोड़ का एबिटा दर्ज किया और सकारात्मक फ्री कैश फ्लो भी हासिल किया।

कॉम्पैक्ट एसयूवी की तेजी से बढ़ रही है डिमांड

नई दिल्ली । भारतीय बाजार में कॉम्पैक्ट एसयूवी की डिमांड तेजी से बढ़ रही है। यही वजह है कि टाटा मोटर्स, हुंडई, महिंद्रा, मारुति और रेनॉल्ट जैसी बड़ी कार कंपनियां इस सेगमेंट में नए मॉडल लॉन्च करने जा रही हैं। इन अपकमिंग वाहनों को कई बार रोड टेस्टिंग के दौरान भी देखा जा चुका है। मारुति अपनी लोकप्रिय फ्रोंक्स एसयूवी का अपडेटेड हाइब्रिड वर्जन लेकर आ रही है, जिसमें बेहतर माइलेज देने वाला हाइब्रिड पावरट्रेन दिया जाएगा। हुंडई अपनी बेस्टसेलर वेन्यू का फेसलिफ्ट वर्जन 2025 के फेस्टिवल सीजन में पेश कर सकती है, जिसमें डिज़ाइन में बड़ा बदलाव होगा लेकिन इंजन में कोई खास बदलाव नहीं होगा। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 का इलेक्ट्रिक वर्जन भी जल्द लॉन्च होने वाला है, जो एक बार चार्ज करने पर 400 से 450 किलोमीटर की ड्राइविंग रेंज प्रदान करेगा। टाटा की पॉपुलर पंच मॉडल का भी नया फेसलिफ्ट वर्जन जल्द आ रहा है, जिसमें डिजाइन में सुधार होगा लेकिन पावरट्रेन में बदलाव की संभावना नहीं है। वहीं, रेनॉल्ट भी अपनी किगर एसयूवी को अपडेट कर रहा है, जिसमें इंटीरियर और केबिन में खास बदलाव होंगे, लेकिन इंजन में बदलाव की उम्मीद नहीं है। ये सभी नई कॉम्पैक्ट एसयूवी आधुनिक डिजाइन, बेहतर फीचर्स और बढ़ी हुई एफिशिएंसी के साथ भारतीय ग्राहकों को आकर्षित करने के लिए तैयार हैं।

गुकेश मुझे 2008-09 के अपने दौर की याद दिलाते हैं : मैग्नस कार्लसन

नॉर्वे चेस 2025 जीतने के बाद बोले दिग्गज ग्रैंडमास्टर, युवाओं में है दम, लेकिन अभी काफी कुछ सीखना बाकी है

नई दिल्ली, 07 जून (एजेंसियां)। नॉर्वे चेस 2025 का खिताब जीतने के बाद शतरंज के पांच बार के विश्व चैंपियन मैग्नस कार्लसन ने भारतीय ग्रैंडमास्टर डी. गुकेश की जमकर तारीफ की है। कार्लसन ने कहा कि गुकेश की मौजूदा शैली उन्हें खुद की शुरुआती शतरंज यात्रा, खासकर 2008-09 के दौर की याद दिलाती है। कार्लसन ने कहा, गुकेश का खेल मुझे उस समय की याद दिलाता है जब मैं शतरंज में उभर रहा था। मैं भी तब कई बार नियंत्रण खो देता था लेकिन परिणाम निकाल लेता था। वर्ष 2008 के लीनारेस टूर्नामेंट में भी ऐसा ही हुआ था जब आनंद पहले स्थान पर आराम से चल रहे थे और मैं काफी अराजक तरीके से खेलते हुए कुछ ऐसे नतीजे निकाल रहा था जो शायद मेरे शुद्ध कौशल से मेल नहीं खाते थे। कार्लसन ने माना कि युवा खिलाड़ी सही दिशा में आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन उन्हें अभी भी बहुत कुछ सीखने की जरूरत है। उन्होंने कहा, गुकेश और अर्जुन (एरिगैसी) जैसे खिलाड़ी खेल के कई हिस्सों में अभी भी मेरे, फबियानो (कारुआना) और हिकारू (नाकामुरा) जैसे अनुभवी खिलाड़ियों से पीछे हैं, लेकिन यह स्वाभाविक है, क्योंकि हम दुनिया के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी हैं और उनसे हर पहलू में बराबरी की उम्मीद करना जल्दबाज़ी होगी। नॉर्वे चेस में गुकेश ने दिखाया दम इस टूर्नामेंट में डी. गुकेश ने पहली बार क्लासिकल फॉर्मेट में मैग्नस कार्लसन को हराकर इतिहास रच दिया था और आखिरी राउंड तक खिताब की दौड़ में बने हुए थे। हालांकि अंतिम राउंड में फबियानो कारुआना से हार के बाद वह तीसरे स्थान पर रहे। कार्लसन ने गुकेश के प्रदर्शन की सराहना करते हुए कहा, यह बहुत प्रेरणादायक है कि गुकेश इतने खराब पोजिशन में भी मुकाबले में बने रहते हैं और खिताब के लिए चुनौती पेश करते हैं। यह उसी प्रक्रिया का हिस्सा है जिससे हर युवा खिलाड़ी गुजरता है। युवा खिलाड़ियों का भविष्य उवल कार्लसन का मानना है कि डी. गुकेश और अर्जुन जैसे युवा प्रतिभाशाली खिलाड़ी भविष्य में विश्व चैंपियन बनने की क्षमता रखते हैं, बशर्ते वे खेल के हर पहलू में लगातार सुधार करें। गौरतलब है कि गुकेश हाल ही में विश्व चैंपियन बने हैं और अब वो क्लासिकल शतरंज में भी खुद को शीर्ष स्तर पर स्थापित करने की ओर बढ़ रहे हैं।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

भारत जैसा...

राजनीतिक दलों ने विदेशी उपकरणों की खरीद पर सवाल उठाए और मेक इन इंडिया का समर्थन करने की मांग की। भारत के दुश्मन पाकिस्तान से दोस्ती तुर्की को बहुत महंगी पड़ी है। ऑपरेशन सिंदूर के बाद भारतीयों ने तुर्की के उत्पादों का पूर्ण बहिष्कार कर दिया है। देश की एक दर्जन से अधिक बड़ी मंडियों ने तुर्की के सेब सहित सभी फलों का पूर्ण बहिष्कार कर दिया जिससे तुर्की को भारी आर्थिक चोट पहुंची है।पिछले वर्ष तुर्की में करीब 3000 करोड़ खर्च करने वाले भारतीयों में आधे से ज्यादा पर्यटकों ने तुर्की की यात्रा का अपना प्लान कैंसिल कर दिया, जिससे तुर्की को हजारों करोड़ का नुकसान हुआ। इसके अलावा देश की बड़ी शिक्षण संस्थाओं आईआईटी बांबे, जामिया, चंडीगढ़ विश्वविद्यालय और जेएनयू ने तुर्की से अपने अनुबंध तोड़ लिए हैं जिससे वहां के छात्रों का बड़ा नुकसान हुआ है। तुर्की और अजरबैजान जैसे देशों की इकोनॉमी में टूरिज्म का बहुत बड़ा रोल है। इन दोनों के देश की कुल जीडीपी का 10 फीसदी हिस्सा टूरिज्म से ही आता है। अजरबैजान जाने वाले पर्यटकों में 70 प्रतिशत पर्यटक भारत के ही रहते है। भारत-पाक तनाव के बाद भारत के लोगों ने तुर्की और अजरबैजान के बहिष्कार का अभियान छेड़ दिया, जिसका असर तुर्की में दिखना शुरू हो गया है। अब भारत के लोग तुर्की और अजरबैजान न जाकर बैंकाक या अन्य पर्यटन स्थलों पर जाने लगे हैं। देश भर के अलग-अलग हिस्सों से लोगों ने इन देशों में जाने का अपना प्लान कैंसिल कर दिया है। अकेले पूर्वांचल से 15000 पर्यटकों ने इन दोनों देशों का प्लान कैंसिल किया है। ऑल इंडिया टूरिस्ट फेडरेशन के मुताबिक सिर्फ पूर्वांचल से 15000 से ज्यादा पर्यटकों ने अपना प्लान और टिकट कैंसिल करा लिया है। पिछले साल 37500 लोगों ने इन दोनों देशों की यात्रा की थी। बूकिंग कैंसिलेशन की संख्या 25 हजार से 30 हजार के बीच जा सकती है। टैवल कंपनियां भी इसमें लोगों का साथ दे रही है। कॉक्स एन्ड किंग, एसओटीसी और ईज माई ट्रिप जैसी ट्रैवेल कम्पनियां और एयर इंडिया सहित कई एयरलाइन्स कम्पनी लोगों से कोई कैंसिलेशन चार्ज भी नही ले रही हैं। वित्त वर्ष 2023-24 में तुर्की के साथ भारत का व्यापार कुल 10.43 अरब डॉलर था, जिसमें निर्यात कुल 6.65 अरब डॉलर और आयात 3.78 अरब डॉलर रहा है। तुर्की को भारत द्वारा किए जाने वाले निर्यात में मशीनरी, पत्थर, प्लास्टर, लोहे और स्टील, तिलहन, अकार्बनिक रसायन, कीमती पत्थर, ताज़े सेब आदि शामिल थे।इंफोइंडिया के आकड़ों के मुताबिक साल 2024 मे भारत से करीब 2.50 लाख टूरिस्ट ने अजरबैजान की यात्रा की। वहीं तुर्की की बात करें तो करीब 3 लाख टूरिस्ट भारत से तुर्की गए थे। यात्रा के दौरान हर यात्री औसतन करीब 1000 अमेरिकी डॉलर यानी 85,000 रुपए खर्चा किया। इस तरह पाकिस्तान को समर्थन देने वाले इन दो देशों को पिछले साल करीब 469 करोड़ रुपए की आय हुई थी जो इस साल शून्य पर चली गई।

रेयर-अर्थ के...

रेयर अर्थ मैग्नेट की सबसे ज्यादा जरूरत इलेक्ट्रिक वाहनों, मोबाइल और स्वच्छ ऊर्जा के क्षेत्र में होता है। भारत इन मोर्चों पर बहुत मजबूती से कदम बढ़ा रहा है। ऐसे में चीन की तरफ से खड़ी की गई बाधा नई चिंता का विषय बन गई है जिसे दूर करने के तरीके ढूंढ़े जा रहे हैं। दुनिया में 90 फीसदी दुर्लभ पृथ्वी चुम्बक का उत्पादन चीन करता है।

दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के खजाने के लिहाज से 69 लाख टन के साथ भारत दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा देश है। लेकिन इसके उत्पादन में भारत की स्थिति बहुत दयनीय है। अभी सिर्फ एक सरकारी कंपनी इंडियन रेयर अर्थ्स लि. (आईआरईएल) ही दुर्लभ तत्वों का खनन करती है। उसका उत्पादन भी परमाणु ऊर्जा और रक्षा इकाइयों की जरूरतें पूरा करने तक सीमित है। केंद्र ने तय किया है कि निजी कंपनियों को भी उत्पादन के लिए प्रोत्साहित किया जाए। सूत्रों के हवाले से बताया कि सरकार निजी कंपनियों को दुर्लभ पृथ्वी तत्वों के खनन और उसकी प्रोसेसिंग के काम में लगाने के लिए हर तरह से मदद करने को तैयार है। इसके लिए जरूरी मशीनों की विदेशों से आयात को ड्यूटी फ्री करने और प्रॉडक्शन पर इंसेंटिव देने की प्लानिंग है।चीन द्वारा दुर्लभ खनिजों के निर्यात पर रोक लगा देने से ऑटो कंपनियों को झटका लगा है। दुनिया भर की बड़ी ऑटोमोबाइल कंपनियों और उनके पाट्र्स सप्लायर्स को इन दिनों एक नई परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। चीन द्वारा रेयर अर्थ, दुर्लभ खनिजों और मैग्नेट के निर्यात पर रोक लगाने से कुछ कंपनियों को अपने मॉडल्स का उत्पादन तक रोकना पड़ा है। रेयर अर्थ (दुर्लभ पृथ्वी खनिजों) से बने मैग्नेट का इस्तेमाल इलेक्ट्रिक गाड़ियों के मोटर्स, खिड़कियों और ऑडियो स्पीकर्स जैसे कई हिस्सों में किया जाता है। इनकी कमी अब कंपनियों की सप्लाई चेन को गहरा नुकसान पहुंचा रही है। दुर्लभ खनिजों की कमी की वजह से फोर्ड ने मई महीने में एक हफ्ते के लिए अमेरिका के शिकागो प्लांट में अपनी एक्सप्लोरर एसयूवी का उत्पादन रोक दिया। सुजुकी मोटर ने 26 मई से अपनी सबसे पॉपुलर कार स्विफ्ट का उत्पादन अस्थायी रूप से बंद कर दिया। कंपनी ने इसकी वजह पाट्र्स की कमी बताई है और उम्मीद जताई है कि 13 जून से आंशिक तौर पर उत्पादन शुरू कर दिया जाएगा। और 16 जून के बाद पूरी तरह से वापस पटरी पर आ जाएगा। हालांकि यह बंदी सीधे तौर पर चीन की पाबंदियों से जुड़ी हुई है। लेकिन सुजुकी ने इस पर कोई आधिकारिक टिप्पणी नहीं की। यूरोप की ऑटो सप्लायर एसोसिएशन क्लेपा ने 4 जून को बताया कि यूरोप की कई कंपनियों के कारखानों और उत्पादन लाइनों को भी इन खनिजों की कमी के चलते बंद करना पड़ा है।भारत में बजाज ऑटो ने भी चेतावनी दी है कि अगर चीन से दुर्लभ मैग्नेट की सप्लाई में और देरी होती है तो जुलाई तक उनकी इलेक्ट्रिक व्हीकल प्रोडक्शन पर इसका गंभीर असर पड़ सकता है। ऑटो पाट्र्स बनाने वाली कंपनी बॉश ने कहा है कि उनके सप्लायर्स को चीन से एक्सपोर्ट लाइसेंस लेने के लिए ढेर सारे डाक्यूमेंट्स और जानकारी जमा करनी पड़ रही है, जिससे सप्लाई में रुकावट आ रही है। बीएमडब्ल्यू ने भी माना कि उनके कुछ सप्लायर्स इस कमी से प्रभावित हुए हैं। लेकिन कंपनी की अपनी फैक्ट्रियां अभी तक सामान्य रूप से चल रही हैं। भारत की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा कि अभी तक उनके उत्पादन पर कोई असर नहीं पड़ा है। लेकिन सरकार से इस मुद्दे पर बातचीत चल रही है। जर्मनी की ऑटो पाट्र्स सप्लाई करने वाली जेडएफ कंपनी ने कहा कि दुर्लभ खनिजों की कमी का असर उसके कुछ सप्लायर्स पर पड़ा है। हालांकि कंपनी खुद सीधे ये कच्चा माल नहीं खरीदती। इस समय जो स्थिति बनी है, उससे साफ है कि इलेक्ट्रिक वाहनों और उनके कंपोनेंट्स के लिए जरूरी दुर्लभ खनिजों पर चीन की निर्भरता दुनिया की कई ऑटो कंपनियों के लिए एक गंभीर जोखिम बन चुकी है।कार, ड्रोन और रोबोट से लेकर एयरक्राफ्ट के पाट्र्स तक बनाने में इस्तेमाल होने वाले बेशकीमती धातुओं (रेयर अर्थ मेटल) का 90% उत्पादन अकेले चीन करता है। वहीं, इसकी माइनिंग पर चीन की हिस्सेदारी 70% से अधिक है। इससे पता लगाया जा सकता है कि चीन इन धातुओं के बाजार का अकेला मालिक है। चीन ने हाल ही में अमेरिका के साथ बढ़ती ट्रेड वॉर के बीच सात कीमती धातुओं (रेयर अर्थ मेटल) के निर्यात पर रोक लगा दी थी। कारों के प्रोडक्शन में प्रमुखता से इस्तेमाल होने वाले रेयर अर्थ मैग्नेट पर भी चीन ने पाबंदी लगाई हुई है। ये मैग्नेट सेमीकंडक्टर और एयरोस्पेस बिजनेस के लिए भी बेहद अहम हैं।गाड़ियों को बनाने में सबसे ज्यादा मात्रा में स्टील का इस्तेमाल होता है, लेकिन कुछ पाट्र्स को तैयार करने में रेयर अर्थ मेटल का इस्तेमाल किया जाता है। ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री में कुल 7 तरह के रेयर अर्थ मेटल का उपयोग होता है। इनमें समेरियम सबसे ज्यादा चर्चा में है जिसका इस्तेमाल चुंबक बनाने में किया जाता है। इस मेटल से बने चुंबक हाई टेम्प्रेचर पर भी अपनी ताकत नहीं खोते। इससे बने चुंबकों का इस्तेमाल मिसाइल गाइडेड सिस्टम, टर्बाइन, इलेक्ट्रिक मोटर में किया जाता है। समेरियम के अलावा, गैडोलिनियम, टरबियम, डिसप्रोसियम, ल्यूटेटियम, स्कैंडियम और यिट्रियम जैसे धातुओं का भी इस्तेमाल होता है।

जरूरी खनिजों की ...

चाहिए कि खनिजों का खनन और उनका प्रसंस्करण कुछ ही क्षेत्रों में सीमित होना कितना खतरनाक हो सकता है, खासकर तब जब ये खनिज स्वच्छ ऊर्जा के लिए जरूरी हो गए हैं। गोयल ने कहा कि यह जरूरी है कि दुनिया यह समझे कि अगर महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति और उनका प्रसंस्करण कुछ ही देशों तक सीमित रहेगा, तो यह कभी भी वैश्विक आर्थिक विकास को नुकसान पहुंचा सकता है। बता दें कि केंद्रीय मंत्री गोयल अपने बयान में जिन खनिजों का जिक्र कर रहें हैं, उनमें कोबाल्ट, तांबा, लिथियम, निकल और दुर्लभ पृथ्वी तत्व शामिल हैं, जो इलेक्ट्रिक गाड़ियों से लेकर पवन टरबाइन तक में इस्तेमाल होते हैं। देखा जाए तो विशेष रूप से चीन की इस क्षेत्र में बढ़ती पकड़ को लेकर कई देशों की चिंता बढ़ी है। चीन ने दुनिया भर में इन खनिजों का भारी मात्रा में अधिग्रहण किया है, जिससे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर उसका नियंत्रण बढ़ गया है।

आतंकवाद की...

हम कभी भी बुराई करने वालों को उनके पीड़ितों के बराबर नहीं रखेंगे। जयशंकर ने हाल ही में अंतिम रूप दिए गए भारत-ब्रिटेन मुक्त व्यापार समझौते को असल मायनों में एक मील का पत्थर बताया। भारत ने बैठक के दौरान भी पाकिस्तान से सीमा पार आतंकवाद का मुद्दा उठाया।

ब्रिटेन उन देशों में शामिल था, जो पिछले महीने अपने सैन्य संघर्ष के दौरान अपने तनाव को कम करने के प्रयास में भारत और पाकिस्तान दोनों के संपर्क में थे। लैमी ने 16 मई से इस्लामाबाद की दो दिवसीय यात्रा की, जिसके दौरान उन्होंने सैन्य कार्रवाइयों को रोकने के लिए भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए समझौते का स्वागत किया। भारत दौरे से पहले डेविड लैमी ने पाकिस्तान का भी दो दिवसीय दौरा किया और उन्होंने भारत पाकिस्तान के बीच 10 मई को हुए संघर्ष विराम को जारी रखने की अपील की।

उधर अमेरिका ने भारतीय प्रतिनिधिमंडल से स्पष्ट कहा कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। अमेरिकी उप-विदेश मंत्री क्रिस्टोफर लैंडौ ने कांग्रेस सांसद शशि थरूर के नेतृत्व वाले सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल से यह बात कही। उन्होंने यह बात प्रतिनिधिमंडल की ओर से उन्हें पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर को लेकर भारत का रुख बताए जाने के बाद कही। कई देशों के दौरों के बाद अंतिम चरण के तौर पर अमेरिका पहुंचे भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को यहां अमेरिकी उप-विदेश मंत्री से मुलाकात की। इस दौरान प्रमुख वार्ताकारों को 22 अप्रैल को पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में आतंकी ढांचे को निशाना बनाकर ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी गई। पहलगाम हमले में 26 लोगों की निर्मम हत्या की दी गई थी।

भारतीय दूतावास ने कहा कि डॉ. शशि थरूर के नेतृत्व में सर्वदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी उप-विदेश मंत्री के साथ गर्मजोशी के साथ बातचीत की। भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बारे में जानकारी दी। इसके बाद अमेरिकी उप-विदेश मंत्री ने कहा कि भारतीय संसदीय प्रतिनिधियों के साथ यह एक शानदार बैठक थी। उन्होंने कहा, मैंने फिर से साफ किया है कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में अमेरिका भारत के साथ मजबूती से खड़ा है। हमने दोनों देशों के लिए विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करने सहित अमेरिका-भारत रणनीतिक संबंधों पर भी चर्चा की। विदेश विभाग के प्रवक्ता टैमी ब्रूस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उप-विदेश मंत्री ने आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई और दोनों देशों के बीच रणनीतिक साझेदारी में भारत के लिए अमेरिका के मजबूत समर्थन की पुष्टि की। बयान के मुताबिक, प्रतिनिधिमंडल ने मंत्री के साथ द्विपक्षीय संबंधों के प्रमुख क्षेत्रों को आगे बढ़ाने के महत्व पर चर्चा की, जिसमें दोनों देशों में आर्थिक विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए व्यापार और वाणिज्यिक संबंधों का विस्तार करना शामिल है।प्रतिनिधिमंडल ने अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्य सीनेटर क्रिस वैन होलेन के साथ भी बैठक की। दूतावास ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें पहलगाम में हुए जघन्य आतंकवादी हमले के बारे में जानकारी दी। इस दौरान भारत की जवाबी कार्रवाई ऑपरेशन सिंदूर पर भी चर्चा की गई और सभी रूपों में सीमा पार आतंकवाद का मुकाबला करने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प को सामने रखा गया।

सीनेटर ने भारत में बार-बार होने वाले आतंकवादी हमलों के पीड़ितों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की और कहा कि अमेरिका आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में भारत के साथ खड़ा है और नई दिल्ली के आत्मरक्षा के अधिकार के लिए समर्थन व्यक्त करता है।थरूर ने अमेरिकी सीनेट की विदेश संबंध समिति के सदस्य सीनेटर कोरी बुकर से भी फोन पर बात की और बातचीत को उत्पादक बताया। उन्होंने बुकर को पहलगाम में हुए भयावह आतंकवादी हमले के बारे में जानकारी दी और सीमा पार से आतंकवाद के बार-बार उकसावे की घटनाओं का जिक्र किया। उन्होंने ऑपरेशन सिंदूर पर भी बात की और भविष्य में किसी भी आतंकवादी कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए भारत के दृढ़ संकल्प पर जोर दिया।थरूर ने कहा, सीनेटर बुकर ने आतंकवाद की स्पष्ट रूप से निंदा की और पीड़ितों के प्रति सहानुभूति व्यक्त की। बातचीत में भारत-अमेरिका रणनीतिक साझेदारी के व्यापक विषयों पर भी चर्चा हुई, जिसे मजबूत समर्थन प्राप्त है। उन्होंने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वे अगली बार बुकर से व्यक्तिगत रूप से मिलेंगे। इससे पहले गुरुवार रात भारतीय दूतावास द्वारा आयोजित एक विशेष स्वागत समारोह में कई प्रमुख अमेरिकी सांसदों और कांग्रेसियों के साथ-साथ नीति विशेषज्ञों ने भी भाग लिया। उन्होंने प्रतिनिधिमंडल के साथ बातचीत भी की।

पाकिस्तान ...

जैश-ए-मोहम्मद के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करें और देश में अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित करें।बिलावल भुट्टो से मुलाकात के बाद शेरमन ने कहा, मैंने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल को आतंकवाद से लड़ने की अहमियत समझाई। खासकर उनसे जैश-ए-मोहम्मद को खत्म करने को कहा, जिसने 2002 में अमेरिकी नागरिक डेनियल पर्ल की हत्या की थी। वह वॉल स्ट्रीट जर्नल के पत्रकार पर्ल का जिक्र कर रहे थे, जिनकी पाकिस्तान में आतंकवादियों ने अगवा कर हत्या कर दी थी। उस मामले में उमर सईद शेख को अपराध की योजना बनाने के लिए दोषी ठहराया गया था। अमेरिकी सांसद ने पाकिस्तानी प्रतिनिधिमंडल पर डॉ. शकील अफरीदी की रिहाई के लिए दबाव डाला। डॉ. शकील ने अमेरिकी खुफिया एजेंसियों को ओसामा बिन लादेन का पता लगाने में मदद की थी। शेरमन ने कहा, डॉ. अफरीदी को रिहा करना 9/11 के पीड़ितों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है। अफरीदी को 2011 में बिन लादेन के छापे के बाद गिरफ्तार किया गया था और बाद में एक पाकिस्तानी अदालत ने उन्हें 33 साल की जेल की सजा सुनाई थी। अमेरिकी सांसद ने पाकिस्तान में धार्मिक स्वतंत्रता के बारे में चिंता जताते हुए कहा, पाकिस्तान में रहने वाले ईसाई, हिंदू और अहमदिया मुसलमानों को हिंसा, उत्पीड़न, भेदभाव या असमान न्याय प्रणाली के डर के बिना अपने धर्म का पालन करने और लोकतांत्रिक प्रणाली में भाग लेने की अनुमति दी जानी चाहिए।

आतंक के खिलाफ ...

मिस्र, इथियोपिया और इंडोनेशिया शामिल रहे। भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे ओम बिरला ने आतंकवाद के मुद्दे पर भारत के रुख को पूरी गंभीरता के साथ उठाया।विभिन्न मुद्दों पर भारत के दृष्टिकोण को सभी देशों ने सराहा और उसे सर्वसम्मति से अंतिम साझा घोषणा में शामिल किया। खासकर आतंकवाद के मुद्दे पर भारत की निर्णायक नीति को गंभीरता से स्वीकारा गया। साझा घोषणा में सहमति बनी कि सभी ब्रिक्स देशों की संसदें आतंकवाद के विरुद्ध एकजुट होकर कार्य करेंगी। सम्मेलन के अंत में अगले साल होने वाले 12वें ब्रिक्स संसदीय फोरम की मेजबानी भारत को सौंपी गई। साथ ही, बिरला को संसदीय फोरम की अध्यक्षता सौंपी गई।सम्मेलन में बिरला ने भारत का सशक्त और स्पष्ट दृष्टिकोण प्रभावी ढंग से रखा। उन्होंने आतंकी संगठनों को मिलने वाली आर्थिक मदद रोकने, खुफिया जानकारी को साझा करने, आधुनिक तकनीकों के दुरुपयोग को रोकने के साथ-साथ जांच व न्यायिक प्रक्रियाओं में सहयोग जैसे पहलुओं पर साझा प्रयास करने पर जोर दिया।

11 साल में ...

मोदी सरकार ने पिछले 11 सालों में 17.1 करोड़ नई नौकरियां सृजित की हैं। स्टार्टअप से 1.61 लाख युवाओं को नौकरी मिली हैं। स्किल इंडिया मिशन के तहत अब तक 2.27 करोड़ से अधिक युवाओं को ट्रेनिंग दी जा चुकी है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ई-बुक जारी के होने के बाद सोशल मीडिया पोस्ट में लिखा, पिछले 11 वर्षों में हमारी सरकार ने युवा शक्ति को सशक्त बनाने के लिए निरंतर प्रयास किए हैं। नई शिक्षा नीति के साथ कौशल विकास और स्टार्टअप पर फोकस से हमारे युवा विकसित भारत के संकल्प के अहम भागीदार बने हैं। ये हमारे लिए अत्यंत प्रसन्नता की बात है कि आज देश का युवा राष्ट्र निर्माण में अग्रणी भूमिका निभा रहा है। देश के युवाओं की विश्व स्तरीय उपलब्धियों का उल्लेख करते हुए पीएम मोदी ने कहा कि हमारे युवाओं ने स्टार्टअप, विज्ञान, खेल, सामुदायिक सेवा और संस्कृति सहित विभिन्न क्षेत्रों में असाधारण योगदान दिया है। ई-बुक में सरकार ने कहा कि इस अवधि में देश ने अनेक क्षेत्रों में अभूतपूर्व प्रगति की है, जिसमें इंफ्रास्ट्रक्चर, डिजिटल इंडिया, महिला सशक्तिकरण, किसानों का कल्याण, रक्षा क्षेत्र और वैश्विक मंच पर भारत की साख जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। ई-बुक के अनुसार, सरकार की नीतियों ने 25 करोड़ से अधिक लोगों को गरीबी रेखा से बाहर निकालने में मदद की है, जो किसी भी सरकार के लिए एक बड़ी उपलब्धि मानी जा रही है।

ई-बुक में सरकार की महत्वपूर्ण उपलब्धियों में शामिल है, साल 2014-15 में कॉलेजों की संख्या 38,498 थी, जो मई 2025 तक बढ़कर 51,959 हो गई हैं। इसी अवधि में यूनिवर्सिटी की संख्या 760 से बढ़कर 1,334 हो गईं। आज देशभर में 10,000 से अधिक अटल टिंकरिंग लैब हैं और अगले 5 वर्षों में 50,000 लैब का लक्ष्य है। 2014 से पहले 16 आईआईटी संस्थान थे, जिसकी संख्या 2024 में बढ़कर 23 हो गई। प्रधानमंत्री स्कूल फॉर राइजिंग इंडिया योजना (पीएम श्री) के तहत 14,502 स्कूल विकसित किए जा रहे हैं। पहला फॉरेंसिक विश्वविद्यालय, पहला रेल एवं परिवहन विश्वविद्यालय, उत्तर-पूर्व में पहला एम्स, सिलवासा में पहला मेडिकल कॉलेज, लद्दाख में पहले केंद्रीय विश्वविद्यालय की स्थापना हुई।

यह समय एकजुटता...

लेकिन सही वक्त आने पर। अभी वक्त है दुनिया को ये दिखाने का कि हम आतंकवाद के खिलाफ एकजुट हैं।

गौरतलब है कि पहलगाम आतंकी हमला और ऑपरेशन सिंदूर के बाद विदेशों में भारत सरकार द्वारा बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजा गया है। लेकिन, दूसरी ओर राहुल गांधी की अगुवाई में कांग्रेस सरकार लगातार युद्ध उन्माद भड़काने की कोशिश कर रहे हैं। सोशल मीडिया पर कांग्रेस के नेता लगातार सीजफायर को लेकर सरकार को बदनाम करने की कोशिशें कर रहे हैं। इसी मंशा के तहत कांग्रेस समेत 16 विपक्षी पार्टियों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर विशेष सत्र बुलाने की मांग की है।

भारत की मुख्य...

उसने संधि बहाल करने के लिए भारत को चौथा पत्र लिखा है। भारत ने पहले ही साफ कर दिया है कि व्यापार व आतंक साथ नहीं चलेगा। भारत ने पाकिस्तान पर संधि की शर्तों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

सिंधु नदी के पानी को डायवर्ट कर रावी और व्यास नदियों को जोड़ते हुए सतलज नदी के जरिए इसे हरिके बैराज तक लाया जाएगा। इसी क्रम में हरिके बैराज के समानांतर करीब 200 किमी की नहर बनेगी। बाद में इन दोनों नहरों को अलग-अलग राजस्थान के गंगा नगर सहित कई अन्य नहरों के साथ यमुना से जोड़ा जाएगा। सिंधु के जल का रुख मोड़ने के लिए 12 सुरंगें बनाई जानी हैं। पूरी कवायद यह है कि इन नदियों के पानी का लाभ जम्मू कश्मीर के बाद पंजाब, हिमाचल, राजस्थान, हरियाणा और अंत में उत्तर प्रदेश को मिलने के बाद बचा हिस्सा गंगा की तरह गंगा सागर में समा जाए।

पहलगाम आतंकी हमले के बाद भारत की ओर की गई कार्रवाई से पाकिस्तान के पसीने छूट गए हैं। भारत के सिंधु जल संधि को स्थगित करने से पाकिस्तान बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहा है। ऑपरेशन सिंदूर के जवाब में भारत के खिलाफ हमले की कोशिश कर रहा पाकिस्तान अब पूरी तरह से घुटनों पर आ गया है। इसलिए वह लगातार भारत के सामने गिड़गिड़ाकर सिंधु जल संधि को बहाल करने की अपील कर रहा है। बताया जा रहा है कि पाकिस्तान करीब चार बार भारत को पत्र लिखकर सिंधु जल संधि दोबारा शुरू करने की गुहार लगा चुका है। पाकिस्तान के जल संसाधन सचिव सैयद अली मुर्तजा ने भारत के जल शक्ति मंत्रालय को कुल चार पत्र भेजे हैं, जिसमें संधि को निलंबित करने के फैसले की समीक्षा करने का आग्रह किया गया है। बताया जा रहा है कि तीन पत्र ऑपरेशन सिंदूर के बाद लिखे गए थे। पाकिस्तान एक ओर संधि को बहाल करने की मांग कर रहा है तो दूसरी ओर कह रहा है कि जल संधि का निलंबन समझौते का उल्लंघन है। हालांकि भारत की ओर से पत्रों को लेकर प्रतिक्रिया नहीं आई है। पहलगाम में 22 अप्रैल 2025 को हुए आतंकी हमले के बाद भारत सरकार ने 23 अप्रैल को सिंधु जल समझौते (1960) को तत्काल प्रभाव से स्थगित करने की घोषणा की। यह कदम पाकिस्तान द्वारा सीमा पार आतंकवाद को समर्थन देने के जवाब में उठाया गया था। दोनों देशों के बीच चार युद्धों और दशकों से जारी सीमा पार आतंकवाद के बावजूद इस संधि को बरकरार रखा गया था। सिंधु नदी के जल पर पाकिस्तान की 70 फीसदी कृषि निर्भर करती है। कई शहरों के लिए पेयजल की आपूर्ति भी इस नदी से की जाती है। भारत-पाकिस्तान के बीच चार दिन तक चले संघर्ष के बाद बीती 10 मई को इस पर विराम लग गया था। पाकिस्तान की ओर से घुटने टेके जाने के बाद भारत ने 10 तारीख को शाम पांच बजे से संघर्ष विराम का एलान किया। तब विदेश मंत्रालय ने बताया था कि संघर्ष विराम के लिए भारत अपनी शर्तों पर तैयार हुआ है। संघर्ष विराम के बीच सिंधु जल संधि का निलंबन जारी रहेगा। सिंधु जल समझौता, 1960 में भारत और पाकिस्तान के बीच हस्ताक्षरित एक जल-बंटवारा समझौता है। इसमें विश्व बैंक ने मध्यस्थता की थी। इस समझौते का उद्देश्य सिंधु नदी और उसकी सहायक नदियों के पानी के उपयोग को लेकर दोनों देशों के बीच विवादों को रोकना था। इस संधि के तहत, हिमालय के सिंधु नदी बेसिन की छह नदियों को दो भागों में बांटा गया है। पूर्वी नदियों व्यास, रावी और सतलुज का पानी भारत को मिलता है जबकि पश्चिमी नदियों सिंधु, झेलम और चिनाब का कंट्रोल पाकिस्तान के पास आया। समझौते के तहत भारत को लगभग 30 प्रतिशत और पाकिस्तान को 70 प्रतिशन पानी का हक मिला। इस समझौते में स्पष्ट तौर पर लिखा गया है कि झेलम, चिनाब और सिंधु नदियों का पानी भारत को पाकिस्तान में जाने देना होगा।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, 19 Towers (T19),
Near Bus Stand, Ranigunj,
Secunderabad - 500 003
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, रविवार, 08 जून, 2025

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

तेलंगाना विधानसभा अध्यक्ष आज वार्षिक मछली प्रसादम वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन करेंगे

बथिनी गौड़ परिवार सुबह 10 बजे मछली प्रसादम का वितरण शुरू करेगा

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना राज्य सरकार के तत्वावधान में मृगसिरा कार्ति के सम्मान में बत्तिनी परिवार द्वारा आयोजित वार्षिक चेपा (मछली) प्रसादम वितरण कार्यक्रम का उद्घाटन तेलंगाना विधानसभा के अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद कुमार 8 जून को करेंगे।हैदराबाद के नामपल्ली में प्रदर्शनी मैदान में आयोजित होने वाले इस कार्यक्रम में बीसी और परिवहन मंत्री पोन्नम प्रभाकर, आईटी और उद्योग मंत्री श्रीधर बाबू, टीपीसीसी अध्यक्ष महेश गौड़ सहित कई गणमान्य व्यक्ति मौजूद रहेंगे, साथ ही सांसद, विधायक और निगम अध्यक्ष भी अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे।एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि यह सम्मेलन रविवार, 8 जून, 2025 को सुबह 0900 बजे शुरू होगा और इसका उद्देश्य कार्यक्रम के सांस्कृतिक महत्व और लोक कल्याण में इसके योगदान को उजागर करना

है।मृगशिरा कार्ती से एक दिन पहले, देश के विभिन्न हिस्सों से बड़ी संख्या में लोग नामपल्ली स्थित प्रदर्शनी मैदान में पहुंचने लगे हैं, जहां बथिनी गौड़ परिवार रविवार को सुबह 10 बजे मछली प्रसादम का वितरण शुरू करेगा।आयोजन स्थल पर बैरिकेड्स, पानी और बिजली आपूर्ति, चिकित्सा शिविर, एम्बुलेंस और अग्निशमन विभाग की सेवाओं सहित व्यापक व्यवस्था की गई है। तेलंगाना मत्स्य विभाग ने मछली प्रसादम वितरण के लिए 1.5 लाख से अधिक मछलियाँ तैयार रखी हैं।तेलंगाना मत्स्य विभाग के सहायक निदेशक टी श्रीनिवास ने बताया, शनिवार को आठ से दस काउंटर खोले गए और पहले से आए लोगों को टोकन जारी किए गए। रविवार को आठ और काउंटर खोले जाएंगे।जीवित मुर्रेल मछली (फिंगरलिंग) के वितरण के लिए रविवार को सुबह 3 बजे से 35 काउंटर खोले जाएंगे। उन्होंने कहा, हम मांग के आधार पर अतिरिक्त मात्रा में मछली की आपूर्ति करेंगे। प्रति मुर्रेल की लागत 40 रुपये है और मछली लेने के बाद लोग कतार में लग सकते हैं, जहां बथिनी परिवार प्रसादम का प्रबंध करते हैं।टीजीएसआरटीसी सिकंदराबाद, काचीगुडा, नामपल्ली रेलवे स्टेशनों, जेबीएस और एमजीबीएस सहित प्रमुख स्थलों और ग्रेटर हैदराबाद के सभी कोनों से कार्यक्रम स्थल तक विशेष बसें चला रहा है।वार्षिक कार्यक्रम के हिस्से के रूप में, बथिनी गौड़ परिवार लाखों रोगियों और सांस की बीमारियों से पीड़ित लोगों को जड़ी-बूटियों से बना मछली प्रसाद निःशुल्क प्रदान करता रहा है। दूधबावली में बथिनी के पैतृक घर में विशेष पूजा करने के बाद, प्रसाद को कार्यक्रम स्थल पर लाया जाता है।

बथिनी परिवार ने इस फार्मूले को गुप्त रखा है, जिसका उपयोग पिछले 165 वर्षों से मछली प्रसादम तैयार करने के लिए किया जाता रहा है, और वर्तमान पीढ़ियां इस विरासत को जारी रख रही हैं।

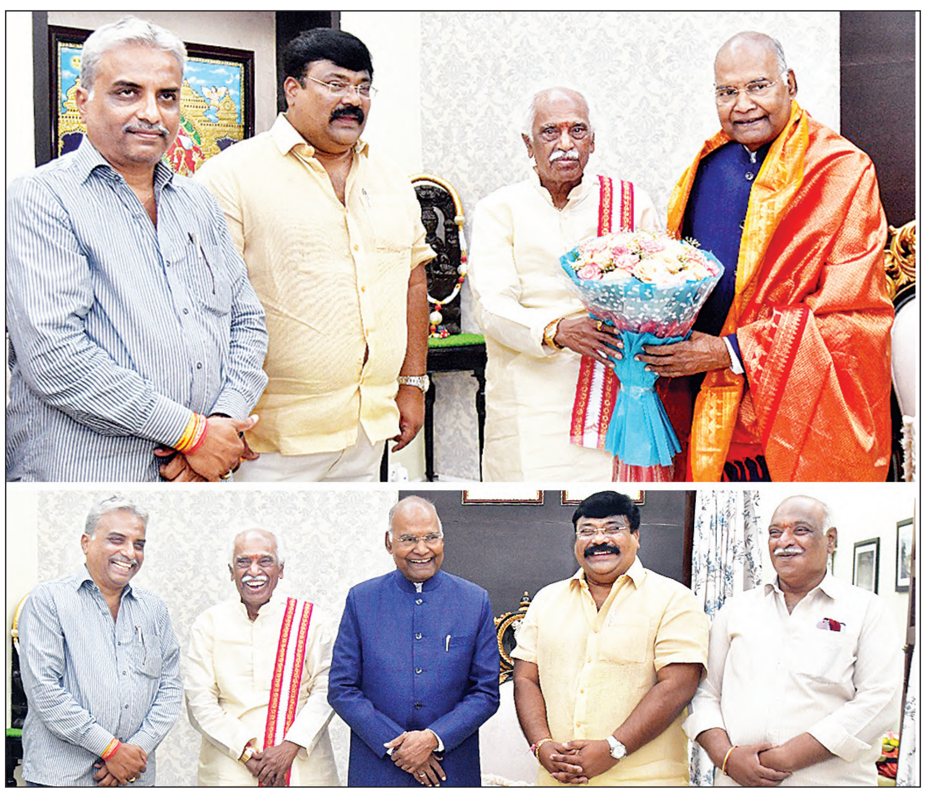

हरियाणा के राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने शनिवार दि. 7 जून, 2025 को राजभवन, हैदराबाद में भारत के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविन्द का स्वागत किया।

अग्रवाल समाज ने दक्षिण भारत में सेवा के कीर्तिमान स्थापित किए : डॉ. मित्तल

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। आंध्रप्रदेश के अग्रवाल समाजों के समन्वय हेतु दक्षिण भारतीय अग्रवाल समाज अध्यक्ष डॉ. श्रीकृष्ण मित्तल एवं सह मंत्री महेश अग्रवाल के विजयवाड़ा, विशाखापत्तनम तथा विजयनगरम आदि नगर में अग्रवाल समाज की शाखाओं के भ्रमण की कड़ी में शनिवार को विजयनगर अग्रवाल समाज में बैठक का आयोजन किया गया । प्रातः विजयनगरम अग्रवाल समाज ने डॉ. मित्तल और सह मंत्री महेश अग्रवाल का स्वागत किया। इस अवसर पर डॉ. मित्तल ने बताया कि विजयनगरम समाज का दक्षिण भारत के सेवा कार्यों में अपना एक स्थान है । समाज केवल होली और दिवाली ही नहीं सेवा कार्यों की ऊंची श्रृंखला महाराजा अग्रसेन जी के सेवा सिद्धांतों का प्रतिपादन कर रही है। डॉ. मित्तल ने स्पष्ट किया कि उनका आगमन कोई मंदिर, मस्जिद, भवन धन संग्रह हेतु आना नहीं हुआ है, उनका मुख्य उद्देश्य अग्रवंश की शिक्षा, चिकित्सा, विवाह, पर्यटन, व्यापार आदि सहायतार्थ सभी अग्र संस्थाओं को एक करने हेतु हुआ है। महेश अग्रवाल ने बताया कि समाज के कार्यों में सदस्यों को अपना योगदान सुनिश्चित करने हेतु संस्था का आजीवन सदस्य बनना चाहिए एवं अग्रवाल समाज के सभी लोगों को सदस्य बनाए ।

उपस्थित सभी सदस्यों ने चर्चा में भाग लेते हुए सभी निर्णयों का अनुमोदन किया और सहयोग का आश्वासन दिया।तीन दिवसीय कार्यक्रम में शामिल सभी अग्रवाल समाज के सदस्यों ने अपने-अपने क्षेत्रों में भव्य बैठकों का आयोजन किया। वर्तमान में अग्रवाल समाज विजयनगरम द्वारा एक गौशाला का भी संचालन किया जा रहा है ।

हैदराबाद में जीतो कनेक्ट 2025 का उद्घाटन

भारत के सबसे बड़े जैन व्यापार संगम की भव्य शुरुआत

JITO
HYDERABAD

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन इंटरनेशनल ट्रेड ऑर्गनाइजेशन (जेआईटीओ) के हैदराबाद चैप्टर ने जेआईटीओ कनेक्ट 2025 के लिए कर्टेन रेजर की मेजबानी की, जो कि प्रमुख राष्ट्रीय शिखर सम्मेलन है जो शीर्ष उद्यमियों, नवोन्मेषकों, नीति निर्माताओं और परिवर्तनकर्ताओं को एक मंच पर एकजुट करता है। इस अवसर पर एक रंगारंग फैशन शो की मेजबानी की गई और उसके बाद ब्राइडल स्टोरी का शुभारंभ किया गया।

हैदराबाद के हाईटेक्स और एचआईसीसी में 3 से 5 अक्टूबर तक आयोजित होने वाला जेआईटीओ कनेक्ट 2025 अब तक का सबसे बड़ा आयोजन होगा, जो 8 लाख वर्ग फुट में फैला होगा, जिसमें 1,000 से अधिक व्यावसायिक स्टॉल होंगे और इसमें 2 लाख से अधिक लोगों के आने की उम्मीद है। इस कार्यक्रम में 50,000 से अधिक चेंजमेकर्स, वैश्विक वक्ता सत्र, स्टार्टअप शोकेस, नेटवर्किंग फ़ोरम और सांस्कृतिक अनुभव शामिल होंगे।

इस अवसर पर जेआईटीओ के शीर्ष नेतृत्व पृथ्वीराज एस. कोठारी, अध्यक्ष विजय भंडारी और ललित कुमार डांगी महासचिव की उपस्थिति में कार्यक्रम की रूपरेखा का औपचारिक अनावरण किया गया।

एमबीए राजस्थान गोल्ड मेडलिस्ट अदिति गुप्ता का भव्य स्वागत

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद अत्तापुर में निवास करने वाले सत्यनारायण नंदकिशोर अग्रवाल सूरजगढ़वाले की पुत्री अदिति अग्रवाल ने राजस्थान के सीकर स्थित शोभासरिया इंस्टिट्यूट से एमबीए पूरे राजस्थान में टॉप रहकर इतिहास रच दिया है। अदिति ने एमबीए मे शानदार प्रदर्शन करते हुए 9.72 ग्रेड प्वाइंट अर्जित कर स्वर्ण पदक हासिल किया है। यह स्वर्ण पदक अदिति को बीकानेर में आयोजित तृतीय दीक्षांत समारोह में राजस्थान के राज्यपाल द्वारा भेंट किया गया। इससे पूर्व भी अदिति अग्रवाल को पिलानी कॉलेज से बीकॉम में स्टेट टॉपर रहने पर राजस्थान के राज्यपाल द्वारा गोल्ड मेडल मिलने का सौभाग्य मिला था । शुक्रवार को गोल्डमेडलिस्ट अदिति अग्रवाल के हैदराबाद पहुंचने पर अत्तापुर में भव्य रूप से स्वागत किया गया। इस अवसर पर नालपुरिया परिवार, केडिया परिवार, अग्रवाल समाज एवं श्री श्याम मित्र मंडल (सूरजगढ़ निशान) अत्तपुर एवं अनेक प्रतिष्ठ व्यक्तियों ने अदिति अग्रवाल को ढेर सारी बधाई दी । अदिति अग्रवाल ने इस अवसर पर उनके पिता सतनारायण अग्रवाल एवं मामा पत्रकार पवन भारती को सम्मानित सामग्री अर्पित कर सम्मान किया । इस मौके पर राजेश केडिया, भगवती केडिया, सतनारायण अग्रवाल सूरजगढ़वाले, बजरंगलाल नालपुरिया, बृजेश कुमार नालपुरिया, पवन कुमार भारती, रितेश कुमार भालवाले, उमेश नालपुरिया, अभिनव अग्रवाल, विद्या देवी अग्रवाल,सविता अग्रवाल, जिया अग्रवाल, स्नेहा अग्रवाल, संगीता अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य महिला पुरुष मौजूद थे।

अग्रवाल समाज हैदरगुड़ा शाखा की कार्यकारिणी बैठक आज

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज, हैदरगुड़ा शाखा की कार्यकारिणी सदस्यों एवं विशेष आमंत्रितों की बैठक रविवार, 8 जून को आयोजित की जा रही है। यह बैठक राघव रत्न टावर्स, आबिड्स स्थित अग्रवाल समाज तेलंगाना के नवनिर्मित मीटिंग हाल में प्रातः 10:30 से 12:30 बजे तक होगी।पवन कुमार अग्रवाल द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार बैठक में समाज के विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की जाएगी। जिसमें प्रमुख रूप से सावन की सैर यात्रा का आयोजन प्रस्तावित है। इस यात्रा के अंतर्गत लोनावाला, भीमाशंकर ज्योतिर्लिंग और आस-पास के दर्शनीय स्थलों की धार्मिक-सांस्कृतिक यात्रा की रूपरेखा प्रस्तुत की जाएगी, जिसे सभी सदस्यों की स्वीकृति हेतु बैठक में रखा जाएगा।बैठक में कार्यकारिणी सदस्यों से समाज में नवीन ऊर्जा के संचार हेतु सुझाव आमंत्रित किए जाएंगे, जिससे शाखा की गतिविधियों में नई गति और सशक्तता लाई जा सके।अंत में अध्यक्ष की अनुमति से अन्य आवश्यक विषयों पर भी चर्चा की जाएगी।

महेन्द्रा हिल्स स्थित श्री पहाडी श्याम मंदिर में निर्जला एकादशी के उपलक्ष्य में राज मित्र मण्डल द्वारा आयोजित श्री श्याम संकीर्तन महोत्सव' के अन्तर्गत भजन प्रस्तुत करते हुए राजेन्दर अग्रवाल जयपुर तथा पंकज ओझा । अवसर पर भजन गायकों एवं अतिथियों का सम्मान करते हुए मंदिर के चेयरमैन अरुण डाकोतिया, ट्रस्टी अशोक सिंघानिया, राहुल अग्रवाल । साथ में राज मित्र मण्डल के प्रदीप अग्रवाल, सुरेश अग्रवाल, अनिल गुप्ता, प्रेमचन्द, सत्यनारायण, अशोक सैन एवं उपस्थित भक्तगण ।

टीएस बसवा केंद्र, चारकमान द्वारा नामपल्ली स्थित प्रदर्शन मैदान में मछली प्रसादम् रोगियों के लिए स्थापित पंडाल में आयोजित निःशुल्क अन्नदान में भाग लेते हुए भाजपा के वरिष्ठ नेता गोविंद राठी। इस अवसर पर श्री राठी का संस्था की ओर से स्वागत एवं सम्मान किया गया।

राधे राधे ग्रुप द्वारा नियमित अन्नदान के अंतर्गत शनिवार को नामपल्ली स्थित पाब्लिक गार्डन, पिलर नं. ए1265 के समीप जरूरतमंद लोगों में अल्पाहार सेवा की गई। इस अवसर पर -सतीश गुप्ता आशा अग्रवाल, रामप्रकाश अग्रवाल, जगत नारायण अग्रवाल, ई-जगन (चंपा पेट), महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, भगतराम गोयल, अशोक गुप्ता एस.जे, गोपाल गोयल, अभिमन्यु अग्रवाल, नंदकिशोर अग्रवाल एवं राधे राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित थे।

निज़ामाबाद जिला माहेश्वरी सभा ने धूमधाम से मनाया महेश नवमी महोत्सव

निजामाबाद, 7 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल, निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन एवं माहेश्वरी चैरिटेबल ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में गत 4 जून को स्थानीय माहेश्वरी भवन में महेश नवमी महोत्सव अत्यंत ही धूमधाम एवं भक्तिभाव के साथ संपन्न हुआ ।

कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 6.30 भगवान महेश के रुद्राभिषेक सभा के मंत्री राजेश डालिया के करकमलों से हुआ । तत्पश्चात सार्वजनिक गणेश मंदिर से शोभा यात्रा निकाली गई जो शहर के प्रमुख मार्गों से होते हुए माहेश्वरी भवन पहुँची ।

तदोपरांत निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के अध्यक्ष कुंजबिहारी मुंदड़ा के करकमलों से ध्वजारोहण सम्पन्न हुआ । सायं 4:00 बजे माहेश्वरी महिला मंडल द्वारा महिलाओं एवं बच्चों के लिए विभिन्न मनोरंजन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसी क्रम में सायं 7:00 बजे विराट सभा का आयोजन किया जिसमें मुख्य अतिथि के रुप में हैदराबाद शहर के आयकर विभाग आयुक्त श्री प्रसून जी काबरा, विशेष अतिथि के रुप में जलगांव शहर के प्रमुख कैंसर चिकित्सक डॉ. गोविंद बालासाहेब मंत्री एवं निजामाबाद निवासी राजाराम सारडा उपस्थित हुए । कार्यक्रम में उपस्थित अतिथियों ने भगवान महेश की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रज्वलन के पश्चात कार्यक्रम प्रारंभ हुआ ।

तत्पश्चात् कार्यक्रम के सभापति कुंजबिहारी मूंदड़ा द्वारा स्वागत भाषण प्रस्तुत किया जिसमें उन्होंने कार्यक्रम में पधारे समस्थ मुख्य एवं विशेष अतिथियों के साथ कार्यक्रम में पधारे गणमान्यों का भी स्वागत किया । इतना ही नहीं उन्होंने अपने संबोधन को जारी रखते हुए पर्यावरण की रक्षा हेतु माहेश्वरी भवन में होने वाले सभी कार्यक्रमों में वन टाईम यूज प्लॉस्टिक का उपयोग नहीं करना चाहिये । ऐसा करने से पर्यावरण भी प्रदूषित नहीं होगा और हमारे आस-पडोस का वातावरण भी शुद्ध रहेगा ।

मुख्य अतिथि प्रसून काबरा ने अपने संबोधन के माध्यम से शिक्षा के प्रति जोर देते हुए युवाओं को उच्च शिक्षा के लिए ग्रहण करने के प्रति प्रेरित किया । साथ ही उन्होंने अपने विभाग से संबंधित समस्याओं के समाधान हेतु यथासंभव सहायता और समय-समय पर मार्गदर्शन देने का आश्वासन दिया । इसी क्रम में, विशेष अतिथि डॉ. गोविंद बालाप्रसाद मंत्री ने अपने संबोधन के माध्यम से जिला माहेश्वरी सभा , महिला मंडल एवं युवा संगठन द्वारा आयोजित किए जा रहे विभिन्न सेवाभावी, मनोरंजन एवं धार्मिक कार्यक्रमों की भूरि भूरि प्रशंसा की । उन्होंने आगे कहा कि पारीवारिक समस्याओं के चलते आपसी रिश्ते टूट रहे हैं, जिन्हें आपसी बातचीत और समझदारी से सुलझाया जा सकता है।

विशेष अतिथि राजाराम सारडा ने उपस्थितों को महेश नवमी की शुभकामनाएँ दी । साथ ही उन्हें विशेष अतिथि के रुप में आमंत्रित करने के लिए निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के प्रति आभार व्यक्त किया । इसी क्रम में निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा के मंत्री राजेश डालिया ने भी समस्त उपस्थित अतिथियों एवं गणमान्य सदस्यों को महेश नवमी की शुभकामाएँ देते हुए सभा द्वारा आयोजित किए गए विभिन्न कार्यक्रमों की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत की ।

साथ ही परंपरा अनुसार इस वर्ष भी समाज के वरिष्ठ नागरिक श्रीमती एवं श्री दामोदरजी मालानी का आदर सत्कार किया गया ।

साथ ही मुख्य अतिथि प्रसून काबरा, विशेष अतिथि डॉ. गोविंद बालाप्रसाद मंत्री एवं राजाराम सारड़ा का सभा के अध्यक्ष कुंजबिहारी मुन्दड़ा सहित अन्य पदाधिकारियों ने शॉल, श्रीफल एवं स्मृति चिन्ह भेंट कर स्वागत सत्कार किया।कार्यक्रम संस्था के उपमंत्री बालकिशन बंग के धन्यवाद भाषण एवं कार्यक्रम संयोजक संतोष लोया, उप संयोजक विष्णू जाजू एवं शोभा यात्रा संयोजक संदीप सारड़ा के संयोजन में कार्यक्रम धूमधाम से सम्पन्न हुआ । इस अवसर पर निजामाबाद जिला माहेश्वरी सभा, माहेश्वरी महिला मंडल, निजामाबाद जिला माहेश्वरी युवा संगठन के समस्त पदाधिकारी, कार्यकारिणी सदस्य, समाजबन्धु उपस्थित थे ।

जी. किशन रेड्डी कल काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग राष्ट्र को समर्पित करेंगे

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। श्री जी. किशन रेड्डी, माननीय कोयला और खान मंत्री, भारत सरकार, 09 जून, 2025 को काचीगुडा रेलवे स्टेशन पर काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग की लाइटिंग राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इस अवसर पर अन्य गणमान्य व्यक्ति और जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहेंगे। श्री अरुण कुमार जैन, महाप्रबंधक, दक्षिण मध्य रेलवे और अन्य वरिष्ठ रेलवे अधिकारी भी उपस्थित रहेंगे।

काचीगुडा रेलवे स्टेशन हैदराबाद के जुड़वां शहरों में प्रमुख टर्मिनलों में से एक है, जो शहर के अधिकांश रेल उपयोगकर्ताओं की सेवा करता है। यह हैदराबाद डिवीजन का एक महत्वपूर्ण स्टेशन है और इसमें 5 प्लेटफॉर्म हैं, जो आधुनिक यात्री सुविधाओं से सुसज्जित हैं। स्टेशन पर प्रतिदिन औसतन 103 ट्रेनें आती-जाती हैं और प्रतिदिन औसतन 45,000 यात्री आते-जाते हैं, और इसने लाखों रेल उपयोगकर्ताओं को सर्वोत्तम रेल सेवा का अनुभव देकर 100 से अधिक गौरवशाली वर्ष पूरे किए हैं। पर्यटन अनुकूल पहल के तहत, काचीगुडा रेलवे स्टेशन के अग्रभाग को 2.23 करोड़ रुपये की लागत से रोशन किया गया है। इस प्रस्ताव को पर्यटन मंत्रालय ने मंजूरी दी है, जबकि पूरा काम दक्षिण मध्य रेलवे के हैदराबाद डिवीजन द्वारा किया गया है। इसका मुख्य उद्देश्य वास्तुकला सौंदर्यीकरण करना, इंडो-सरसेनिक/इंडो गोथिक वास्तुकला और इसकी समृद्ध विरासत को सही रोशनी के साथ उजागर करना है। रोशनी में इस्तेमाल किए गए विभिन्न रंग थीम विभिन्न स्थानीय/राष्ट्रीय/अंतर्राष्ट्रीय अवसरों और आयोजनों की भावना को बढ़ाते हैं। यह यात्रियों, आम लोगों और पर्यटकों के लिए रात में एक शानदार दृश्य प्रदान करता है।

उपयोग किए जाने वाले ल्यूमिनेयर्स नवीनतम आधुनिक उपकरणों जैसे आउटडोर टाइप आरजीबी एलईडी, आईपी66 रेटेड इनबिल्ट डीएमएक्स डिकोडर के साथ हैं जो 512 डीएमएक्स कंट्रोल सिस्टम और विभिन्न प्रकाश योजनाओं के लिए उपयुक्त सेकेंडरी ऑप्टिक्स का समर्थन करते हैं। प्रकाश पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षित है और प्रकाश प्रदूषण से मुक्त है। ल्यूमिनेयर्स और इलेक्ट्रिकल एक्सेसरीज संरचनात्मक रूप से सुरक्षित माउंटिंग व्यवस्था हैं और आम जनता की पहुंच से बाहर नहीं होनी चाहिए। उच्च सर्ज वोल्टेज से बचाव के लिए कई स्थानों पर उपयुक्त रेटिंग का सर्ज प्रोटेक्शन डिवाइस और समर्पित कॉपर प्लेट अर्थिंग प्रदान की गई है। रोशनी की पूरी अवधारणा स्टेशन की विरासत संरचना को बेहतर रोशनी में दर्शाना है, जिसमें पूरे सिस्टम की सुरक्षा, सुरक्षा और ऊर्जा दक्षता पर मुख्य ध्यान दिया गया है।

सरकार ने ओआरआर के भीतर ऑटो परमिट प्रतिबंधों में ढील दी

हैदराबाद में 40,000 नए पर्यावरण अनुकूल ऑटो की अनुमति दी

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। हैदराबाद में सार्वजनिक परिवहन को बेहतर बनाने और प्रदूषण पर अंकुश लगाने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए, राज्य सरकार ने आउटर रिंग रोड (ओआरआर) की सीमाओं के भीतर नए ऑटो रिक्शा परमिट पर प्रतिबंधों में ढील दी है।परिवहन और बीसी कल्याण मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने घोषणा की कि ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) ने सरकारी आदेश (जीओ) संख्या 263 जारी किया है, जिसमें सीमित संख्या में पर्यावरण अनुकूल ऑटो रिक्शा की अनुमति दी गई है।

आदेश के अनुसार, 20,000 इलेक्ट्रिक, 10,000 एलपीजी और 10,000 सीएनजी ऑटो रिक्शा को अब ओआरआर सीमा के भीतर संचालन की अनुमति दी जाएगी। इसके अतिरिक्त, 25,000 मौजूदा डीजल और पेट्रोल वाहनों को इलेक्ट्रिक, एलपीजी या सीएनजी वेरिएंट में बदलने के लिए परमिट जारी किए गए हैं।मंत्री पोन्नम प्रभाकर ने इस बात पर जोर दिया कि यह निर्णय शहर में वायु और ध्वनि प्रदूषण को कम करने के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी के दृष्टिकोण के अनुरूप है।

उन्होंने कहा, शहर की आबादी तेजी से बढ़ रही है, ओआरआर के भीतर नए लेआउट और अपार्टमेंट बन रहे हैं। यह कदम न केवल सार्वजनिक परिवहन को बढ़ाएगा बल्कि स्वच्छ पर्यावरण में भी योगदान देगा।

हालांकि, सरकार ने स्पष्ट किया कि ओआरआर क्षेत्र के भीतर नए या स्थानांतरित डीजल और पेट्रोल ऑटो रिक्शा के लिए कोई अनुमति नहीं दी जाएगी।शनिवार को एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस पहल से नए रोजगार के अवसर पैदा होने और टिकाऊ शहरी गतिशीलता को बढ़ावा मिलने से लगभग 65,000 परिवारों को लाभ मिलने की उम्मीद है।

निवेश घोटाले को बढ़ावा देने वाले डीपफेक वीडियो में हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी के नाम का दुरुपयोग, एफआईआर दर्ज

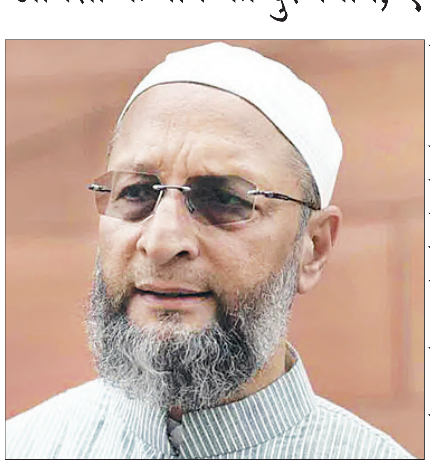

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। ऑनलाइन निवेश घोटाले को बढ़ावा देने के लिए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर एआईएमआईएम अध्यक्ष असदुद्दीन ओवैसी का एक डीपफेक वीडियो प्रसारित होने के बाद हैदराबाद पुलिस ने मामला दर्ज किया है।

पुलिस ने शनिवार को बताया कि एआई द्वारा निर्मित फर्जी वीडियो में ओवैसी की छवि और नाम के साथ-साथ प्रमुख हस्तियों की छवि और नाम का धोखे से इस्तेमाल किया गया है, ताकि जनता को यह विश्वास दिलाया जा सके कि वह एक निवेश घोटाले को बढ़ावा दे रहे हैं।

हैदराबाद के सांसद ने पुलिस में दर्ज शिकायत में कहा कि फर्जी वीडियो में रोजाना 53,000 रुपये का रिटर्न देने का वादा किया गया है। वीडियो में लोगों को एक घोटाले वाली वेबसाइट में निवेश करने के लिए कहा गया है, जिससे निर्दोष लोगों को पैसे गंवाने का जोखिम है।

ओवैसी ने शिकायत में कहा, यह वीडियो निर्दोष लोगों को लुभाने और मेरे नाम पर झूठा प्रचार करने के लिए दुर्भावनापूर्ण सामग्री के साथ बनाया और अपलोड किया गया था।

पुलिस के अनुसार, वीडियो में केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण, उद्योगपति मुकेश अंबानी और इंफोसिस के संस्थापक नारायण मूर्ति की एआई-जनरेटेड क्लिप भी शामिल थीं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने शनिवार को बताया कि ओवैसी की शिकायत के आधार पर साइबर अपराध पुलिस स्टेशन ने पांच जून को आईटी अधिनियम और बीएनएस की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया।

अधिकारी ने बताया कि मामले की जांच चल रही है, जिसमें सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से वीडियो को हटाना भी शामिल है।

सार्वजनिक सूचना

जनसाधारण को एतद्वारा सूचित एवं अधिसूचित किया जाता है कि हमारे मुवक्किल, हिमायतनगर, हैदराबाद, तेलंगाना में स्थित प्लॉट नं. 6 पर, भूतल + 3 ऊपरी तल से युक्त म्युनिसिपल नं. 3-6-145/6/1 वाली मकान सम्पत्ति, अधिमापन 180 वर्ग गज को इसके कानूनी मालिकों **(1) श्री सीएच देवेन्दर, (2) श्री सीएच प्रभु कुमार, (3) श्री सीएच रमेश कुमार एवं (4) श्री सीएच अमरनाथ,** से मूल्यवान बिक्री विचारार्थ राशि पर खरीदने के इच्छुक हैं।

किसी व्यक्ति (व्यक्तियों) को उपरोक्त सम्पत्तियों के संदर्भ में कोई अधिकार, स्वामित्व या हित हो तो अपनी आपत्तियों को इस प्रकाशन की तिथि से **7 दिनों के भीतर** सूचित करना होगा, या अन्यथा सौदे को हमारे मुवक्किल के विकल्प पर पूरा कर लिया जाएगा। इसके पश्चात प्राप्त आपत्तियाँ, यदि कोई हो तो, उन्हें स्वेच्छा से छोड़ दिया गया माना जाएगा।

हस्ता/- **अक्षत संघी एवं जी. जगदीश एडवोकेट्स**
फ्लैट नं. 302, वंश टॉवर्स, तृतीय मंजिल, महेश नगर कॉलोनी, चिराग अली लेन, हैदराबाद - 500 001
सेल नं. : **09963 102934**
ई-मेल :akshatsanghi@gmail.com

एंटी नारकोटिक ब्यूरो ने नाइजीरियाई ड्रग तस्करों को धन मुहैया कराने में शामिल 3 लोगों को गिरफ्तार किया

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।तेलंगाना एंटी नारकोटिक्स ब्यूरो ने मनी लॉन्ड्रिंग और नाइजीरियाई ड्रग तस्करों की मदद करने वाले तीन लोगों को पकड़ा है।

पकड़े गए लोगों में उत्तम सिंह, राजू सिंह और महेंद्र प्रजापति शामिल हैं। पुलिस ने उनके पास से 49.65 लाख रुपये जब्त किए हैं।

सूचना मिलने पर टीजीएएनबी की टीम ने गोवा में दो जगहों पर नजर रखी और आखिरकार तीनों को नकदी के साथ पकड़ने में कामयाब रही। टीजीएएनबी के एक अधिकारी ने बताया, तीनों नाइजीरियाई ड्रग तस्करों और उनके स्थानीय एजेंटों को हवाला के जरिए भारत से अफ्रीकी देशों में पैसा भेजने में मदद कर रहे थे। हवाला ऑपरेटरों ने करोड़ों रुपये की ड्रग आय भेजी थी।

कुछ दिन पहले, टीजीएएनबी ने एक नाइजीरियाई नागरिक इमैनुएल को गिरफ्तार किया था, जो कथित तौर पर भारत में मादक पदार्थों की तस्करी में शामिल था और पाया गया कि उसने हवाला चैनलों के माध्यम से नाइजीरिया में भारी मात्रा में धन भेजा था।सूचना के आधार पर, टीजीएएनबी की टीमों ने हवाला ऑपरेटरों के बारे में खुफिया जानकारी जुटाई और उन्हें पकड़ लिया।

ब्यूरो ने पाया कि करीब 50 नाइजीरियाई गोवा से काम कर रहे थे और हवाला चैनलों और अन्य अवैध तरीकों का इस्तेमाल करके नशीली दवाओं की आय को विदेशी ड्रग कार्टेल तक पहुंचा रहे थे।

तेलंगाना में अगले पांच दिनों तक आंधी चलने के आसार

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना के सभी जिलों में अलग-अलग स्थानों पर अगले पांच दिनों के दौरान 30-40 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से तेज हवाएं चलने के आसार हैं।

मौसम विभाग ने शनिवार को यहां जारी दैनिक रिपोर्ट में कहा कि अगले सात दिनों में राज्य भर में कुछ स्थानों या अलग-अलग स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश या गरज के साथ बौछारें पड़ने की संभावना है।

मूल्यांकन कवि गोष्ठी में मासिक पत्रिका सीमा संघोष पर चर्चा सम्पन्न

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। नगरद्वय के कवियों की सक्रिय और लोकप्रिय संस्था गीत चाँदनी द्वारा संचालित सीता युद्धवीर पुस्तकालय और शोध संस्थान हैदराबाद की प्रतिमास आयोजित होने वाली मूल्यांकन कवि गोष्ठी क्रम-332 का आयोजन मोज़मजाही मार्केट स्थित आरोग्य अस्पताल, कैलाश डायग्नास्टिक सेंटर के सेल्लार सभागृह, हैदराबाद में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ। गीत चाँदनी का यह 44वाँ वर्ष चल रहा है। गीत चाँदनी के अध्यक्ष और वरिष्ठ गीतकार श्री चंपालाल बैद ने कवि गोष्ठी की अध्यक्षता की। गीत चाँदनी के कार्यदर्शी, गोलकोण्डा दर्पण के संपादक व कवि गोविंद अक्षय ने कार्यक्रम का संचालन किया और संस्था की गतिविधियों से सभी को अवगत करवाया।

आज यहाँ जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में उक्ताशय की जानकारी देते हुए कवि गोविंद अक्षय ने बताया कि इस मूल्यांकन कवि गोष्ठी में नई दिल्ली की हिंदी मासिक पत्रिका सीमा संघोष अप्रैल, 2025 अंक में प्रकाशित रचनाओं पर हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों ने चर्चा की, जिसकी अध्यक्षता कवि ठाकुर अमरदीप सिंह ने की। आलोच्य पत्रिका के संपादक : डॉ. चंद्रवीर सिंह भाटी हैं। मुख्य संपादक श्री दीपांशु गर्ग और सलाहकार में ले. ज. अरुण साहनी (रि.), डॉ. राजीव नयन, डॉ. राजीव रंजन प्रसाद के नाम सम्मिलित हैं। मूल्यांकन गोष्ठी में हैदराबाद के विद्वान साहित्यकारों में कवयित्री रमा बहेड, रत्नकला मिश्र, संतोष कुमार मिश्र माधुर्य, आरती कुमारी, श्रुतिकांत भारती, गोविंद अक्षय, अशोक आत्रेय आदि ने सारगर्भित चर्चा की और पत्रिका में प्रकाशित सामग्री की भूरि-भूरि प्रशंसा और सराहना की। चर्चा में बहुत सारे ज्वलंत विषय सामने आये हैं। वक्ताओं ने कहा कि इस तरह की पत्रिकाएँ और छपनी चाहिए। सिंधु संधी क्या है पत्रिका के माध्यम से युवा पीढी को पता चला है। सोशल मीडिया में आज ऐसी पत्रिकाओं की अत्यंत आवश्यकता है। विवेच्य पत्रिका में रोचक और पठनीय सामग्री प्रकाशित हुई जो पाठकों के लिए ज्ञानवर्धक और प्रेरणादायी है। पत्रिका के लेखकों ने देश की समस्याओं पर बहुत सुंदर ढंग से अपनी क़लम चलायी है। इस पत्रिका में प्रकाशित कविताएँ आतंकवाद, ऑपरेशन सिंदर और अन्य विषयों पर लिखी गयी हैं जो पाठकों को आकर्षित करने वाली हैं। कवयित्री रमा बहेड ने कहा कि यदि एक पत्थर गलत हाथों में आ जाए जो वह किसी न किसी को घायल ही करेगा और वही पत्थर यदि शिल्पकार के हाथों में आ जाए तो शिल्पकार उस पत्थर को गढ़कर पूजने योग्य बना देगा उसी प्रकार साहित्यकार की रचनाओं को एक कुशल संपादक और सलाहकार नयी दिशा और राह प्रदान करके शीर्ष तक पहुँचाते हैं। सीमा संघोष पत्रिका के संपादक व सलाहकार इस श्रेणी में आते हैं। मैं संपादक मंडल को बधाई और शुभकामनाएँ देती हूँ और पत्रिका के उज्वल भविष्य की कामना करती हूँ।

इस अवसर पर बच्चन अकादमी हैदराबाद के सहयोग से हिंदी उपन्यासकार और संपादक हज़ारी प्रसाद द्विवेदी और हिंदी के महान साहित्यकार, पत्रकार एवं युग प्रर्वतक महावीर प्रसाद द्विवेदी के व्यक्तित्व और कृतित्व पर श्रीमती विभा भारती ने अपने महत्वपूर्ण विचार प्रस्तुत किये और श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। दोनों साहित्यकारों की महान सेवाओं को याद करते हुए उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। इस सत्र की अध्यक्षता वरिष्ठ साहित्यकार अशोक आत्रेय (राजस्थान) ने की। कार्यक्रम में सर्वश्री डॉ. मोहन गुप्ता, कवयित्री कम्मो, श्रुतिकांत भारती आदि बतौर विशेष अतिथि मंच पर उपस्थित थे। अध्यक्षीय टिप्पणी में अशोक आत्रेय ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर पर मैंने 26 कला कृतियाँ बनायी हैं जिसे तेलंगाना और देश के अलग-अलग स्थानों पर प्रदर्शित किया जाएगा।

इस अवसर पर आयोजित कवि गोष्ठी में नगरद्वय के कवियों ने देश की समसामयिक समस्याओं और जीवन के विभिन्न विषयों पर अपने गीत, ग़ज़ल और हास्य-व्यंग्य की कविताओं का पाठ कर एक समाँ बाँध दिया। गीत चाँदनी के पदाधिकारियों ने कार्यक्रम को सफलता प्रदान करने में अपना महत्वपूर्ण सहयोग प्रदान किया।

शुभ लाभ Classifieds FIND BUY SELL

CHANGE OF NAME & DOB
I, VIMALA Mother of Service No. 15223461M Nk(OPR) VIBIN MM, R/o. Vill:Peruvayal, Post:Poovattuparamba, Teh and Dist:Kozhikode, Kerala - 673008 have changed my name and DOB from VIMALA, DOB:10-05-1971 to VIMALA K M, DOB:01-01-1971 vide Affidavit dated:06-06-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, BALAKRISHNAN MM Father of Service No. 15223461M Nk (OPR) VIBIN MM, R/o.Vill:Peruvayal, Post:Poovattuparamba, Teh and Dist: Kozhikode, Kerala-673008 have changed my name and DOB from BALAKRISHNAN MM, DOB:12-12-1964 to BALAKRISHNAN M, DOB:24-05-1966 vide affidavit dt:06-06-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, TAVITAMMA Mother of Service No. 15673353M RHM MALLESWARA RAO P, R/o. Vill:TamminaiduPeta, PO:FareedPeta, Teh:Etcherla, Dist:Srikakulam, Andhra Pradesh - 532410 have changed my name and DOB from TAVITAMMA, DOB: 01-07-1966 to PAIDI TAVITAMMA, DOB:01-01-1962 vide affidavit dt:06-06-2025 before C.Samuel, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, BORRA RATTAIAH Father of Service No. 2619668H Nk BORRA SANKARAIAH, R/o.H.No.2-55/1J Surepalle, Dist:Guntur, Andhra Pradesh-522256 have changed my name and DOB from BORRA CHINA RATTAIAH, DOB:13-05-1971 to BORRA RATTAIAH, DOB: 01-01-1966 vide affidavit dt:06-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF DOB
I, BORRA VENKATARAMANA Mother of Service No. 2619668H Nk BORRA SANKARAIAH, R/o.H.No.2-55/1J, Surepalle, Dist:Guntur, Andhra Pradesh - 522256 have changed my Date of Birth from 08-07-1976 to 01-01-1976 vide affidavit dt:06-06-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME
I, Service No. IC 35621X Lt Col (Retd) BULUSU SIVA PRASAD, R/o.Flat No. A 706, GNR's Vasavi Nirvana, SVY No.421, R.K.Nagar, Attapur, Hyderguda Post, Rajendra Nagar Mandal, Hyderabad-500048, Telangana hereby declare that my wife name is to be changed from B SANTA to SANTHA BULUSU vide Affidavit dated:06-06-2025 before CVN Ramakrishna, Advocate and Notary, Secunderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I, VASANTHA KUMAR spouse of Service No. 13996067K Hav (AMB ASST) LATE K VIJAYA BHASKAR, R/o.H.No.2-15-20, Beerapppagadda, Uppal, MedchalMalkajgiri Dist, Telangana-500039 have changed my name and DOB from VASANTHA KUMAR, DOB:08-10-1980 to K VASANTHA KUMARI, DOB:06-10-1983 vide affidavit dt:7-6-2025 before G.Shobha, Advocate and Notary, Brahmanwadi, Begumpet, Hyderabad.

CHANGE OF NAME & DOB
I , SERVICE NO:15796058LRANK. HAVNAME. BAGESH KUMAR, resident of VILL-GOVINDPUR SHIV NAGAR, PO-Gandhrauli, District -Badaun, State-Uttar pradesh Pin- 202524, hereby state that My Father's Name is to be Changed From DEVENDER SINGH to DEVENDRA SINGH and Date of Birth from 01/07/1963 to 01/01/1955 vide affidavit dt:06-06-2025 before C SAMUEL Advocate and Notary Secunderabad

बकरीद बडे उत्साह के साथ मनाई गई

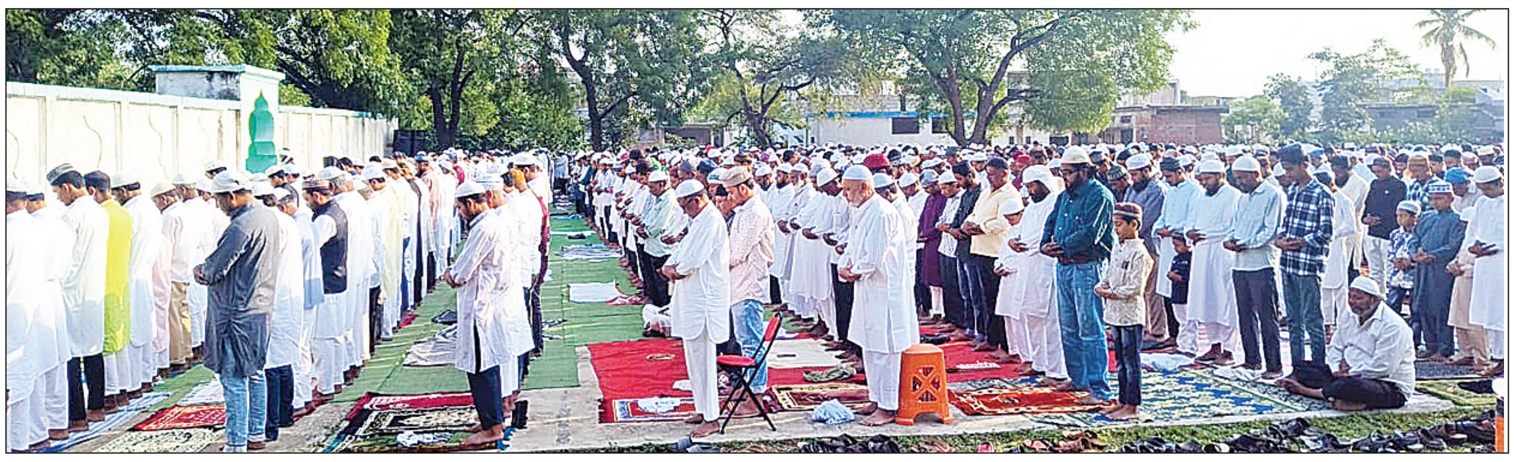

किनवट, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)

त्याग और समर्पण का पैगाम देने वाला पर्व ईद-उल-अजहा (बकरीद) बडे उत्साह के साथ मनाया गया। शहर में ईद पर एक-दुसरे को बधाई एवं शुभकामनाएं दी गई। इस अवसर पर पुलिस द्वारा कड़ी व्यवस्था की गई। गोकुंदा ईदगाह पर ईद की नमाज सुबह 7-30 बजे, जामा मस्जिद में सुबह 8-30 बजे अदा की गई। ईद की नमाज के दौरान अमन-शांति के लिए दुआ मांगी गई।

जहां जहां कुर्बानी दी गई वहां से जमा मलबा नगरपरिषद कर्मचारियों ने तत्काल हटाया और साफसफाई का खास रखा गया। पुलिस निरिक्षक देवीदास चोपडे के समन्वय और नप प्रशासक तथा मुख्याधिकारी अजय कुरवडे के मार्गदर्शन में नगरपरिषद के कर्मचारियों ने अथक परिश्रम किया।

हनुमान चालिसा पारायण का आयोजन

मदनूर 7 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

हर सप्ताह मंगलवार को गंगशेट्टी हनुमान मंदिर में और शनिवार को मध्य हनुमान मंदिर में सुबह 8.00 बजे से सामूहिक हनुमान चालीसा पारायण का आयोजन किया जा रहा है।

मदनूर शहर के सभी भक्तगणों से अनुरोध एवं प्रार्थना किया गया है कि अधिक से अधिक भक्तगण शनिवार व मंगलवार को सामूहिक हनुमान चालीसा पारायण में भाग लेकर पूण्य के भागी बने।

तेलंगाना सरकार के आदेशानुसार मदनूर मंडल केंद्र के मंडल परिषद प्राथमिक विद्यालय में शनिवार को स्कूल चलो कार्यक्रम का आयोजन किया गया। स्कूल चलो कार्यक्रम के तहत घर-घर जाकर विद्यार्थियों के साथ अभिभावकों को जागरूक किया गया और उनके बच्चों का सरकारी स्कूलों में नामांकन कराया गया। जिससे सरकार की ओर से आने वाली कल्याणकारी योजनाओं का लाभ भी मिल सके। इस कार्यक्रम में ज्योति वसंत लक्ष्मी, आंगनबाड़ी शिक्षिका चंपा बाई सहित अन्य लोगों ने भाग लिया।

रेवेल्ली रोहित राष्ट्रीय योगासन जज प्रशिक्षण के लिए नामित

मंचेरियाल, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

मंचेरियल जिले के रेवेल्ली सतीश और मंजुला के पुत्र रेवेल्ली रोहित ने 2013 में अपनी योग यात्रा शुरू की। एक समर्पित अभ्यासकर्ता के रूप में उन्होंने दो राष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीते हैं और पिछले तीन वर्षों से राज्य स्तरीय योगासन जज के रूप में कार्य किया है।

उनके अनुभव और प्रतिबद्धता को देखते हुए, उन्हें योगासन भारत द्वारा आयोजित 5वें राष्ट्रीय योगासन जज प्रशिक्षण कार्यक्रम (2025-26) के लिए नामित किया गया, जिसे उन्होंने सफलतापूर्वक पूरा किया। उन्हें एनएसएनआईएस के मुख्य प्रशिक्षक और एशियाई खेलों के योगासन टीम के कोच डॉ. सी.के. मिश्रा से आधिकारिक कोर्स कॉप बुक प्राप्त हुई। उनकी इस उपलब्धि की मंचेरियल ने सराहना की।

भारत द्वारा आयोजित पटियाला, पंजाब (एनएसए-नआईएस) में 5वें राष्ट्रीय स्तर के योगासन जज प्रशिक्षण कार्यक्रम के लिए मंचेरियल जिले के रेवल्ली रोहित का चयन हुआ है और उन्होंने प्रशिक्षण पूरा कर लिया है। मंचेरियल जिला योग एवं खेल संघ के अध्यक्ष और सचिव, मंदा श्रीनिवास, अक्कला और तिरुपति वर्मा, संघ के सदस्यों ने उन्हें बधाई दी।

टाइगर जोन की स्थापना के खिलाफ आदिवासी उग्र

आसिफाबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

वन संरक्षण के नाम पर कुमारम भीम आसिफाबाद जिले को टाइगर जोन घोषित करने का यहां के आदिवासी पुरजोर विरोध कर रहे हैं। जिले के आसिफाबाद, सिरपुर कागजनगर वन प्रभाग के अंतर्गत 113 ब्लॉक और 339 गांव टाइगर जोन में आ रहे हैं। सरकार ने वन संरक्षण के नाम पर इस महीने की 30 तारीख को जीओ 49 जारी किया, जिससे करीब 16 हजार हेक्टेयर जमीन इस दायरे में आ गई। इस तरह सरकार की मंशा बाघों और वन्यजीवों की सुरक्षा के साथ ही लुप्तप्राय वन संपदा को संरक्षित करने की नजर आ रही है। जिले के वन क्षेत्र से सटे महाराष्ट्र के ताड़ोबा और तिप्पेश्वर अभ्यारण्य भी सटे हुए हैं। वहां से हर सीजन में बड़े बाघ जिले में आते-जाते हैं। वे यहां पर बसेरा बनाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन विभिन्न कारणों से बाघ वापस लौट रहे हैं। बसेरा बना चुके बाघ शिकारियों के कारण मर रहे हैं। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए खुद वन अधिकारी कहते हैं कि सरकार ने जिले के वन क्षेत्र के साथ-साथ गैर वन भूमि को भी बाघ क्षेत्र में शामिल कर लिया है।

लेकिन जिले के लोग सरकार के इस फैसले से नाराज हैं। खास तौर पर जंगलों पर निर्भर रहने वाले आदिवासी लोगों का कहना है कि बाघ क्षेत्र की स्थापना से उनके अस्तित्व पर संकट खड़ा हो गया है। आरक्षित वन नियम पहले से ही आदिवासी क्षेत्रों के विकास में बाधा बने हुए हैं और अब बाघ क्षेत्र की स्थापना के साथ ही गिरि पुत्रों को भगाने की साजिश रची जा रही है, ऐसा प्रदेश अध्यक्ष कोटनाका विजय ने कहा।उन्होंने केंद्र और राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि बाघों के प्रति प्रेम आदिवासियों का नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सरकार का फैसला गांवों में घर बनाने की अनुमति को निलंबित करने का है, तो ऐसी स्थिति होगी कि बोरवेल भी खोदने पड़ेंगे।उन्होंने चेतावनी दी कि जब तक यह जीओ वापस नहीं लिया जाता, तब तक आदिवासियों का आंदोलन नहीं रुकेगा। इसके तहत शनिवार को तुदुम देब के तत्वावधान में जिला केंद्र में विरोध रैली का आयोजन किया जाएगा।दूसरी ओर राजनीतिक दल भी टाइगर जोन के खिलाफ आवाज उठा रहे हैं। सिरपुर के पूर्व विधायक कोनप्पा ने अपर कलेक्टर को एक याचिका सौंपकर कंजर्वेशन फॉरेस्ट के नाम पर सरकार द्वारा जारी 49 जीओ को वापस लेने की मांग की है, जबकि आसिफाबाद विधायक कोवलक्ष्मी ने चेतावनी दी है कि वे टाइगर जोन के खिलाफ आमरण अनशन पर बैठेंगे।

इस संदर्भ में टाइगर जोन आंदोलन के गंभीर रूप लेने की संभावना है।इस बीच, दो दिन पहले जिले के दौरे पर आए पीसीसीएफ सुवर्णा ने आश्वासन दिया कि टाइगर जोन बनने से लोगों को किसी तरह की परेशानी नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र और राज्य सरकार से मिलने वाले फंड से लोगों के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे।

स्कूल चलो जागरूकता अभियान आयोजित

मदनूर, 7 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

सरकारी पाठशाला में शिक्षा लेना बेहतर है। बड़ी बाटा कार्यक्रम के अंतर्गत अध्यापकों ने बताया कि निजी स्कूल से अच्छी सरकारी स्कूलों में दी जा रही है। उक्त उद्गार माना बाड़ी के प्रो. जयशंकर ने एक कार्यक्रम के प्रकट किये। बडी बाटा कार्यक्रम के तहत शनिवार को मदनूर मंडल केंद्र में सरकारी हाई स्कूल चलो अभियान के तहत शिक्षक सरकारी स्कूलों में शिक्षा के लिए घर-घर जाकर बच्चों को स्कूलों में दाखिले के बारे में अभिभावकों को शिक्षित किया जा रहा है। वे अभिभावकों को जागरूक कर रहे हैं कि सरकारी शिक्षा से भविष्य में बच्चों का भविष्य अच्छा रहेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी हाई स्कूलों में अनुभवी योग्य शिक्षकों द्वारा शिक्षा दी जाती है, प्रत्येक छात्र को मुफ्त पाठ्यपुस्तकें, दो जोड़ी यूनिफॉर्म और मुफ्त नोटबुक प्रदान की जाती हैं। डिजिटल उपकरणों के माध्यम से गुणवत्ता-पूर्ण शिक्षा, व्यक्तिगत ध्यान के साथ विशेष कक्षाएं, मुफ्त मध्याह्न भोजन उपलब्ध कराई जा रहा है। उन्होंने आगे कहा कि विद्यार्थियों में कुपोषण दूर करने के लिए सप्ताह में तीन दिन अंडा और तीन दिन कॉपर जावा उपलब्ध कराया जाएगा। सरकार ऐसी सुविधाओं के साथ सभी तरह की शिक्षा उपलब्ध कराएगी।शिक्षकों द्वारा अभिभावकों में सरकारी स्कूलों में अपने बच्चों का प्रवेश कराने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। इस अभियान में स्कूल के प्रिंसिपल और शिक्षकों की टीम भाग ले रही हैं।

आंध्र प्रदेश इंटर प्रथम, द्वितीय वर्ष के पूरक परिणाम 2025 घोषित

विजयवाड़ा, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन, आंध्र प्रदेश ने 7 जून को आंध्र प्रदेश इंटर प्रथम और द्वितीय वर्ष के पूरक परिणाम 2025 की घोषणा की। जो छात्र मई में आयोजित इंटरमीडिएट पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंट्री परीक्षा के लिए उपस्थित हुए थे, वे अब अपना परिणाम देख सकते हैं।परिणाम आधिकारिक वेबसाइट लळश.र.सीं.ळप, ीर्शीिश्रीीलळश.र.सीं.ळप पर उपलब्ध हैं । परिणाम देखने के लिए, छात्र को वर्ष का चयन करना होगा, रोल नंबर और जन्म तिथि दर्ज करनी होगी और भविष्य के संदर्भ के लिए अंक ज्ञापन डाउनलोड करना होगा।

वैकल्पिक रूप से, राज्य सरकार ने मन मित्र नामक एक व्हाट्सएप -आधारित शासन चैटबॉट सेवा प्रदान की है। छात्र व्हाट्सएप पर 9552300009 पर हाय संदेश भेज सकते हैं, संकेतों का पालन कर सकते हैं और चैट में अपने स्कोरकार्ड प्राप्त कर सकते हैं।

पूरक परीक्षाएं 12 मई से 20 मई तक आयोजित की गईं, तथा प्रायोगिक परीक्षाएं 28 मई से 1 जून के बीच आयोजित की गईं। ये परीक्षाएं उन विद्यार्थियों के लिए थीं, जो 12 अप्रैल को घोषित मुख्य इंटरमीडिएट सार्वजनिक परीक्षाओं में एक या एक से अधिक विषयों में अन-ुत्तीर्ण हुए थे, जिसमें प्रथम वर्ष में उत्तीर्ण प्रतिशत 67% था, तथा द्वितीय वर्ष में 83% था।

दोनों वर्षों में विभिन्न स्ट्रीम-जनरल, वोकेशनल और प्राइ-वेट-से 10 लाख से अधिक छात्र शामिल हुए। पूरक परिणाम इन छात्रों को शैक्षणिक प्रगति और कॉलेज में प्रवेश का दूसरा मौका देते हैं।

बकरीद धूमधाम से मनाई गई

आदिलाबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

बकरीद का त्यौहार, जिसे ईद उल अज़हा के नाम से भी जाना जाता है, शनिवार को पूरे आदिलाबाद जिले में बड़े उत्साह और भक्ति के साथ मनाया गया।

इस्लामिक कैलेंडर के सबसे पवित्र दिनों में से एक की शुरुआत को चिह्नित करते हुए, सुबह-सुबह बड़ी संख्या में मुसलमान ईदगाहों में विशेष नमाज़ अदा करने के लिए एकत्र हुए।पारंपरिक परिधान पहने, नमाज़ियों ने सामूहिक नमाज़ के बाद एक-दूसरे को गले लगाया और ईद मुबारक की बधाई दी। माहौल खुशी और आध्यात्मिक चिंतन से भरा हुआ था।

पुलिस और नागरिक अधिकारियों ने आदिलाबाद, निर्मल, मंचेरियाल और कुमराम भीम आसिफाबाद जिलों में मस्जिदों और प्रार्थना स्थलों के पास कड़ी सुरक्षा और सुचारू यातायात प्रबंधन सुनिश्चित किया। कई नेताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने इस शुभ अवसर पर मुस्लिम समुदायों को अपनी हार्दिक शुभकामनाएँ दीं और करुणा, त्याग और भाईचारे के मूल्यों पर जोर दिया।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने एपीएल नीलामी पर रोक लगाई

विजयवाड़ा, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

आंध्र प्रदेश उच्च न्यायालय ने आंध्र क्रिकेट एसोसिएशन को निर्देश दिया है कि वह अगले आदेश जारी होने तक आंध्र प्रीमियर लीग की चल रही फ्रेंचाइजी नीलामी को अंतिम रूप न दे।एक फ्रेंचाइजी मालिक ने शुक्रवार को बताया कि, यह निर्देश छह मौजूदा फ्रेंचाइजी मालिकों - विजाग वॉरियर्स, बेजवाड़ा टाइगर्स, कोस्टल राइडर्स - द्वारा संयुक्त रूप से दायर एक रिट याचिका के जवाब में आया है, जिसमें मौजूदा हितधारकों से परामर्श या सहमति प्राप्त किए बिना नई फ्रेंचाइजी बोलियां आमंत्रित करने के एसीए के एकतरफा फैसले को चुनौती दी गई है।यहां यह उल्लेख करना आवश्यक है कि फ्रेंचाइजी मालिकों ने आरोप लगाया है कि एसीए ने शुरू में प्रत्येक फ्रेंचाइजी को 18 वर्ष की परिचालन अवधि की पेशकश की थी, जिसे मौखिक और लिखित आश्वासनों के माध्यम से दोहराया गया था।फ्रेंचाइजी के मालिक ने कहा, हालांकि, आंध्र प्रदेश में सरकार बदलने के बाद, एसीए ने मनमाने ढंग से शर्तों में बदलाव किया है, पिछले ढांचे की अनदेखी की है और मौजूदा टीमों के व्यावसायिक विश्वास को कमजोर किया है।उन्होंने कहा, अचानक निर्णय वापस लेना और नई नीलामी का आह्वान करना - पूर्व अनुबंधों या फ्रेंचाइजी द्वारा किए गए 25-30 करोड़ रुपये के सामूहिक निवेश को मान्यता दिए बिना - विश्वास और वैध उम्मीद का स्पष्ट उल्लंघन है।वास्तव में, 13 मई को एसीए अधिकारियों को सौंपे गए एक संयुक्त ज्ञापन में, फ्रेंचाइजी मालिकों ने बताया कि पिछले तीन सत्रों में -झड ने लगातार प्रगति की है, प्रशंसकों का समर्थन और दृश्यता प्राप्त की है, तथा फ्रेंचाइजी ने प्रतिभा विकास, जमीनी स्तर पर प्रचार और ब्रांड निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है।

असामाजिक तत्वों पर कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

आसिफाबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

एसपी पाटिल कांतिलाल सुभाष ने कहा कि जिले में असामाजिक गतिविधियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने सुझाव दिया कि पुलिस को अपराध नियंत्रण के लिए काम करना चाहिए। शुक्रवार को जिला पुलिस कार्यालय में पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक हुई। इस अवसर पर बोलते हुए एसपी ने कहा कि पुलिस को लगातार लोगों के लिए उपलब्ध रहना चाहिए और लोगों की समस्याओं का समाधान कर जन सुरक्षा को प्राथमिकता देनी चाहिए। उन्होंने साइबर अपराध और प्रतिबंधित मादक पदार्थों पर नियंत्रण के लिए कदम उठाने का आदेश दिया। उन्होंने सुझाव दिया कि लोगों को आश्वस्त करने वाले तरीके से पुलिसिंग की जानी चाहिए और शांति और सुरक्षा के मामलों में सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए। उन्होंने शांति और सुरक्षा को बाधित करने वालों और पुलिस कर्तव्यों में बाधा डालने वालों के खिलाफ कानूनी कार्रवाई करने का आदेश दिया। उन्होंने कल बकरीद त्योहार के दौरान किसी भी अवांछनीय घटना को रोकने के लिए सख्त कदम उठाने को कहा। इस बैठक में एएसपी चित्तरंजन, कागजनगर डीएसपी रामानुजम, विशेष शाखा, टास्क फोर्स इंस्पेक्टर राणा प्रताप आदि ने भाग लिया।

जगतियाल में अंतिम संस्कार की चिता से फैली आग में सामान जलकर खाक

जगतियाल, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। जगतियाल शहरी मंडल के धारुर गांव में शनिवार को एक कबाड़ की दुकान में लगी आग में लगभग एक करोड़ रुपये का कबाड़ जलकर राख हो गया।

स्थानीय निवासियों के अनुसार, एक बुजुर्ग महिला का अंतिम संस्कार पास के कब्रिस्तान में किया जा रहा था, तभी ऐसा संदेह है कि आग चिता से शुरू हुई और कबाड़ की दुकान सहित आस-पास के इलाकों में फैल गई। इलाके में दहशत फैल गई क्योंकि पास में ही एक ईंधन बंक और कई घर थे। धारुर और उसके आस-पास के गांवों में घना धुआं छा गया, जिससे तनाव और बढ़ गया।आग की सूचना मिलते ही अग्निशमन एवं बचाव सेवा के कर्मचारी मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया। दुकानदारों का अनुमान है कि इस घटना में करीब एक करोड़ रुपये का सामान जलकर खाक हो गया।

विधायक ने पाम ऑयल की खेती पर दिया जोर

खानपुर, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विधायक वेदमा बोज्जू पटेल ने कहा कि किसानों को अपनी कृषि भूमि में तिलहन की फसल उगानी चाहिए, जिससे कम लागत में अधिक मुनाफा होगा। शुक्रवार को खानपुर विधायक वेदमा बोज्जू पटेल ने कडेम मंडल केंद्र में एक किसान द्वारा अपने खेत में उगाई गई तिलहन की पहली फसल देखी। बाद में उन्होंने मंडल केंद्र के रायथु वेदिका भवन में बागवानी एवं रेशम उद्योग तथा प्री यूनिक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड द्वारा तिलहन की खेती पर आयोजित जागरूकता संगोष्ठी में भाग लिया। इस अवसर पर बोलते हुए विधायक ने कहा कि तिलहन की खेती से अधिक मुनाफा कमाया जा सकता है। उन्होंने कहा कि किसानों को तिलहन की खेती पर ध्यान देना चाहिए और सरकार हर तरह की सुविधाएं उपलब्ध कराएगी। उन्होंने कहा कि किसान अपने खेतों में तिलहन की खेती करने के बाद फसल कटने तक आंतरिक फसलों की खेती कर सकते हैं।

तेलंगाना सरकार ने नई नीति के तहत एक लाख करोड़ के हरित ऊर्जा सौदों पर हस्ताक्षर किए

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने कहा कि तेलंगाना में हरित बिजली उत्पादन के लिए एक लाख करोड़ रुपये के समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए हैं।उन्होंने आगे कहा कि राज्य सरकार ने 2025 नई ऊर्जा नीति पेश की है, जिसका लक्ष्य 2030 तक 20,000 मेगावाट हरित ऊर्जा हासिल करना है।शनिवार को कुरनूल के ओर्वाकल मंडल के पिन्नापुरम गांव में ग्रीनको एकीकृत विद्युत परियोजना का दौरा करने के बाद मीडियाकर्मियों से बात करते हुए उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा के लिए तेलंगाना के दृष्टिकोण पर प्रकाश डाला।तेलंगाना सरकार बिजली उत्पादन बढ़ाने और अधिशेष बिजली की ओर बढ़ने के लिए विभिन्न रास्ते तलाश रही है। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि कई देश सौर, पवन, तापीय, पंप स्टोरेज, फ्लोटिंग सोलर और हाइड्रोजन पावर जैसे विविध तरीकों से बिजली उत्पादन को बढ़ावा दे रहे हैं।

कांग्रेस हाईकमान की मंजूरी के बाद तेलंगाना सरकार का मंत्रिमंडल विस्तार तय

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। कांग्रेस हाईकमान की मंजूरी के बाद तेलंगाना सरकार आने वाले दिनों में मंत्रिमंडल विस्तार की तारीखों की घोषणा कर सकती है।2023 के विधानसभा चुनावों में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) को हराने के बाद रेवंत रेड्डी सरकार के सत्ता में आने के बाद से कोई कैबिनेट विस्तार नहीं हुआ है।मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के प्रमुख महेश कुमार गौड़ और अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) की तेलंगाना प्रभारी मीनाक्षी नटराजन के साथ मंत्रिमंडल विस्तार पर चर्चा की है। खबर है कि छह खाली विभागों को भरने के लिए 3-4 मंत्रियों की नियुक्ति की संभावना है।नए मंत्रिमंडल में एक मुस्लिम विधायक को शामिल करने की भी चर्चा है।मुनुगोडे विधायक कोमाटिरेड्डी राज गोपाल रेड्डी, इब्राहिमपटनम विधायक मालरेड्डी रंगा रेड्डी, मकथल विधायक वकाती श्रीहरि, चेन्नूर विधायक गद्दाम वेंकटस्वामी, देवरकोंडा विधायक बालू नाइक और एमएलसी विजयशांति कैबिनेट पदों के लिए सबसे आगे हैं।

तेलंगाना में धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई बकरीद

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। तेलंगाना में त्योहार-ए-कुर्बानी बकरीद शनिवार को कड़ी सुरक्षा के बीच उत्साह और धार्मिक भावना के साथ मनाया गया।

इस अवसर पर विभिन्न ईदगाहों और मस्जिदों में विशेष नमाज अदा की गई। इसके बाद हजरत इब्राहिम की भक्ति और इच्छित बलिदान को याद करते हुए कुर्बानी (बलिदान) दी गई। हैदराबाद में मीर आलम ईदगाह, पुरानी ईदगाह, मसाब टैंक ईदगाह, मक्का मस्जिद और बलमराय ईदगाह जैसे प्रमुख स्थानों पर नमाजियों की भारी भीड़ देखी गई। राज्यपाल जिष्णु देव वर्मा और मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने राज्य के मुस्लिम समुदाय को बकरीद की शुभकामनाएं दीं। अपने संदेश में उन्होंने कहा, यह त्यौहार हमारे अंदर त्याग की भावना को फिर से जगाए, साझा करने के मूल्यों को बढ़ावा दे और भाईचारे और सद्भाव के बंधन को मजबूत करे।

केटीआर, हरीश राव ने कालेश्वरम परियोजना पर कांग्रेस-भाजपा की साजिश की निंदा की

हैदराबाद, 07 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के कार्यकारी अध्यक्ष के टी रामाराव (केटीआर) और पूर्व मंत्री एवं विधायक टी हरीश राव ने कालेश्वरम लिफ्ट सिंचाई परियोजना के बारे में कथित गलत सूचना अभियान को लेकर कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की साजिश की निंदा की है। तेलंगाना भवन में शनिवार को श्री हरीश राव ने 'कालेश्वरम परियोजना पर गलत सूचना - तथ्य' शीर्षक से एक पावरपॉइंट प्रस्तुति के दौरान यह टिप्पणी की। पार्टी नेताओं और मीडिया को संबोधित करते हुए हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस और भाजपा बीआरएस और पूर्व मुख्यमंत्री के चंद्रशेखर राव (केसीआर) की विरासत को बदनाम करने के लिए मिलीभगत कर रहे हैं, जिन्होंने तेलंगाना के सिंचाई परिदृश्य को बदलने के लिए इस परियोजना की कल्पना की थी।

उन्होंने कहा, केसीआर के नेतृत्व में कलेश्वरम, पलामुरु-रंगा रेड्डी और सीताराम परियोजनाएं 90 प्रतिशत तक पूरी हो गईं। उन्होंने तेलंगाना को उपजाऊ बनाया और किसानों को वह पानी दिया जिसका वे लंबे समय से इंतजार कर रहे थे।

केटीआर ने भी इसी भावना को दोहराया और कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि उसने तेलंगाना आंदोलन के मुख्य लक्ष्यों- पानी, धन और नौकरियों को छोड़ दिया है और उस पर भ्रष्टाचार और निष्क्रियता का सहारा लेने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा, कलेश्वरम में सैकड़ों घटकों के बीच दो खंभों की मरम्मत करने के बजाय, वे बदनामी का अभियान चला रहे हैं।

नेताओं ने गुजरात में मोरबी पुल के ढहने और बिहार और आंध्र प्रदेश की घटनाओं जैसे अन्य राज्यों में प्रमुख बुनियादी ढाँचे की विफलताओं पर एनडीएसए जैसी राष्ट्रीय एजेंसियों की चुप्पी पर सवाल उठाया। उन्होंने आरोप लगाया, लेकिन जब तेलंगाना की बात आती है, तो वही एजेंसियां समय पर मरम्मत किए बिना ही अलार्म बजा देती हैं।

हरीश राव ने यह भी बताया कि निर्माण क्षेत्र की दिग्गज कंपनी एलएंडटी, जिसने मेदिगड्डा बैराज और नए संसद भवन दोनों का निर्माण किया है, ने कालेश्वरम पर हाल की रिपोर्ट को निराधार बताया। उन्होंने पूछा, अगर एलएंडटी भरोसेमंद नहीं है, तो कांग्रेस ने उसी कंपनी के साथ अपना केंद्रीय कार्यालय क्यों बनवाया? इस बात पर जोर देते हुए कि परियोजना मरम्मत योग्य है और कृषक समुदाय के लिए आवश्यक है, बीआरएस नेताओं ने जिलों के लोगों तक सच्चाई पहुंचाने की अपनी योजना की घोषणा की।

बंडी संजय ने करीमनगर में 31.12 करोड़ की लागत से बनी सड़क का उद्घाटन किया

करीमनगर, 7 जून (शुभ लाभ ब्यूरो)। केंद्रीय गृह राज्य मंत्री बंदी संजय कुमार ने कहा कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार देश भर में सड़क निर्माण और बुनियादी ढांचे के विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दे रही है।

उन्होंने कहा कि करीमनगर संसदीय क्षेत्र में राष्ट्रीय रोजगार गारंटी योजना के तहत महत्व-पूर्ण आंतरिक सड़क विकास हो रहा है, जिसमें 31.12 करोड़ रुपये की लागत से काम चल रहा है।

केंद्रीय मंत्री ने शनिवार को कोठापल्ली मंडल के काजीपुर गांव में नवनिर्मित आंतरिक सड़क का उद्घाटन किया। रोजगार गारंटी योजना के तहत बनी इस सड़क का निर्माण 14 लाख रुपये में हुआ है। बाद में उन्होंने कोठापल्ली मंडल के आसिफ नगर में एक मार्केट शेड की आधारशिला रखी, जिसे सांसद स्थानीय क्षेत्र विकास (एमपीएलएडीएस) निधि से 9.50 लाख रुपये की लागत से बनाया जा रहा है।

कार्यक्रम में बोलते हुए बंडी संजय ने कहा, इस साल अकेले कोथापल्ली मंडल में सड़क निर्माण के लिए 74 लाख रुपये आवंटित किए गए हैं। मुझे गाजीपुर में इस सड़क का उद्घाटन करते हुए खुशी हो रही है, जो रोजगार योजना के तहत ग्रामीण संपर्क बढ़ाने की व्यापक पहल का हिस्सा है। सड़क बुनियादी ढांचे में केंद्र के व्यापक प्रयासों पर प्रकाश डालते हुए उन्होंने बताया कि केंद्रीय सड़क अवसंरचना कोष (सीआरआईएफ) के तहत करीमनगर संसदीय क्षेत्र में 291 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 1,341 किलोमीटर सड़कें बनाई गई हैं। इसके अलावा, दूरदराज के गांवों में सड़कें बनाने के लिए प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के तहत सैकड़ों करोड़ रुपये का उपयोग किया गया है। उन्होंने कहा कि करीमनगर संसद में राष्ट्रीय राजमार्ग कार्यों पर लगभग 5,000 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। उन्होंने कहा, करीमनगर-वारंगल और सिद्दीपेट-एलकाथुर्थी के बीच राजमार्ग परियोजनाएं तेजी से आगे बढ़ रही हैं। हम बहुत जल्द करीमनगर-जगित्याला राजमार्ग का निर्माण भी शुरू करने वाले हैं। राजीव गांधी राजमार्ग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार राष्ट्रीय राजमार्ग निधि का उपयोग करके इसे चौड़ा करने के लिए तैयार है। हालांकि, उन्होंने बताया कि सड़क वर्तमान में राज्य स्तरीय रखरखाव अनुबंध के तहत है। उन्होंने आश्वासन दिया, यदि राज्य सरकार मौजूदा ठेकेदार के साथ मुद्दे को सुलझाती है और प्रस्ताव प्रस्तुत करती है, तो हम बिना देरी के चौड़ीकरण परियोजना को शुरू करने के लिए तैयार हैं।

शुभ लाभ
का वार्षिक सब्सक्रिप्शन लें और उतने ही मूल्य का विज्ञापन छपवाएं

शुभ लाभ R. No. 5305
SPACE COUPON Rs. 2500/-
Worth of 1 Advertisement 10x10 Sq. Cm. in Shubh Labh
Validity : 1 Year from the time of Issue
SUBSCRIPTION FORM
Name : ....
Period of Subscription : Annual Rs. 2500/-
Mode of Payment : CHEQUE / D.D.
Cheque No. & Date .... Drawn ....
Name of the Executive..........
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
4th Floor, T19 Towers, Ranigunj, Secunderabad-500 003 (T.S.)

सुधि पाठकों को यह सूचित करना है कि हिंदी दैनिक शुभ लाभ वार्षिक सब्सक्रिप्शन स्कीम में आंशिक फेरबदल के साथ नये सिरे से सदस्यता अभियान शुरू कर रहा है। रुपये 2500/- के सालाना सब्सक्रिप्शन पर आप निर्धारित अवधि में रुपये 2500/- मूल्य (10X10 वर्ग सेंटीमीटर) का विज्ञापन निःशुल्क प्रकाशित करा सकते हैं। सब्सक्रिप्शन कूपन की प्रकाशित फोटो के अनुरूप आप अपनी प्राप्ति-रसीद प्राप्त कर सकते हैं। अधिक जानकारी के लिए 8688868345 पर संपर्क करें। - प्रबंधक

सूचना : सुधि पाठकों और विज्ञापनदाताओं से आग्रह है कि वे वार्षिक सब्सक्रिप्शन एवं विज्ञापन की राशि ऑनलाइन ट्रांजैक्शन के जरिए सीधे संस्थान के बैंक खाते में डालें या बार-कोड द्वारा भेजें...

A/C Holder Name : Shree Siddivinayak publications
Bank Name : City Union Bank OD Account
A/c.No. : 512120020029300
Branch : Balanagar, Hyderabad
IFS Code : CIUB0000464

SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS
Hyderabad Balanagar

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.